@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

# कौमी पत्रिका

## राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 8 फरवरी 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 89 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## भारतीयों के निर्वासन पर राउत ने सरकार को घेरा

**कौमी संवाददाता**

नई दिल्ली, 7 फरवरी। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को अमेरिका से भारतीय प्रवासियों के निर्वासन को लेकर केंद्र की आलोचना की और तर्क दिया कि अमेरिका के विमान को उड़ान भरने और वापस जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत सरकार को अपने नागरिकों की सुरक्षा में अधिक मुखर भूमिका निभानी चाहिए थी। इस मामले में संजय राउत ने कहा, हमारे लिए, वे अपराधी नहीं हैं। उनके पैरों और हाथों की बेड़ियां हटा दी जानी चाहिए थीं... यह कानून का उल्लंघन था...अमेरिका के विमान को उड़ान भरने और वापस जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी। संजय राउत ने तर्क दिया कि एक बार जब ये व्यक्ति भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गए, तो उनके साथ भारतीय कानूनों के अनुसार व्यवहार किया जाना चाहिए था, न कि अपराधियों के रूप में। उन्होंने इस बात

पर जोर दिया कि भारत सरकार को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए और अधिक कड़ा रुख अपनाना चाहिए था, भले ही उन्हें अमेरिका की तरफ से अवैध अप्रवासी माना गया हो।उन्होंने कहा, वे अमेरिका के लिए अवैध अप्रवासी थे। हालांकि, उनके विमान के भारतीय सीमा में प्रवेश करने के बाद भारतीय कानून लागू थे। शिवसेना यूबीटी सांसद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ भारतीय नागरिकों को सख्त आव्रजन प्रवर्तन उपायों के तहत अमेरिका से निर्वासित किया गया था। इधर शिवसेना यूबीटी में टूट के दावों का खंडन करते हुए पार्टी के तमाम सांसदों ने एकजुटता दिखाई है। दिल्ली में सभी सांसदों प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक साथ देखे गए और एकता का प्रदर्शन किया। बता दें कि, कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा था कि, शिवसेना यूबीटी के छह सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने वाले हैं। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा, देश के सभी चैनल न्यूज रिपोर्ट चला रहे हैं, हम भी इसे देखकर दंग रह गए... इतने बड़े जनादेश के साथ सत्ता में आने के बावजूद सरकार ठीक से काम नहीं कर रही है। तो वे कैसे काम करेंगे? बस ये अफवाहें हैं। संसद में शिवसेना (यूबीटी) कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर हमारे यूबीटी के सभी 11 सांसद मौजूद थे। जब सब कुछ ठीक चल रहा है और उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं, तो ये अफवाहें फैलाई जा रही हैं... हम सभी आपके सामने मौजूद हैं। यूबीटी का एक भी सांसद कहीं नहीं गया है। हम 100त्न शिवसेना (यूबीटी) के साथ हैं। हम आपको यही बताने आए हैं।

## आप ने बनाई अलग वेबसाइट, अपलोड किए फॉर्म 17सी

नई दिल्ली, 7 फरवरी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मतगणना से पहले शुक्रवार को चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। केजरीवाल ने एक्स पर दावा किया कि चुनाव आयोग ने कई बार अनुरोध करने के बावजूद फॉर्म 17-सी और हर विधानसभा क्षेत्र में बूथ पर डाले गए वोटों की संख्या अपलोड करने से इनकार कर दिया है। ऐसे में आप ने दावा कर एक वेबसाइट बनाई है, जिस पर हर विधानसभा के सभी फॉर्म 17सी अपलोड कर दिए हैं। इस फॉर्म में हर बूथ पर डाले गए वोटों का पूरा ब्योरा है। यह पहली बार है कि जब किसी राजनीतिक

दल ने फॉर्म 17-सी अलग वेबसाइट पर अपलोड किए हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिनभर में हर विधानसभा और हर बूथ का डाटा सूचीबद्ध कर पेश करेंगे, ताकि हर मतदाता तक इसकी जानकारी तक पहुंच सके। यह कुछ ऐसा है जो चुनाव आयोग को पारदर्शिता के हित में करना चाहिए था, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे ऐसा करने से इनकार कर रहे हैं। वहीं, आप सांसद संजय सिंह ने एक्स पर कहा कि जो काम चुनाव आयोग नहीं कर पाया वह केजरीवाल ने कर दिया। इतना गणित तो 10वीं के छात्र को भी आता है कि वह तीन घंटे में जोड़कर बता सकता है कि दिल्ली में कुल कितने वोट पड़े हैं। आखिर चुनाव आयोग फॉर्म 17-सी अपलोड क्यों नहीं कर रहा है।

# पेरिस में एआई समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे पीएम मोदी

**सिम्मी कौर बब्बर**

नई दिल्ली, 7 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी के तीसरे सप्ताह में फ्रांस का दौरा करेंगे। जहां वे 11 फरवरी को पेरिस में एआई समिट 2025 की सह-अध्यक्षता करेंगे। बता दें कि, फ्रांस ने भारत को इस सम्मेलन की सह-अध्यक्षता के लिए निमंत्रण दिया था। जानकारी के मुताबिक, इस कार्यक्रम में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और चीनी उपप्रधानमंत्री कई अन्य लोग शिरकत करेंगे। वहीं राजनयिक सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी इस दौरान तमाम फ्रांसीसी कंपनियों को प्रमुख के साथ मुलाकात और बातचीत भी करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस की छठा आधिकारिक दौरा है। एआई मीट की सह-अध्यक्षता करने के अलावा, पीएम मोदी 12 फरवरी को फ्रांस सरकार की तरफ से आयोजित वीवीआईपी डिनर में भी शामिल होंगे। पेरिस शांति मंच का हिस्सा एआई शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई विकास और तैनाती के लिए एक नैतिक, टिकाऊ और समावेशी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। पीएम मोदी की भागीदारी के साथ, भारत वैश्विक एआई एजेंडे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इससे

पहले ये सम्मेलन लंदन और सियोल में आयोजित किया गया था। जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी 12 फरवरी को मार्सिले में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। एयरोस्पेस, इंजन और पनडुब्बियों के क्षेत्र में भारत और फ्रांस के बीच सफल वार्ता चल रही है। असैन्य परमाणु ऊर्जा और रिएक्टरों पर भी अग्रिम वार्ता चल रही है; पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान ठोस घोषणाओं की संभावना भी है। इससे पहले फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पीएम मोदी के दौरे और इस कार्यक्रम को लेकर कहा था, फ्रांस 10-11 फरवरी को एआई एक्शन सम्मेलन का आयोजन करेगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श होगा। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। यह एक अहम दौरा होगा क्योंकि हम हम सभी एआई ताकतों से इसे लेकर चर्चा करना चाहते हैं। वहीं भारत मार्सिले में एक नया वाणिज्य दूतावास खोलने के लिए तैयार है, जो दक्षिणी फ्रांस में अपनी राजनयिक उपस्थिति को और मजबूत करेगा। इस कदम से भारत और फ्रांस के बीच व्यापार, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने की उम्मीद है।

## कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले पर सीएम सिद्धारमैया ने जताई खुशी

बंगलूरू, 7 फरवरी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को राहत दी। अदालत ने आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका खारिज कर दी, जिसमें मुडा साइट आवंटन मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की गई थी। इस बात पर सीएम सिद्धारमैया ने खुशी जताई है। साथ ही कानूनी प्रक्रिया पालन करने की बात कही है। कांग्रेस विधायक, वरिष्ठ अधिवक्ता और मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार ए. एस. पोन्ना ने कहा कि उन्होंने अदालत के फैसले की जानकारी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को दी, जिन्होंने खुशी जताई और कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पर राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन जनता के समर्थन और कानून की वजह से ऐसे प्रयास विफल हो रहे हैं। पोन्ना ने आगे कहा कि वे सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग के खिलाफ हैं, लेकिन अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे, तो पोन्ना ने कहा कि यह पूरी तरह से राजनीतिक मामला है और सरकार को अस्थिर करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन वे असफल हो रहे हैं। इस जांच मामले में एजेंसियों पर सवाल उठाते हुए डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि जब लोकायुक्त और ईडी ने मामले की जांच की है, तो जांच तीसरी एजेंसी (सीबीआई) को कैसे दी जा सकती है? इसे ऐसे नहीं दिया जा सकता, कई फैसले हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक कि मैं इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी लड़ रहा हूं और कह रहा हूं कि मेरे खिलाफ बनाए गए मामले सही नहीं हैं, केवल एक एजेंसी को जांच करनी चाहिए, दोहरी जांच नहीं हो सकती।

## एक ही दुकान में मिल सकेंगी बियर, देशी और अंग्रेजी शराब

लखनऊ, 7 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में 2025-26 की आबकारी नीति को मंजूरी दे दी गई। नई नीति में देशी-विदेशी शराब, बीयर, भांग की फुटकर दुकानों का लाइसेंस ई-लॉटरी से होगा। विभाग इस बार पुराने लाइसेंस का रिन्यूवल नहीं करेगा। बता दें कि इससे पहले वित्तीय वर्ष 2018-2019 में ई-लॉटरी से दुकानें आवंटित हुई थी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में लाइसेंस रिन्यूवल का विकल्प दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार आबकारी नीति में प्रदेश में पहली बार कंपोजिट दुकानों का लाइसेंस भी जारी किया जाएगा, जिसमें विदेशी शराब, बीयर और वाइन की एक साथ बिक्री की सुविधा होगी। हालांकि इन दुकानों पर शराब पीने की अनुमति नहीं होगी। नई नीति में 55 हजार करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 4000 करोड़ रुपये अधिक है। वहीं प्रीमियम रिटेल दुकानों के लाइसेंस का रिन्यूवल 25 लाख रुपये वार्षिक फीस लेकर करने का फैसला लिया गया है। पिछले साल की तरह लाइसेंस फीस यथावत रखी गई है। कोई भी व्यक्ति, फर्म, कंपनी दो से अधिक लाइसेंस नहीं ले सकेंगी। कैबिनेट की बैठक में बुधवार को आबकारी नीति को मंजूरी मिल गई। इसके तहत मॉल्स के मल्टीप्लेक्स एरिया में प्रीमियम ब्रांड की दुकानें खोलने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि सक्षम स्तर से अनापत्ति मिलने पर हवाई अड्डों, मेट्रो व रेलवे स्टेशनों पर मुख्य भवन में प्रीमियम रिटेल की दुकानें अनुमन्य होंगी। इनका मुख्य द्वार भवन के अंदर होने की बाध्यता खत्म कर दी गई है। वहीं, पहली बार विदेशी मदिरा की 60 एमएल और 90 एमएल की बोतलों की बिक्री की अनुमति भी दी गई है।

# बुलडोजर कार्रवाई मामले में अदालत की अवमानना का आरोप: सुप्रीम कोर्ट

**सौरभ शर्मा**

नई दिल्ली, 7 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को संभल के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को संबंधित उच्च न्यायालय में जाने को कहा। दरअसल याचिका में दावा किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल दिए अपने आदेश में बिना पूर्व नोटिस और सुनवाई का मौका दिए बगैर बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया है कि संभल में प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा अदालत के आदेश की अवमानना की गई। याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा है कि 13 नवंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में बुलडोजर से तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। अदालत के आदेश के बावजूद 10-11 जनवरी 2025 को संभल स्थित उसकी संपत्ति में बिना किसी पूर्व सूचना और उसका पक्ष सुने बगैर तोड़फोड़ की गई। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह अदालत के बीते साल नवंबर में दिए गए आदेश की अवमानना है। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय

जाने को कहा। अदालत ने कहा कि 13 नवंबर, 2024 के अपने फैसले में उसने स्वतंत्रता दी थी कि यदि कोई उल्लंघन हुआ है, तो क्षेत्राधिकार वाला उच्च न्यायालय शिकायत पर विचार करने का हकदार होगा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिकाकर्ता मोहम्मद गयूर की तरफ से पेश हुए वकील चांद कुरैशी से कहा कि वे याचिका उच्च न्यायालय में दायर करें। यह मामला उच्च न्यायालय द्वारा बेहतर तरीके से निपटाया जा सकता है। याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में एकतरफा बुलडोजर से तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगाई थी और 15 दिन पहले नोटिस जारी करने का आदेश दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन नहीं किया गया और संभल में स्थित उसकी संपत्ति में बिना किसी पूर्व नोटिस के तोड़फोड़ की गई। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने अपने नवंबर 2024 के फैसले में स्पष्ट किया कि वे सार्वजनिक स्थानों जैसे कि सड़कों, गलियों, फुटपाथों, रेलवे लाइनों या नदी या जल निकायों में अनधिकृत संरचनाओं को छोड़कर किसी की संपत्ति में तोड़फोड़ से पूर्व नोटिस देने का आदेश दिया था।

# अप्रवासियों से दुर्व्यवहार पर अमेरिकी अधिकारियों से की जाएगी बात

**तेजिन्दर कौर बब्बर**

नई दिल्ली, 7 फरवरी। अमेरिका से भारत भेजे गए अप्रवासियों के साथ किए गए दुर्व्यवहार को लेकर विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि अप्रवासियों से दुर्व्यवहार का मुद्दा हमारे सामने आया है। इस मुद्दे को लेकर हम अमेरिकी अधिकारियों से बात करेंगे। हम यह तय करेंगे कि निर्वासितों के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए। ऐसा कोई भी मामला हमारे सामने आएगा तो हम उसे अमेरिका के सामने उठाएंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों ने हमें आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के बारे में सूचित किया है। इस पर विदेश मंत्री ने मानक संचालन प्रक्रिया का विवरण दिया है। अवैध आव्रजन को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ पूरे सिस्टम में कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अवैध भारतीय प्रवासियों के निर्वासन के बाद कोई विरोध प्रदर्शन हुआ था। हमारे पास किसी विरोध प्रदर्शन का कोई रिकॉर्ड नहीं है। विदेश सचिव ने कहा कि निर्वासन की प्रक्रिया नई नहीं है। इस बारे में विदेश मंत्री ने भी कल संसद में बताया था। दुनिया का कोई भी देश अगर अपने नागरिकों को वापस स्वीकार करना चाहता है तो उसे यह आश्वासन चाहिए होता है

कि जो भी वापस आ रहा है वह भारत का नागरिक है। क्योंकि इससे वैधता और सुरक्षा के मुद्दे जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि जब हमने अमेरिका से संभावित वापसी करने वालों के बारे में विवरण मांगा तो हमें बताया गया है कि अंतिम निष्कासन वाले 487 भारतीय नागरिक हैं। हमें 298 व्यक्तियों के बारे में विवरण दिए गए हैं। हम अमेरिकी समकक्षों के साथ इस मामले में बहुत पारदर्शी रहे हैं। दो दिन पहले जो निर्वासन हुआ वह कई वर्षों से हो आ रही उड़ानों की तुलना में कुछ अलग है और यह बहुत ही महत्वपूर्ण है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 से 12 फरवरी 2025 तक फ्रांस की यात्रा पर रहेंगे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस शिखर सम्मेलन की सह अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों भी होंगे। प्रधानमंत्री 10 फरवरी की शाम को पेरिस पहुंचेंगे। यहां वह राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा सरकार के प्रमुखों और राष्ट्राध्यक्षों के सम्मान में एलीसी पैलेस में आयोजित रात्रिभोज में शामिल होंगे। रात्रिभोज में टेक डोमेन से बड़ी संख्या में सीईओ और शिखर सम्मेलन में आमंत्रित कई अन्य विशिष्ट लोगों के भी शामिल होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगले दिन 11 फरवरी को प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मैक्रों के साथ एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। यह तीसरा उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन है। इनमें से पहला 2023 में यूके में और दूसरा 2023 में कोरिया गणराज्य में आयोजित किया गया था। 2024 में अब यह फ्रांस में हो रहा है। एआई शिखर सम्मेलन के बाद पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी 11 फरवरी की शाम को मार्सिले जाएंगे। यहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पीएम मोदी के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन भी करेंगे। 12 फरवरी को वह युद्ध कब्रिस्तान जाएंगे और प्रथम विश्व युद्ध में बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देंगे। दोनों नेता संयुक्त रूप से मार्सिले में भारत के नवीनतम महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद दोनों नेता अंतरराष्ट्रीय थर्मल परमाणु प्रायोगिक रिएक्टर स्थल कदाश का दौरा करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 12 और 13 फरवरी को अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली अमेरिका यात्रा होगी।

# महाराष्ट्र चुनाव के परिणामों में हेराफेरी की गई: राहुल गांधी

**नरेश मल्होत्रा**

नई दिल्ली, 7 फरवरी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) सांसद संजय राउत के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के डिप्टी स्पीकर हॉल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राहुल ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणामों में हेराफेरी की गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के तुरंत बाद ही चुनाव आयोग की ओर से भी प्रतिक्रिया जारी कर दी गई। उन्होंने ट्वीट कर बताया, चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को प्राथमिकता वाले हितधारकों के रूप में मानता है। बेशक मतदाता सबसे अहम होता है और राजनीतिक दलों से आने वाले विचारों, सुझावों और सवालों को भी बहुत महत्व दिया जाता है। आयोग पूरे देश में समान रूप से अपनाए गए पूर्ण तथ्यात्मक और प्रक्रियात्मक मैट्रिक्स के साथ लिखित रूप में जवाब देगा। राहुल गांधी ने कहा कि हम इस टेबल पर महाराष्ट्र में पिछला चुनाव लड़ने वाले पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हम चुनाव के बारे में कुछ जानकारी लाने जा रहे हैं। हमने विवरण का अध्ययन किया है- मतदाताओं और मतदान सूची का। हमारी टीमें काम कर रही हैं। हमें कई अनियमितताएं मिली हैं। राहुल ने कहा, हम चुनाव आयोग से कह रहे हैं कि हमें गड़बड़ी मिल रही है। हमें महाराष्ट्र के मतदाताओं के नाम और पते वाली मतदाता सूची चाहिए। हमें लोकसभा चुनाव की मतदाता सूची चाहिए। हमें विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची चाहिए। हम यह समझना चाहते हैं कि ये नए नाम कौन-कौन से हैं। बहुत सारे मतदाता हैं, जिनके नाम हटा दिए गए हैं। एक बूथ के मतदाता दूसरे बूथ पर स्थानांतरित कर दिए गए हैं। इनमें से ज्यादातर मतदाता दलित समुदायों, आदिवासी समुदायों और अल्पसंख्यक समुदायों से आते हैं। हमने चुनाव आयोग से बार-बार अनुरोध किया है। उन्होंने हमें कोई जवाब नहीं दिया है। विपक्ष के नेता ने संसद भवन में यह बात कही है। चुनाव आयोग ने कोई जवाब नहीं दिया है। अब उनके जवाब न देने का एकमात्र कारण यह है कि उन्होंने जो किया है, उसमें कुछ गड़बड़ है। मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं। मैं यहां स्पष्ट रूप से डेटा प्रस्तुत कर रहा हूं। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में विधानसभा 2019 और लोकसभा 2024 के बीच पांच साल में 32 लाख नए मतदाता जोड़े गए। लोकसभा 2024 और विधानसभा 2024 के बीच 5 महीने में 39

लाख नए मतदाता जोड़े गए। सवाल ये है कि 5 महीने के अंदर पिछले 5 साल से ज्यादा मतदाता कैसे जोड़े गए? यह हिमाचल प्रदेश के कुल मतदाताओं के बराबर है। दूसरा मुद्दा यह है कि महाराष्ट्र में राज्य की पूरी मतदाता आबादी से ज्यादा मतदाता क्यों हैं? किसी तरह से अचानक ही महाराष्ट्र में मतदाता बनाए गए हैं। राहुल गांधी ने कहा, हमें दो चीजों के बीच अंतर समझने की जरूरत है। एक हैं अटकलें और दूसरा है तथ्य। मैंने यहां कोई अटकलें नहीं लगाई हैं। मैंने तथ्य प्रस्तुत किए हैं। पहला तथ्य- हिमाचल प्रदेश की जनसंख्या जितने मतदाता जोड़े गए हैं। जहां भी ऐसे मतदाता जोड़े गए हैं, वे भाजपा के निर्वाचन क्षेत्र हैं, जहां भी भाजपा जीती है, वहां उन्हें जोड़ा गया है। अंतिम तथ्य- चुनाव आयोग का कहना है कि महाराष्ट्र की जनसंख्या से अधिक मतदाता हैं। ये अटकलें नहीं हैं। ये तथ्य है। ये हमारा डेटा नहीं है, ये चुनाव आयोग का डेटा है। हम कह रहे हैं कि तथ्यात्मक विसंगतियां हैं। चुनाव आयोग अंतिम प्राधिकारी है, हम उनसे पूछ रहे हैं। आप हमें यह नहीं समझा पाएंगे कि महाराष्ट्र में महाराष्ट्र की जनसंख्या से अधिक मतदाता कैसे हैं। इसलिए आपको हमें अब मतदाता सूची देनी होगी, ताकि हम इसे समझा सकें। मुझे यकीन है कि अगर वे मतदाता सूची देते हैं, तो हम यहां एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे, जहां इन सवालों के जवाब आपको मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि चिंता की बात यह है कि रणनीति देरी करने की है।

## ईडी ने तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल के बैंक खातों से जब्त किए 26 करोड़

नई दिल्ली, 7 फरवरी। प्रवर्तन निदेशालय ने पश्चिम बंगाल में कथित सीमा पार मवेशी तस्करी रैकेट की चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल के करीब 26 करोड़ रुपये के बैंक खाते जब्त किए हैं। जानकारी के मुताबिक, अनुब्रत मंडल को नवंबर 2022 में संघीय एजेंसी ने गिरफ्तार किया था और पिछले साल सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस मामले में जमानत दे दी थी। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अनुब्रत मंडल के खिलाफ 25.86 करोड़ रुपये के बैंक खाते को अस्थायी रूप से जब्त करने का आदेश जारी किया गया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि ये पैसे 36 बैंक खातों में रखे गए हैं। पश्चिम बंगाल में मवेशी तस्करी के गठजोड़ को संरक्षण प्रदान करने के लिए अनुब्रत मंडल ने 48.06 करोड़ रुपये की अपराध आय हासिल की थी। जांच एजेंसी ने कहा, अपराध के समय वह टीएमसी के बीरभूम जिला अध्यक्ष थे और बीरभूम व पश्चिम बंगाल के आस-पास के जिलों के स्थानीय प्रशासन पर उनका बहुत अधिक नियंत्रण था। अपने अंगरक्षक सहगल हुसैन के माध्यम से अनुब्रत मंडल मामले के सरगना मोहम्मद इनामुल हक के साथ लगातार संपर्क में था, ऐसा आरोप लगाया गया। ईडी ने कहा कि अनुब्रत मंडल ने मोहम्मद इनामुल हक से हासिल नकदी को संरक्षण प्रदान करने के लिए अपने परिवार के सदस्यों, संबद्ध संस्थाओं, बेनामीदारों (जिनके नाम पर बेनामी संपत्ति है) और बीरभूम के स्थानीय व्यापारियों के कई बैंक खातों में जमा करके उसे लूटा। उन्होंने इसे बैंकिंग चैनलों के माध्यम से वापस कर दिया। अब तक, एजेंसी ने इस मामले में चार आरोपपत्र दायर किए हैं। धन शोधन की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से शुरू हुई है। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कथित मवेशी तस्करी रैकेट चलाने के आरोप में पूर्व बीएसएफ कमांडेंट सतीश कुमार, मोहम्मद इनामुल हक और अन्य के खिलाफ जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एफआईआर दर्ज की है।

## श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे की याचिका पर 19 मार्च को करेगा विचार

**एजेंसी**

**कोलंबो।** श्रीलंका का सुप्रीम कोर्ट पूर्व राष्टपति महिंदा राजपक्षे की मौलिक अधिकार याचिका पर 19 मार्च को विचार करेगा। राजपक्षे ने निजी सुरक्षा से जुड़ी याचिका में अपने सुरक्षा अधिकारियों की संख्या घटाकर 60 करने के सरकार के फैसले को चुनौती दी है।डेली न्यूज समाचार पत्र की खबर के अनुसार 2005 से 2015 तक श्रीलंका के राष्टपति रहे महिंदा राजपक्षे की मौलिक अधिकार याचिका पर आज जस्टिस प्रीति पैडमैन सुरसेना, जस्टिस जनक डी सिल्वा और जस्टिस संपत अबेकून की पीठ ने सुनवाई की। राजपक्षे ने यह याचिका 24 जनवरी को दाखिल की थी। इसमें राजपक्षे ने कहा था कि सरकार ने सुरक्षा में तैनात कर्मियों की संख्या घटाकर 60 कर दी है, जो पहले 350 से अधिक हुआ करती थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से इस पर दखल देने का आग्रह किया था। मौलिक अधिकार याचिका में 80 वर्षीय पूर्व राष्टपति राजपक्षे ने कहा था कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के तीन दशक लंबे सशस्त्र अभियान को समाप्त करने में उनकी भूमिका के कारण उनका जीवन खतरे में है। उन्होंने याचिका में प्रतिवादी के रूप में प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या, कैबिनेट और रक्षा प्रतिष्ठान को नामित किया है।

## बांग्लादेश में बंगबंधु के आवास की ईंट से ईंट बजा दी गई, अंतरिम सरकार तमाशबीन

**ढाका।** बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और मुल्क के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के आवास (धानमंडी-32) का बड़ा हिस्सा गिराया जा चुका है। कल रात से बवाल जारी है। रात को इस घर में आग भी लगा दी गई। आज सुबह साढ़े 08 बजे भीड़ बुलडोजर के माध्यम से बंगबंधु के आवास को पूरी तरह गिराने में आमादा दिखी। इस दौरान अंतरिम सरकार और पुलिस हाथ पर हाथ धरे नजर आई। बांग्लादेश के अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, सुबह लोग बुलडोजर और अन्य उपकरणों से घर को गिराते रहे। भीड़ में शामिल लोगों में से कुछ ने कहा कि वह हसीना से जुड़ी हर स्मृति को जमींदोज कर देंगे। द डेली स्टार के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने आज पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का पुतला भी फूंका। शेख मुजीब और उनके परिवार के नाम पर रखे गए बेगम रोकेया विश्वविद्यालय रंगपुर हॉल पर लगी नेमप्लेट उखाड़ कर फेंक दी। बांग्लादेश के संस्थापक राष्टपति शेख मुजीब को बंगबंधु (राष्टपिता) के नाम से जाना जाता है। प्रदर्शनकारियों ने कारमाइकल कॉलेज और डीसी ऑफिस चौराहे पर भी तोड़फोड़ की। विरोध-प्रदर्शन रोकेया विश्वविद्यालय परिसर से शुरू हुआ। प्रदर्शनकारियों ने शेख मुजीब का एक भित्तिचित्र तोड़ने के बाद परिसर के कुछ हिस्से पर बुलडोजर चला दिया। इस परिसर को ओपन स्टेज (मुक्तोमोनचो) घोषित कर दिया। उन्होंने बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान हॉल का नाम बदलकर बिजॉय 24 हॉल कर दिया।

## फिलीपींस में सेना के साथ संघर्ष में दो विद्रोही मारे गये

**मनीला।** फिलीपींस के सैनिकों ने मध्य फिलीपींस के समर प्रांत में संघर्ष के दौरान दो कथित विद्रोहियों को मार गिराया। सेना ने कहा कि परानास शहर में बुधवार सुबह सैनिकों और न्यू पीपुल्स आर्मी (एनपीए) के विद्रोहियों के बीच लड़ाई शुरू हो गई, जब सैनिक गश्त पर थे। सैनिकों ने भाग रहे विद्रोहियों का पीछा किया, जिससे विद्रोहियों के साथ संक्षिप्त झड़पें हुईं। सेना ने कहा कि

जवानों ने मुठभेड़ स्थल पर कुछ हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। एनपीए उग्रवादी 1969 से सरकारी सैनिकों से लड़ रहे हैं। मिलिट्री डेटा से पता चला है कि एनपीए की संख्या 1980 के दशक में लगभग 25 हजार सशस्त्र सदस्यों के शिखर से घटकर अब कम हो गई है।अपनी घटती संख्या के बावजूद, एनपीए ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे स्तर पर हमले जारी रखता है।

## बंगलादेश ने भारतीय उच्चायुक्त पवन को तलब किया

**ढाका/नयी दिल्ली।** बंगलादेश की सेना समर्थित अंतरिम सरकार ने भारत में शरण लिए हुए अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिए गए 'झूठे और मनगढ़ंत बयानों' के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। न्यूएजबीडी की रिपोर्ट के अनुसार विदेश मंत्रालय ने भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को एक विरोध पत्र सौंपा। उन्हें सुश्री हसीना के ऑडियो बयान के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के एक दिन बाद मंत्रालय में तलब किया गया था। मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, 'ढाका में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त को सौंपे गए विरोध पत्र के माध्यम से मंत्रालय ने बंगलादेश सरकार की गहरी चिंता, निराशा और गंभीर आपत्ति व्यक्त की है क्योंकि इस तरह के बयान बंगलादेश में लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं।'

# नए शिपिंग प्रतिबंधों पर भड़का ईरान, अमेरिका को सुनाई खरी-खरी

**एजेंसी**

**तेहरान** । ईरान ने शिपिंग से संबंधित प्रतिबंध लगाने के वाशिंगटन के कदम की निंदा की। तेहरान के मुताबिक इससे उसे साझेदारों के साथ वैध व्यापार करने से रोका जाएगा। आधिकारिक समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी।

अमेरिकी ट्रेजरी ने कहा कि वह कुछ व्यक्तियों और टैंकरों पर नए प्रतिबंध लगा रहा है, जो प्रति वर्ष लाखों बैरल ईरानी कच्चे तेल को चीन भेजने में मदद करते हैं। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह ईरान के कच्चे तेल के निर्यात को शून्य पर लाने की कसम खाई थी। इसके बाद बाद ईरान के तेल पर लगने वाली ये पहली पाबंदी है। यह अमेरिकी कदम तेहरान की परमाणु क्षमताओं पर अंकुश लगाने के प्रयासों का हिस्सा हैं। आईआरएनए ने ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघई के हवाले से कहा,÷ईरान को उसके आर्थिक

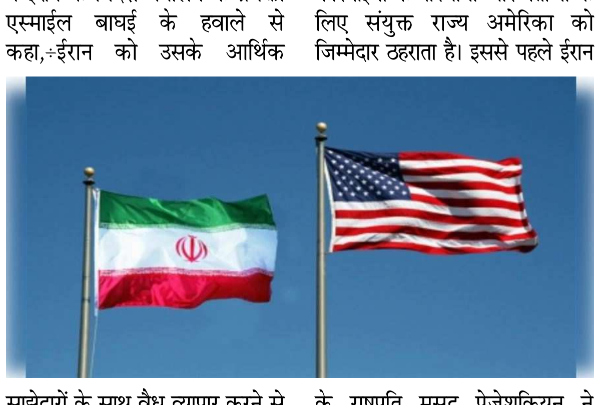

साझेदारों के साथ वैध व्यापार करने से रोककर ईरानी लोगों पर दबाव डालने का नए अमेरिकी प्रशासन का फैसला एक नाजायज और गैरकानूनी कार्रवाई है। बाघई ने कहा,ईरान इस तरह की एकतरफा और धमकाने वाली कार्रवाइयों के परिणामों और नतीजों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को जिम्मेदार ठहराता है। इससे पहले ईरान के राष्टपति मसूद पेजेशकियन ने पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के सदस्यों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर सभी सदस्य एकजुटता से काम करते हैं तो अमेरिका उनमें से किसी पर भी प्रतिबंध नहीं लगा पाएगा। तेहरान में ओपेक के महासचिव हैथम अल घैस के साथ बैठक के दौरान पेजेशकियन ने कहा, ओपेक के सदस्यों को इस तरह से काम करना चाहिए कि उससे से किसी अन्य सदस्य को नुकसान न पहुंचे।

ईरानी राष्टपति ने कहा, मेरा मानना है कि अगर ओपेक के सदस्य एकजुट होकर और लगातार काम करते हैं, तो अमेरिका उनमें से किसी पर प्रतिबंध नहीं लगा पाएगा और न ही उन पर दबाव डाल पाएगा। राष्टपति के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान,पेजेशकियन ने ओपेक सदस्यों की एक आम भाषा, दृष्टिकोण और नीति पर पहुंचने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संगठन को राजनीतिकरण से दूर रखने की भी बात कही।

## पनामा के राष्ट्रपति ने अमेरिकी दावे को किया खारिज, कहा- नहर पर युद्धपोतों के गुजरने पर कोई समझौता नहीं

**एजेंसी**

**मनीला।** पनामा के राष्टपति जोस राउल मुलिनो ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी युद्धपोतों को पनामा नहर से बिना शुल्क गुजरने की अनुमति मिल गई है। राष्टपति मुलिनो ने स्पष्ट किया कि नहर से गुजरने की शर्तें पनामा सरकार और संबंधित प्राधिकरणों द्वारा तय की जाती हैं, और इस संबंध में कोई विशेष छूट या नया समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से इस विषय पर चर्चा की थी और स्पष्ट रूप से बताया था कि शुल्क में किसी तरह की छूट देना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में मुलिनो ने कहा, मैं अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। यह दावा न केवल भ्रामक है, बल्कि पनामा की संप्रभुता पर भी प्रश्न उठाता है। उन्होंने वॉशिंगटन स्थित पनामा के राजदूत को निर्देश दिया है कि वे इस दावे का आधिकारिक रूप से विरोध दर्ज कराएं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा था कि सरकारी जहाज अब पनामा नहर से बिना किसी शुल्क के गुजर सकते हैं, जिससे अमेरिका को सालाना लाखों डॉलर की बचत होगी। हालांकि, मुलिनो ने इस बयान पर आश्चर्य जताते हुए इसे बेबुनियाद और अस्वीकार्य करार दिया। उन्होंने कहा कि पनामा नहर का संचालन अंतरराष्ट्रीय संधियों और देश के कानूनों के तहत किया जाता है, और किसी भी बदलाव पर केवल पनामा सरकार का अधिकार है।

## नाइजीरिया के स्कूल में लगी भीषण आग, 17 बच्चों की मौत

**एजेंसी**

**अबुजा।** नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी इलाके में स्थित एक इस्लामिक स्कूल में लगी आग में कम से कम 17 बच्चों की मौत हो गई। देश की आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसी ने यह जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि जम्फारा राज्य के कौरा नमोदा जिले में यह भीषण हादसा हुआ। जब आग लगी, तब स्कूल में करीब 100 बच्चे मौजूद थे। एजेंसी के मुताबिक सत्रह बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। आग किस वजह से लगी यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

हालांकि एजेंसी का कहना है कि अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी। नाइजीरियाई राष्टपति बोला टीनुबू ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने स्कूलों से बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाइजीरिया में स्कूलों में आग लगना आम बात नहीं

है लेकिन पिछली घटनाओं के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया गया जो 'सुरक्षित स्कूल पहल' की सिफारिशों को लागू करने में नाकाम रही। इन सिफारिशों को स्कूलों और छात्रों की सुरक्षा के लिए 2014 में तैयार किया गया था। टीनूबू ने नियामक अधिकारियों को निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया। पिछले महीने,नाइजीरिया की राजधानी अबुजा के बाहरी इलाके में एक स्कूल में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस में विस्फोट हुआ था। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

## ट्रंप ने दोहराया गाजा प्लान, कहा- लड़ाई के अंत में इजरायल अमेरिका को सौंप देगा क्षेत्र

**एजेंसी**

**वाशिंगटन।** डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा पर अमेरिका के 'कब्जा' की अपनी विचार को दोहराया। ट्रंप ने अपनी योजना की घोषणा रात को की थी। बुधवार को फिलिस्तीनियों और दुनिया भर के नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया लेकिन ऐसा लगता है कि अमेरिकी राष्टपति पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, लड़ाई के अंत में इजरायल गाजा पट्टी को संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया देगा। फिलिस्तीनी, चक शूमर जैसे लोग, पहले ही कहीं अधिक सुरक्षित और अधिक सुंदर घरों में बस चुके होंगे। अमेरिकी राष्टपति ने लिखा, उन्हें वास्तव में खुश, सुरक्षित और स्वतंत्र होने का मौका मिलेगा। अमेरिका, दुनिया भर की महान विकास टीमों के साथ मिलकर, धीरे-धीरे, सावधानी से निर्माण शुरू करेगा जो पृथ्वी पर अपनी तरह का सबसे महान और सबसे शानदार विकास कार्य बन जाएगा। अमेरिका के किसी भी सैनिक की जरूरत नहीं होगी! क्षेत्र में स्थिरता कायम होगी!! बता दें मंगलवार (4

जनवरी) को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने अपने गाजा प्लान का ऐलान किया था। ट्रुथ सोशल पर लिखे गए उनके पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि फिलिस्तीनी क्षेत्र के दो मिलियन निवासियों को वापस लौटने के लिए आमंत्रित किया जाएगा या नहीं। अंतर्राष्टीय कानून के तहत, कब्जे वाले क्षेत्र से आबादी को जबरन स्थानांतरित करने के प्रयासों पर सख्त प्रतिबंध है। ट्रंप ने गाजा को विकसित करने का प्रस्ताव रखा तो सुझाव दिया था कि फिलिस्तीनियों का विस्थापन स्थायी होगा। ट्रंप के इस बयान के बाद उन पर जातीय सफाया करने की योजना बनाने का आरोप लगा।

संयुक्त राष्ट, मानवाधिकार समूहों और अरब नेताओं ने इसकी निंदा की है। इसके बाद व्हाइट हाउस की तरफ से ट्रंप के बयान पर सफाई भी दी गई। प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने बुधवार को कहा कि कोई भी विस्थापन अस्थायी होगा। वहीं विदेश मंत्री रुबियो ने कहा कि विचार यह है कि गाजा के लोग 'अंतरिम' अवधि के लिए क्षेत्र छोड़ दें, जबकि मलबा साफ किया जा रहा हो और पुनर्निर्माण कार्य चल रहा हो।

## फिलीपींस में अमेरिकी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त, चार की मौत

**एजेंसी**

**मनीला (फिलीपींस)** । अमेरिकी रक्षा विभाग का एक छोटा विमान दक्षिणी फिलीपींस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड ने दी।

दुर्घटना दक्षिणी फिलीपींस के मगुइंडानाओ डेल सुर में हुई। विमान खेत में गिरा। दुर्घटना स्थल से आई तस्वीरों में बीचक्राफ्ट किंग एयर 350 का मलबा दिखाई दे रहा है, जिसकी पुष्टि अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने की है। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में अमेरिकी मरीन का एक सदस्य समेत तीन रक्षा कॉन्ट्रैक्टर (ठेकेदार) की मौत हो गई। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड ने कहा कि छोटा विमान फिलीपींस के सहयोगियों के अनुरोध पर खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही सहायता प्रदान करते हुए एक नियमित मिशन पर था। यह दुर्घटना एक नियमित मिशन के दौरान हुई तथा दुर्घटना के

कारण की जांच की जा रही है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, यह विमान मेट्रिया स्पेशल एयरोस्पेस आईएसआर, इंक के नाम पर पंजीकृत है। यह दुर्घटना नए रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा सचिव गिल्बर्टो टेओडोरो जूनियर संग हुई पहली बातचीत के एक दिन बाद घटी। कॉल के विवरण के अनुसार, दोनों ने दक्षिण चीन सागर में प्रतिरोध के महत्व और फिलीपींस सेना की क्षमताओं को बढ़ाने पर चर्चा की। इंडो-पैसिफिक कमांड ने मिंडानाओ द्वीप पर दुर्घटना के बारे में एक बयान में कहा, यह विमान हमारे फिलीपींस सहयोगियों के अनुरोध पर खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही सहायता प्रदान कर रहा था। यह घटना अमेरिका-फिलीपींस सुरक्षा सहयोग गतिविधियों के समर्थन में एक नियमित मिशन के दौरान हुई। अमेरिकी सेना ने बताया कि इस घटना में एक सैन्यकर्मी और तीन रक्षा ठेकेदार मारे गए हैं। उनके परिवारों को सूचित किए जाने तक उनकी तत्काल पहचान नहीं हो पाई है।बयान में कहा गया, हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि दुर्घटना में कोई जीवित नहीं बचा है। फिलीपींस में अल्पावधि के लिए अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की गई है, जहां अमेरिकी सेना ने मिंडानाओ में सक्रिय इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े आतंकवादियों से लड़ने वाले सैनिकों को खुफिया जानकारी उपलब्ध कराने में मदद की है। फिलीपींस की सेना ने एक बयान में कहा कि वह दुर्घटना के बारे में जानकारी जारी नहीं कर सकती क्योंकि मामला गोपनीय है और जांच जारी है।

## बांग्लादेश में बीएनपी नेता की गोली मारकर हत्या

**एजेंसी**

**ढाका।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता मामुन हुसैन की आज तड़के नारायणगंज सदर उपजिला के फतुल्लाह में अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। 42 वर्षीय मामुन हुसैन को पुरबललपुर रेलवे लाइन के पास निशाना बनाया गया। वह ईंट और रेत का कारोबार करते थे। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बीएनपी के स्वैच्छिक दल के संयुक्त संयोजक मामुन हुसैन को उनकी कारोबारी फर्म मां-बाबर आशीर्वाद ट्रेडर्स के सामने गोली मारी गई। उनके बड़े भाई अमजद हुसैन ने इसकी पुष्टि की। अमजद ने कहा कि कुछ लोग मामून को घर से जगाकर मां-बाबर आशीर्वाद ट्रेडर्स के सामने ले गए। वहां उसे गोली मार दी। गोलियों की आवाज सुनकर वह वहां पहुंचे। वहां से लहूलुहान मामुन को खानपुर के नारायणगंज अस्पताल पहुंचाया गया।

डॉक्टरों ने उनके भाई को मृत घोषित कर दिया। फतुल्लाह मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी शरीफुल इस्लाम ने कहा कि मामुन की हत्या क्यों गई, यह अभी साफ नहीं हो सका है। मगर यह घटना कारोबारी प्रतिस्पर्धा का नतीजा हो सकती है।

## डोनाल्ड ट्रंप के 'गाजा प्लान' को करना चाहिए लागू : इजरायली प्रधानमंत्री

**एजेंसी**

**वाशिंगटन।** इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का समर्थन किया जिसमें गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए वहां से फिलिस्तीनियों को स्थानांतरित करने का प्रस्ताव शामिल है। उन्होंने इस योजना को 'असाधारण' बताया।

रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने अमेरिकी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में बुधवार को कहा, ÷यह पहला अच्छा विचार है जो मैंने सुना है। यह एक उल्लेखनीय विचार है। मुझे लगता है कि इसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए और लागू किया जाना चाहिए - क्योंकि यह सभी के लिए एक अलग भविष्य बनाएगा। इजरायली मीडिया के मुताबिक नेतन्याहू का यह बयान मंगलवार को व्हाइट हाउस में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप की ओर से पेश किए गए विचार का पहला पूर्ण समर्थन है। प्रेस

कॉन्फ्रेंस के दौरान राष्टपति ट्रंप ने गाजा पट्टी पर कब्जा करने और इसके पुनर्विकास का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, ÷अमेरिका गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा । हम इसे विकसित करेंगे। गाजा में मौजूद सभी खतरनाक बमों और अन्य हथियारों को निष्क्रिय करेंगे, जगह को समतल करने और तबाह हो चुकी इमारत को हटाएंगे।''ट्रंप ने कहा, अमेरिका एक ऐसा आर्थिक विकास करेगा जो क्षेत्र के लोगों के लिए असीमित संख्या में नौकरियों और आवास की आपूर्ति करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब उनसे एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या गाजा छोड़ने वाले फिलिस्तीनियों को भविष्य में वहां फिर से बसने की अनुमति दी जाएगी। तो जवाब में उन्होंने सवाल किया, 'आप वहां किसे रहते हुए देखते हैं?अमेरिकी राष्टपति ने कहा, 'वहां रहने वाले लोग, दुनिया के लोग होंगे इसमें फिलिस्तीनी भी शामिल होंगे। हालांकि जब इस बयान पर हंगामा हुआ तो व्हाइट हाउस ने बाद में सफाई दी। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वाशिंगटन का लक्ष्य केवल फिलिस्तीनियों को 'अस्थायी रूप स' हटाना है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, ट्रंप ने यह स्पष्ट कर दिया है... कि वह क्षेत्र में हमारे साझेदारों - विशेष रूप से मिस्र और जॉर्डन - से अपेक्षा करते हैं कि वे फिलिस्तीनी शरणार्थियों को अस्थायी रूप से स्वीकार करें ताकि हम उनके घरों का पुनर्निर्माण कर सकें।

## हमास के कब्जे से नेपाली युवक की रिहाई के लिए ईरान से मांगी मदद

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा ने हमास के कब्जे से नेपाली युवक विपीन जोशी की रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। उन्होंने ईरान से मदद मांगी है। बंधकों को छोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू होने के 15 दिन बाद भी नेपाली युवक की रिहाई नहीं हो पाई है। विदेशमंत्री राणा ने आज सुबह ईरान के विदेशमंत्री सैयद अब्बास आरागची से टेलीफोन पर बातचीत की। राणा ने बताया कि उन्होंने ईरान के विदेशमंत्री से नेपाली युवक विपीन जोशी की रिहाई को लेकर आग्रह किया है। ईरान के विदेशमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अगली बार जब भी हमास के नेताओं से उनकी बातचीत होगी वो इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाएंगे। विदेशमंत्री राणा ने पिछले साल नवंबर और दिसंबर में इस संबंध में इजराइल, मिस्र और कतर के

विदेशमंत्रियों के साथ टेलीफोन पर बातचीत कर विपिन जोशी की रिहाई कराने का आग्रह किया था।

हमास ने इजराइल पर हमला करने के दिन ही करीब 12 नेपाली नागरिकों की हत्या किए जाने के साथ ही कई नेपाली नागरिकों का अपहरण कर लिया गया था। मारे गए नेपाली नागरिकों अधिकतम छात्र थे। अब तक सैकड़ों नेपाली नागरिकों को सुरक्षित नेपाल लाया जा चुका है।

## लॉस एंजिल्स जंगल की आग से हुआ 164 अरब डॉलर का नुकसानः रिपोर्ट

**एजेंसी**

**लॉस एंजिल्स।** अमेरिका की लॉस एंजिल्स काउंटी को तबाह करने वाली दो सबसे बड़ी जंगल की आग पर जारी एक नई रिपोर्ट के अनुसार इससे कुल 164 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति और पूंजी तक का नुकसान हुआ है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, पैलिसेड्स और ईटन की आग से होने वाली कुल संपत्ति और पूंजीगत हानि 95 अरब डॉलर से 164 अरब डॉलर के बीच हो सकती है, जिसमें बीमाकृत नुकसान 75 अरब डॉलर होने का अनुमान है।

## पाकिस्तान में सियासी हलचल, जेयूआईएफ नेता फजलुर रहमान के तेवर देख प्रधानमंत्री शहबाज पहुंचे मिलने

**एजेंसी**

**इस्लामाबाद।** नेशनल असेंबली में कुछ वक्त पहले संघीय सरकार को संकट से उबारने वाले जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयूआईएफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के बदले तेवर से सियासी हलचल तेज हो गई है। हुकूमत को लगता है कि मौलाना अगर रूठ गए तो मुसीबत बढ़ जाएगी। इस तल्खी को दूर करने के लिए कल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने मौलाना फजलुर रहमान से उनके आवास पर मुलाकात की। प्रमुख समाचार पत्र द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री के मीडिया कार्यालय और जेयूआईएफ प्रवक्ता ने बैठक का विस्तृत विवरण जारी नहीं किया। हालांकि, दोनों पक्षों ने संक्षिप्त बयान में कहा कि बैठक के दौरान राष्ट्रीय और राजनीतिक मामलों पर चर्चा हुई। शहबाज ने

फजलुर रहमान से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की। मौलाना ने इसके लिए धन्यवाद दिया और शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर योजनामंत्री अहसान इकबाल और सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के अलावा मौलाना अब्दुल गफूर हैदरी, सीनेटर मौलाना अताउर रहमान, मौलाना असद महमूद और पार्टी प्रवक्ता असलम गौरी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले संसद भवन में मीडिया से बातचीत में फजलुर रहमान ने संघीय सरकार पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने कहा था कि अगर सत्ता प्रतिष्ठान के मंच से मनमाने फैसले लिए जाएंगे तो देश में समस्याएं बढ़ जाएंगी। सरकार को इस हद तक नहीं जाना चाहिए कि राजनेताओं के लिए कोई रास्ता न बचे। उन्होंने नए सिरे से आम चुनाव कराने की भी मांग की थी। शहबाज शरीफ ने उन्हें बैठक में बताया कि सरकारी उद्यमों के निजीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने का आदेश दिया गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अर्थव्यवस्था में सुधार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके लिए हम सबको सामूहिक रूप से काम करना होगा। इसके अलावा, शहबाज शरीफ ने बैठक में आगा खान चतुर्थ के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में शनिवार को एक दिन का राष्ट्रीय शोक रहेगा।

**कौमी पत्रिका**

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने राष्ट्रपति मुर्मु से मुलाकात की

एजेंसी

**नई दिल्ली।** क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति और तेंदुलकर ने अमृत उद्यान का भी दौरा किया। बाद में, राष्ट्रपति भवन की पहल 'राष्ट्रपति भवन विमर्श कार्यक्रम' के तहत एक संवाद सत्र में तेंदुलकर ने एक क्रिकेटर के रूप में अपनी यात्रा के किस्से के माध्यम से प्रेरणा के सिद्धांतों को साझा किया। इस सत्र में महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों और विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान तेंदुलकर ने टीम वर्क, दूसरों का ख्याल रखने, दूसरों की सफलता का जश्न मनाने, कड़ी मेहनत करने, मानसिक और शारीरिक मजबूती विकसित करने और जीवन निर्माण के कई अन्य पहलुओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भविष्य के खेल सितारे दूरदराज के क्षेत्रों और आदिवासी समुदायों और उन क्षेत्रों से आएंगे जो इतने विशेषाधिकार प्राप्त नहीं हैं।

## दिल्ली विधानसभा चुनाव : मतगणना 8 फरवरी को सुबह आठ बजे से होगी शुरू, सभी तैयारियां पूरी

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा चुनाव की मतगणना शनिवार को सुबह आठ बजे शुरू होगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतगणना के लिए उम्मीदवारों और उनके एजेंटों के दस्तावेजों की जांच पूरी हो गई है। इस बार किसी भी विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान की जरूरत नहीं है। दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर. एलिस वाज ने बताया कि सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों ने सामान्य पर्यवेक्षकों, उम्मीदवारों और उनके एजेंटों की उपस्थिति में चुनाव दस्तावेजों की जांच पूरी कर ली गई है। जांच प्रक्रिया के दौरान चुनाव से संबंधित सभी दस्तावेज सही क्रम में पाए गए। पर्यवेक्षकों, उम्मीदवारों और प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की। उन्होंने बताया कि मतदान को लेकर पुनर्मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि जांच के दौरान किसी भी उम्मीदवार से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने बताया कि सभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित तरीके से रखा गया है। दिल्ली में 19 स्थानों पर हर एक विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 70 स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं। मतदान किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईसीआई सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

## राहुल नगालैंड के छात्रों से मिले, तकनीकी क्रांति से प्रेरित भारत के भविष्य पर चर्चा की

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में नगालैंड के छात्रों के साथ मुलाकात की और उनसे उन्होंने तकनीकी क्रांति से प्रेरित भारत के भविष्य पर चर्चा की। उन्होंने भारत के भविष्य को आकार देने और सुरक्षित करने के लिए प्रतिमान बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने भारत के दृष्टिकोण और विकास में इसकी केंद्रीयता पर ज़ोर दिया राहुल गांधी ने इस मुलाकात से सम्बन्धित एक वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर साझा किया, जिसमें छात्रों के साथ उनकी चर्चा मुख्य रूप से भविष्य और प्रौद्योगिकी पर केंद्रित है। जो एक नई ऊर्जा प्रणाली की ओर बदलाव देख रही है, जहां इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी और ऑप्टिक्स सबसे महत्वपूर्ण तकनीकें होंगी। इसमें कहा गया है कि भारत पुरानी तकनीकों में फंसा हुआ है जबकि अमेरिका और चीन इस दुनिया के भविष्य को आकार देने में आगे बढ़ रहे हैं। कांग्रेस नेता का कहना है कि अब समय आ गया है कि हम इस बातचीत को शुरू करें और इसे अपने विश्वविद्यालयों और युवा दिमागों तक ले जाएं। हमें एक ऐसे प्रतिमान बदलाव के अनुकूल होने की जरूरत है, जहां युवा इस बदलाव के प्राथमिक चालक होंगे। जैसा कि मैंने अपने लोकसभा भाषण में कहा था, गतिशीलता का भविष्य सब कुछ बदल देगा।

## 'सांस्कृतिक विरासत स्थलों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव'

**नई दिल्ली।** व्यापक उपायों के तहत भारत के सांस्कृतिक विरासत स्थलों की नियमित रूप से निगरानी की जाती है और जलवाय परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए, भारतीय पुरातत्व सर्वे स्थलों के आवधिक वैज्ञानिक उपचार, जलवायु-लचीले समाधान अपना रहा है

## कांग्रेस से सबका साथ-सबका विकास की अपेक्षा गलत, इनके मॉडल में 'फैमिली फर्स्ट' : पीएम मोदी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर संबोधन दे रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने एक बार फिर 'सबका साथ, सबका विकास' को लेकर अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। इसके, अलावा पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के मॉडल में 'फैमिली फर्स्ट' सर्वोपरि है।

पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति ने भारत की उपलब्धियों के बारे में, दुनिया की भारत से अपेक्षाओं के बारे में और भारत के सामान्य मानवी का आत्मविश्वास, विकसित भारत का संकल्प जैसे सभी विषयों की विस्तार से चर्चा की थी। देश को आगे की दिशा भी उन्होंने दिखाई। राष्ट्रपति का अभिभाषण प्रेरक भी था, प्रभावी भी था और हम सब के लिए भविष्य का मार्गदर्शक भी था। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसदों ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यहां 'सबका साथ, सबका विकास' के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। मुझे समझ में

नहीं आता कि लोग इस पर क्यों परेशान हो रहे हैं। यह सबकी साझा जिम्मेदारी है और भारत के लोगों ने हमें इसी के लिए चुना है। हालांकि, कांग्रेस से यह उम्मीद करना कि वह इस नारे को समझेगी और यह कैसे काम करता है, एक बड़ी भूल होगी। पूरी पार्टी सिर्फ़ एक परिवार के लिए समर्पित है और इसलिए उनके लिए 'सबका साथ, सबका विकास' के आदर्श वाक्य के साथ काम करना असंभव है। उन्होंने कहा कि यहां पर 'सबका साथ, सबका विकास' पर बहुत कुछ कहा गया। 'सबका साथ, सबका विकास' तो हम सबका दायित्व है। इसलिए देश ने हम सबको यहां बैठने का अवसर दिया है। कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के मॉडल में परिवार को प्राथमिकता देना चिंता का विषय है। इसलिए उनकी नीतियां, कामकाज, भाषण - सभी इसी को सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहे हैं। मैं देश के प्रति आभारी हूं कि उन्होंने हमें तीसरी बार सेवा करने के लिए चुना। भारत के लोगों ने हमारी प्रगति की नीति को परखा है और हमें अपने वादों को पूरा करते हुए देखा है। हमने लगातार 'राष्ट्र प्रथम' के आदर्श के साथ काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस से 'सबका साथ, सबका विकास' की अपेक्षा करना बहुत बड़ी गलती होगी।

ये उनकी सोच-समझ के बाहर है और उनके रोडमैप में भी ये शूट नहीं करता। क्योंकि जब इतना बड़ा दल, एक परिवार को समर्पित हो गया है, तो उसके लिए 'सबका साथ, सबका विकास' संभव ही नहीं है। कांग्रेस ने राजनीति का एक ऐसा मॉडल तैयार किया था, जिसमें झूठ, फरेब, भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टिकरण आदि का घालमेल था। कांग्रेस के मॉडल में 'फैमिली फर्स्ट' ही सर्वोपरि है। इसलिए, उनकी नीति-रीति, वाणी-वर्तन उस एक चीज को संभालने में ही खपता रहा है।

## पीएम मोदी का संबोधन, बॉलीवुड से लेकर 'फ्रीडम ऑफ स्पीच' तक का जिक्र, फिर कांग्रेस पर जुबानी प्रहार

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने इंदिरा गांधी के दौर में लगाई गई इमरजेंसी का जिक्र करते हुए कांग्रेस पार्टी पर जमकर जुबानी प्रहार किए।

पीएम मोदी ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान निर्माताओं का आदर करना चाहिए था, उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए थी। लेकिन, कांग्रेस ने आजादी के तुरंत बाद ही संविधान निर्माताओं की भावनाओं की धज्जियां उड़ा दी थीं। आजादी के बाद जब देश में चुनी हुई सरकार नहीं थी और चुनाव तक के लिए स्टॉप-गैप अरेंजमेंट था, तो उस स्टॉप-गैप अरेंजमेंट में जो महाशय बैठे थे, उन्होंने आते ही संविधान में संशोधन कर दिया। चुनी हुई सरकार आने तक का भी इंतजार नहीं किया। उन्होंने 'फ्रीडम ऑफ स्पीच' को कुचला, अखबारों पर, प्रेस पर लगाम लगा दी और दुनिया में डेमोक्रेट का टैग लगाकर घूमते रहे। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि ये संविधान की भावना का पूरी तरह अनादर था।

नेहरू जी प्रधानमंत्री थे, पहली सरकार थी और मुंबई में मजदूरों की एक हड़ताल हुई। उसमें मशहूर गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी ने एक कविता गाई थी, 'कॉमनवेल्थ का दास है', इसके जुर्म में नेहरू जी ने देश के महान कवि को जेल भेज दिया। मशहूर एक्टर बलराज साहनी एक जुलूस में शामिल हुए थे, उन्हें जेल में बंद कर दिया गया। लता मंगेशकर जी के भाई हृदय नाथ मंगेशकर जी ने वीर सावरकर पर एक कविता लिखी थी और उसे आकाशवाणी पर गाना चाहते थे। उन पर आकाशवाणी से आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया।उन्होंने कहा कि इसके बाद देश ने इमरजेंसी का दौर भी देखा है। संविधान को किस प्रकार कुचला गया, संविधान की भावना को सत्ता सुख के लिए किस प्रकार रौंदा गया था, ये देश जानता है।

## चुनाव आयोग को लेकर अखिलेश यादव का बयान लोकतंत्र पर हमलाः भाजपा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में वोटरों को धमकाने का आरोप लगाया है।

उन्होंने चुनाव आयोग पर अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाने का आरोप लगाते हुए संसद परिसर में कफन के तौर पर सफेद चादर पेश की है। अखिलेश का कहना है कि चुनाव आयोग मर चुका है। वहीं भाजपा ने चुनाव आयोग को लेकर अखिलेश के बयान को लोकतंत्र पर हमला बताया है। अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में संसद परिसर में कहा कि उन्हें चुनाव आयोग पर गुस्सा नहीं है बल्कि यह मानते हैं कि वह अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहा है। उन्होंने बार-बार मिल्कीपुर विधान उपचुनाव का मुद्दा चुनाव आयोग से उठाया लेकिन फिर भी चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

दूसरी और चुनाव आयोग पर गंभीर टिप्पणी के चलते भारतीय जनता पार्टी ने अखिलेश पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रक्रिया में इस तरह का गलत रवैया आज तक नहीं अपनाया गया है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे मरा हुआ कहना और उसे श्रद्धांजलि देना लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने मांग की कि अन्य राजनीतिक दल समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव पर अपनी स्थिति साफ करें और अखिलेश यादव को अपने कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए।

## कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने की मोदी सरकार की नीतियों की आलोचना, बेरोजगारी और महंगाई पर कसा तंज

एजेंसी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति केवल इतिहास में खोया रहता है, वह वर्तमान और भविष्य का निर्माण कैसे करेगा? उन्होंने मोदी सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए देश के हालात को अंधकारमय बताया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जो व्यक्ति सिर्फ इतिहास में रहता है, वह वर्तमान और भविष्य का क्या निर्माण करेगा! इस सरकार के हाथों में देश का भविष्य अंधकारमय है। बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता, मंदी, लुढ़कता रुपया, गिरता निजी निवेश और विफल 'मेक इन इंडिया' पर बात करने के बजाय मोदी जी केवल कांग्रेस को कोसते रहे। उन्होंने दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग और गरीब की योजनाओं की बात करने के बजाय इतिहास के तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर सदन को गुमराह करने का

काम किया।' कांग्रेस के योगदान को रेखांकित करते हुए खड़गे ने कहा कि संविधान में पहला संशोधन इसलिए किया गया था ताकि पिछड़ी जातियों को आरक्षण मिल सके और जमींदारी प्रथा का उन्मूलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि इस संशोधन के जरिए संविधान में 9वीं अनुसूची जोड़ी गई, जिससे भूमि सुधार हुए और जमींदारी खत्म हुई। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को संविधान सभा में लाने के लिए एमआर जयकर का इस्तीफा कराया और वे पंडित नेहरू की सरकार में देश के पहले कानून मंत्री बने। खड़गे ने यह भी याद दिलाया कि बाबासाहेब अंबेडकर ने पत्र लिखकर एसए डांगे और सावरकर को उनकी हार का जिम्मेदार ठहराया था। खड़गे ने दावा किया कि कांग्रेस ने ही उदारीकरण की शुरुआत की, जो इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी, पीवी नरसिंह राव और डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में आगे बढ़ी। इसके परिणामस्वरूप भारत आज एक मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था का हिस्सा है और मध्यवर्ग का निर्माण हुआ है। उन्होंने कांग्रेस के %गरीबी हटाओ% कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि 1980 से 1985 के बीच 21 प्रत?शत लोग जो गरीबी रेखा से नीचे थे, वे महज पांच वर्षों में गरीबी रेखा से ऊपर उठ गए। कांग्रेस और यूपीए सरकार ने 27 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला। खड़गे ने अपने एक्स पोस्ट में मोदी सरकार के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण लोगों की बचत समाप्त हो चुकी है, बेरोजगारी के कारण युवाओं में असंतोष है और जीडीपी विकास दर 4 वर्षों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुकी है।

## हमारे 16 उम्मीदवारों को आया फोन, 'आप' छोड़ने पर मंत्री पद और करोड़ों का दिया लालच - अरविंद केजरीवाल

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि उनके 16 उम्मीदवारों को अन्य पार्टी में शामिल होने के लिए फोन आया है और प्रत्येक को 15-15 करोड़ रुपये देने का ऑफर दिया गया। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कुछ एजेंसियां दिखा रही हैं कि एक पार्टी की 55 से ज्यादा सीटें आ रही हैं। पिछले दो घंटे में हमारे 16 उम्मीदवारों के पास फोन आ गए हैं कि आप छोड़ के उनकी पार्टी में आ जाओ, मंत्री बना देंगे और हरेक को 15-15 करोड़ देंगे। अगर इनकी पार्टी की 55 से ज्यादा सीटें आ रहीं हैं तो हमारे उम्मीदवारों को फोन करने की क्या जरूरत है? उन्होंने आगे कहा, जाहिर तौर पे ये फर्जी सर्वे करवाए ही इसलिए गए हैं, ताकि ये माहौल बनाकर कुछ उम्मीदवारों को तोड़ा जा सके। हमारा एक भी आदमी नहीं टूटेगा। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार मुकेश अहलावत ने एक्स पर एक पोस्ट कहा, ÷मैं मर जाऊंगा, कट जाऊंगा, लेकिन कभी अरविंद केजरीवाल का साथ नहीं छोड़ूंगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में एक मोबाइल नंबर भी लिखा और कहा कि मुझे इस नंबर से फोन आया। उसने बोला कि उनकी सरकार बन रही है, मंत्री बना देंगे और 15 करोड़ रुपये भी देंगे। 'आप' छोड़ के आ जाओ। मैं इनको कहना चाहता हूं कि केजरीवाल ने और 'आप' पार्टी ने मुझे इज्जत दी है, मैं मरते दम तक अपनी पार्टी को नहीं छोड़ूंगा। मुकेश अहलावत की पोस्ट पर दिल्ली की सीएम आतिशी ने एक्स पर कहा, अगर एक पार्टी की 50 से ज़्यादा सीटें आ रही हैं, तो यह हमारे प्रत्याशियों को संपर्क कर के तोड़ने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? यह दिखा रहा है कि एग्जिट पोल आम आदमी पार्टी के विधायकों को तोड़ने की एक साजिश है !


### NAME CHANGE
I, AVADH NARAYAN S/O MITTHU LAL SINGH R/O 2441/3, TALAB ROAD SARAN, JAWAHAR COLONY FARIDABAD, HARYANA-121005, HAVE CHANGED MY NAME TO AVADH NARAYAN SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

### NAME CHANGE
I, MANYA D/o ABHIMANYU SINGH R/o G-87, PHASE-1, QUTUB VIHAR, DWARKA, DELHI-110071 HAVE CHANGED MY NAME TO MANYA KUMARI FOR ALL FUTURE PURPOSES

### PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Kamlesh Ahuja & Mrs. Kritika Goswami Ahuja** are the owners of Entire Third Floor (Fourth Floor as per DDA sanctioned plan), with terrace/roof rights built on Plot No.16, area admeasuring 151.94 Sq. Yds., in the layout plan of the Shankar Garden Plot Holders **Co-operative House Building Society Limited,** known as Pashim Enclave, on New Rohtak Road, New Delhi-110087 vide Gift Deed dated 17.02.2021, Sale Deed dated 16.06.2020 and Intend to mortgage the said property with **Godrej Finance Limited.** If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

**Khaitan & Khaitan**
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

### NAME CHANGE
I, ANJANA legally wedded spouse of No 14866578A Rank HAV Name KASHID ASHRUBA LAKSHMAN serving with ADG ACQUISITION TECHNIAL (ARMY), MINISTRY OF DEFENCE, ACQUISITION WING, ROOM NO 30, D-II WING, SENA BHAWAN, NEW DELHI-110011, presently residing at QUARTER NO-53/6, YOGINDER VIHAR, NEAR IHQ OF MOD (ARMY) CAMP, SHANKER VIHAR, NEW DELHI-110010 and is a permanent Resident of VILLAGE WALHA, POST OFFICE WALWAD, TEHSIL- BHOOM, DISTRICT OSMANABAD, STATE -MAHARASHTRA, PIN-413504, have changed my name from ANJANA to ANJANA ASHRUBA KASHID for all future purposes. Vide affidavit dated 04.02.2025. before Public Notary Delhi.

### NAME CHANGE
I, PAVAN KUMAR S/o DEVI CHARAN R/o 02, SECTOR-18, OPP. ORIENT CRAFT COMPANY, SARHAUL, GURGAON, HARYANA-122015, HAVE CHANGED MY NAME TO PAWAN KUMAR

### PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Kiran D/o Makar Singh R/o C-658, Chattarpur, Near J.V.T.S Garden Chattarpur, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 declare that name of my father has been wrongly written as Attar Singh in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is Makar Singh.

### NAME CHANGE
I, TEEKA SINGH S/O KHUSHAL SINGH BORA residence of A-6/308 C DDA FLATS SHIV MANDIR PASCHIM VIHAR DELHI-110063 have changed my name to TEEKA SINGH BORA for all future purpose.

### NAME CHANGE
I, Milan Dash Mohapatra S/O Ramesh Chandra Dashmohapatra R/O House NO-C11, Sushant Lok Phase-2, Sec 56, Gurgaon, HARYANA 122003 Have changed my name Milan Kumar Dashmohapatra for all future purposes.

### NAME CHANGE
I, Ashwani Verma, S/o late Sh. Amar Singh Verma and Smt Ayodhya Verma, D.O.B 06/11/1976, R/o F 51, DGS, Sector 22, Plot no 06, Dwarka, New Delhi 110077 have changed my name from Ashwani Kumar Verma to Ashwani Verma for all future purposes. I hereby declare that both names refer to me.

### NAME CHANGE
I, Harish Rampal S/o- Som Nath Rampal R/o 59/26, second floor prabhat road New rohtak road dev nagar Karol bagh Delhi 110005 have changed my name from Harish Rampal to Harish Kumar Rampal for all future purposes.

### NAME CHANGE
I, RAJA SHEELA PR Mother of No-16134742K Rank-SPR Name-GOVIND M Residing at VILL-THOLICODE, PO-VITHURA, TEH-NEDUMANGADU, DIST-THIRUVANANTHAPURAM, KERALA-695551 have changed my name from RAJA SHEELA PR to RAJASHEELA P R for all future purposes vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, JANATHUL FIRDOUS Wife of No-15328524H Rank-HAV Name-MOHAMED A R/o 2/3, NEW COLONY, VPO-THIRUNALLAR, TEH & DIST-KARAIKAL, PUDUCHERRY-609607 have changed my name from JANATHUL FIRDOUS to M JANATHUL FIRDOUS for all future purposes vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, RITESH MANOCHA Son of ARJUN DASS residing at H NO-T-14, FLAT NO-203, RPS SAVANA, SECTOR-88, BALLABHGARH, FARIDABAD, HARYANA-121004 have changed my name to REETESH MANOCHA for all future purpose.

### NAME CHANGE
I, No. 16125941W, Rank-SPR, Name-SREEJITH VS, Residing at-VARKKAD HOUSE, MUTTIKULANGARA-PO, DIST-PALAKKAD, KERALA-678594, have changed my father's name from SELVARAJAN to SELVARAJAN K R for all future purposes vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, AJAY SINGH S/O DILIP SINGH PATEL residence of PLOT NO-442 NEAR EASY DAY SECTOR 10A GURGAON HARYANA-122001 have changed my name to AJAY SINGH PATEL for all future purpose.

### NAME CHANGE
I, APPARAO Father of No-15325684X Rank-HAV Name-VASUDEVARAO RAVADA Presently residing at 1-396, GUNDAM VEEDHI, PO-MAKIVALASA, TAL-NARASANNAPETA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532421, have changed my name from APPARAO to RAVADA APPARAO for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, No. 6499814X, Rank-HAV Name-JITENDRA, Residing at VILL-NIPANIYA HISAMUDDIN, PO-AMLAY, TEH-KALAPIPAL, DIST-SHAJAPUR, M.P-465335, have changed my father's name from KISHORE SINGH to KISHOR SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, APPAMMA Mother of No-15325684X Rank-HAV Name-VASUDEVARAO RAVADA Presently residing at 1-396, GUNDAM VEEDHI, PO-MAKIVALASA, TAL-NARASANNAPETA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532421, have changed my name from APPAMMA to RAVADA APPAMMA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1951 vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, Anupam W/o Jai Kumar Sharma R/o 61-B, kh no-569, near Sultanpur estate Sultanpur colony mehrauli Delhi 110030 have changed my name from Anupam to Heera Sharma for all future purposes.

### NAME CHANGE
I, RAGHAVAN ILACHI Father of JC-312863M, Rank-SUB Name-RAJITH KUMAR PULUKKI Presently residing at KATTILEPURAYIL-HOUSE, VILL-PADUVILAYI, PO-PATHIRIYAD, DIST-KANNUR, KERALA-670741, have changed my name from RAGHAVAN ILACHI to I RAGHAVAN for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1944 instead of my correct date of birth as 21/03/1951 vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public Delhi.

### NAME CHANGE
I, VADISA TATAYYA Father of No-16119014M Rank-SPR, Name-VADISA VYKUNTHA RAO Presently residing at 2-2, RAMAKRISHNAPURAM, SRI JAGANNADHAPURAM, KOTABOMMALI, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532195, have changed my name from VADISA TATAYYA to VADISA TATARAO for all future purposes vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, BHIMAPPA Father of No. 16121790L Rank-SPR Name-BASAVARAJ BHALARE Presently residing at 35D, VILL & POST-BADAS KHALSA, DISTT-BELGAVI, KARNATAKA-591131 have changed my name from BHIMAPPA to BHIMAPPA BHALARE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/10/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public Delhi.

### NAME CHANGE
I, GEETHA C Mother of No-16135937F Rank-SPR, Name-VIDHULAL K Presently residing at SREELAKAM AMBILAD CHORAKKULAM (PO) NIRMALAGIRI, KANNUR, KERALA-670701, have changed my name from GEETHA C to GEETHA CHATHAMBALLI for all future purposes vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi

### NAME CHANGE
I, No-15320701H Rank-HAV Name-DHARMALINGAM K Father of D NARESH Presently residing at 3/41, PILLAYAR KOIL STREET, MULATHANGAL, MULLANDIRAM, TIRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632512, have changed my minor son's name from D NARESH to NARESH D for all future purposes vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I, SUMANGALA Mother of No. 16121790L Rank-SPR Name-BASAVARAJ BHALARE Presently residing at VILL & POST-BADAS (K.H), DISTT-BELGAVI, KARNATAKA-591131, have changed my name from SUMANGALA to SUMANGALA BHALARE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/07/1972 instead of my correct date of birth as 01/01/1975 vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public Delhi.

### NAME CHANGE
I, SHILABAI Mother of No-16111581A Rank-HAV Name-SHENAGAVE RAVINDRA HINDURAO Residing at 405, VILL-CHIKODI, PO-APPACHIWADI, DISTT-BELAGAVI, KARNATAKA-591241 have changed my name from SHILABAI to SHILABAYI HINDURAV SHENAGAVE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public Delhi.

### NAME CHANGE
I, No. 16125941W, Rank-SPR, Name-SREEJITH VS, Residing at-VARKKAD HOUSE, MUTTIKULANGARA-PO, DIST-PALAKKAD, KERALA-678594, have changed my mother's name from BINDHU to BINDU V C for all future purposes vide Affidavit dated 07/02/2025 before Notary Public, Delhi.

### PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Ruchika Kumari D/O Anil Thakur R/O D-198. D-Block, Durga Vihar Phase-2, Deenpur, Najafgarh, PO Najafgarh, South West Delhi-110043 declare that name of my father and my mother have been wrongly written as Anil Kumar Thakur and Rupam Devi in my 10th class educational documents. The actual name of my father and my mother are Anil Thakur and Rupam Devi Thakur, which may be amended accordingly.

### सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **भारतीय पूंजीवादी पार्टी** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। **पार्टी कार्यालय - 804, लक्ष्मीदीप बिल्डिंग, प्लाट सं - 9, डिस्ट्रीक्ट सैंटर लक्ष्मी नगर, दिल्ली - 110092** में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रुप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है - पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पते नीचे दिये गए है-

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री लोकेश कुमार श्रीवास्तव** - डी - 801, आर सी टी, रिजेंसी पार्क, ग्रेटर नोएड़ा वेस्ट, गौर सिटी-2, बिसरख गौतम बुद्ध नगर उ0प्र0 - 201306

राष्ट्रीय महासचिव **श्री प्रदीप कुमार** 460, जनता फ्लैटस्, जी टी बी ऐंक्लेव, नंद नगरी, दिल्ली - 110093

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री संतोष कुमार तिवारी** ग्राम युसुफपुर, चक साबेरी, थाना बिसरख, तहसील दादरी, जिला - गौतम बुद्ध नगर उ0प्र0 - 201307

यदि किसी को **भारतीय पूंजीवादी पार्टी** के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित, सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड़, नई दिल्ली - 110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेंजें।

### अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
**धारा 82 CrPC देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) रहीसा (2) रूबीना (3) भूरी पत्नी/पुत्री** स्व0 मुल्ला तिरकत **(4) माजिद (5) शहादत (6) राशिद (7) हबील पुत्र** स्व0 मुल्ला तिरकत, **निवासी** मकान नं0 249, वीर अब्दुल हमीद कॉलोनी, बंजारा चौक, विजय नगर, गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 436/2019, U/S 498A/406/354A/354B/323/506/34 IPC, पुलिस स्टेशन ज्योति नगर, उत्तर–पूर्व जिला, दिल्ली–94,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) रहीसा (2) रूबीना (3) भूरी (4) माजिद (5) शहादत (6) राशिद (7) हबील** मिल नहीं रहे है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) रहीसा (2) रूबीना (3) भूरी (4) माजिद (5) शहादत (6) राशिद (7) हबील** फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 436/2019, U/S 498A/406/354A/354B/323/506/34 IPC, पुलिस स्टेशन ज्योति नगर, उत्तर–पूर्व जिला, दिल्ली–94,** के उक्त अभियुक्त **(1) रहीसा (2) रूबीना (3) भूरी (4) माजिद (5) शहादत (6) राशिद (7) हबील** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.03.2025** को या इससे पहले हाज़िर हों।

**आदेशानुसार**
**सुश्री निधि बाला**
**न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, महिला कोर्ट–03,**
**कमरा नं0–08, द्वितीय तल, शाहदरा कोर्ट**
**कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली**

**DP/1456/NE/2025**
**(Court Matter)**

### NAME CHANGE
I, LAXMI DEVI Wife of OM PRAKASH Residing at T-15, OLD NANGAL VILLAGE, NEW DELHI-110010, have changed my name from LAXMI DEVI to JYOTI for all future purposes.

### PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Smt. Anshu Rani W/o Sh. Jaiveer Singh is the owner of Freehold Residential Plot Area Measuring 54.65 sq. yds, i.e., 45.70 sq. mtrs., Out of Khasra no. 101., Situated at Village Begumabad Budana Pargana Jalalabad Tehsil Modinagar, Distt Ghaziabad U.P. by virtue of Sale Deed Dated 27.02.2013 As Doc no. 3416, Book no.1 Vol no. 5975, Pages- 189 to 208, SRO- Modi Nagar Ghaziabad, In the chain documents below mentioned document not available i.e. (1) Original Sale Deed Dated 21.12.2009 executed Sh. Sunil Gupta in favour of Smt. Anju Jha as Doc no. 3488, Book no.1, Vol no. 13299, Pages- 129 to 148, SRO- GZB & (2) Original General Power of Attorney, ATS & WILL Dated 20.09.2011 executed by Smt. Anju Jha in favour of Smt. Pritam Devi as Doc no. 152, Book no.4, Vol no. 116, Pages- 175 to 184, SRO- Modinagar , Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Tata Capital Housing Finance Limited. Branch- Ghaziabad U.P. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

### PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Suhail Khan S/o Mr. Sartaj is the owner of Freehold Freehold Residential Built-up Property Bearing No. S-20 area measuring 40 Sq. Yds. i.e. 33.44 Sq. Mtrs. out of Khasra No. 1 ETC/223 Situated in the area of Village Ghonda Chauhan Banger Alias in the Abadi of SBlock Main Road Brahampuri Illaqa Shahdara, Delhi-110053 " by virtue of Sale Deed dated 27.12.202 Vide Doc No.2024/12/I/4328, Book No.1, Volume No.6136, on Page Nos.113-132, Registered on 27.12.2024, in S.R- IV Delhi. In the chain documents below mentioned document not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of Late Mr. Munawwar Ali S/o Late Mr. Khudrat Ullah Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch- Loni, U.P. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

## मोहनलाल बडौली और रॉकी मित्तल पर लगा गैंग रेप का आरोप खारिज

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हिमाचल प्रदेश के कसौली में हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडौली और सिंगर रॉकी मित्तल के खिलाफ दर्ज गैंग रेप के मामले को हिमाचल पुलिस ने खारिज कर दिया है। सूत्रों के हवाले से यह खबर सामने आ रही है। यह मामला काफी चर्चा में था और प्रदेश में राजनीतिक हलकों में भी इसको लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं। हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडौली और सिंगर रॉकी मित्तल पर आरोप था कि उन्होंने कसौली में एक महिला के साथ गैंगरेप किया था। लेकिन, अब हिमाचल पुलिस ने इस मामले को खारिज कर दिया है।इससे पहले, मोहनलाल बड़ौली ने आईएएनएस से बात करते हुए अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को झूठा बताया था। उन्होंने कहा था कि आरोप झूठे हैं। इन आरोपों पर मैं कुछ नहीं कह सकता हूं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली पर गैंगरेप का आरोप लगाने वाली महिला ने कसौली की अदालत में एक आवेदन देकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। महिला के आवेदन पर अदालत ने पुलिस से जांच की स्थिति रिपोर्ट मांगी थी, जिसके जवाब में पुलिस ने बताया कि 18 लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं और मामले की जांच जारी है।

## समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य शिकायतों को प्राथमिकता से निपटानः डीसी

**नारनौल।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर आम जन की समस्याओं को सुनने और उनका जल्द समाधान करने के लिए हर रोज समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज उपायुक्त डा. विवेक भारती ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। शिविर में कुल 5 शिकायत दर्ज की गई। डीसी ने कहा कि जिला व उपमंडल स्तर पर

आयोजित हो रहे शिविर प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद का एक बेहतरीन मंच है। यहां नागरिकों को अपनी समस्याएं व शिकायतें सीधे अधिकारियों के सामने एक ही छत के नीचे रखने का अवसर मिल रहा है। उपायुक्त ने हर समस्या को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही समाधान के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाना है।

## तावडू के सरकारी स्कूल में बच्चों को नशे के प्रति किया जागरूक

**तावडू।** , हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो प्रमुख पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह, भापुसे साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा भापुसे और पंखुड़ी कुमार के आदेशानुसार हरियाणा भर में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉक्टर अशोक कुमार वर्मा साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए इस अभियान को आगे बढा रहे हैं। वे एक गांव से दूसरे गांव, एक शहर से दूसरे शहर और एक विद्यालय से दूसरे विद्यालय तक यह अभियान लेकर पहुंच रहे हैं।

वह राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तावडू में पहुंचे हुए थे। विद्यालय के प्राचार्य भारत गौतम की अध्यक्षता में कार्यक्रम में 882 विद्यार्थियों, 42 शिक्षकों और 4 अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उपनिरीक्षक डॉक्टर अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि नशे को प्रतिबंधित और चेतावनी युक्त नशों में विभाजित किया जा सकता है। दोनों प्रकार के नशे मनुष्य के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं और भीतर तक को खोखला कर देते हैं तो भी प्रतिबंधित नशे मनुष्य के जीवन के लिए अभिशाप से कम नहीं। यदि ये नशे मनुष्य के लिए तनिक भी अच्छे होते तो सबसे पहले सरकार इनके लिए लाइसेंस जारी कर देती लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

## सामाजिक इंटर्नशिप के तहत छात्रों ने बुजुर्गों के बीच बिताया समय

**गुरुग्राम।** जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम और सुशांत यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित 14 दिवसीय सामाजिक इंटर्नशिप कार्यक्रम के चौथे दिन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रथम वर्ष के दूसरे सेमेस्टर के छात्रों ने बुजुर्गों के साथ समय व्यतीत किया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम की सचिव डॉ. गीतू सिंहल के मार्गदर्शन, यूनिवर्सिटी के डीन प्रो. विजय आनंद दुबे और कुलपति डॉ. राकेश रंजन के नेतृत्व में छात्रों ने इंटर्नशिप यात्रा के चौथे दिन बुजुर्गों के बीच समय बिबताया। डा. गीतू सिंहल ने बताया कि इस पहल के हिस्से के रूप में बीबीए, बी.कॉम और एमबीए के छात्र सामुदायिक कल्याण के लिए समर्पित संगठनों के साथ सहयोग करते हुए सामाजिक कार्यों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं।

# हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहुंचे प्रयागराज, संगम में लगाई डुबकी

एजेंसी

**नारनौल।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संगम में डुबकी लगाई। बृहस्पतिवार को सुबह करीब 11 बजे वह प्रयागराज पहुंचे। एयरपोर्ट पर स्थानीय भाजपा के नेताओं ने उनका स्वागत किया। सीएम के साथ हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के अलावा सीएम के परिवार के कई सदस्य हैं। सीएम सैनी ने परिवार के साथ अरैल पहुंचकर त्रिवेणी में डुबकी लगाई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया। वह स्नान करने के बाद कुछ साधु-संतों के साथ मुलाकात भी करेंगे। सनातन संस्कृति के महापर्व महाकुंभ में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सपरिवार आस्था, भक्ति और अध्यात्म के

संगम में पुण्य स्नान किया। त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। महाकुंभ नगर आगमन पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने मुख्यमंत्री सैनी का कुंभ कलश भेंट कर भव्य स्वागत किया और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ केवल आस्था का संगम नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की जीवंत धरोहर है। यह आयोजन भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक विरासत का भव्य प्रतीक है, जिसे आज पूरा विश्व देख रहा है और गौरव की अनुभूति कर रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस विराट आयोजन की भव्यता की सराहना करते हुए कहा कि महाकुंभ 2025 सनातन धर्म की दिव्यता और गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक बनेगा।

## यमुनानगर व पंचकूला जिलों में ड्यूटी से नदारद चार अधिकारी निलंबित

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर राज्य कृषि विपणन बोर्ड के चार अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश दिए। यह कार्रवाई मंत्री के यमुनानगर जिला के कस्बा सढ़ौरा और पंचकूला जिला के कस्बा रायपुर रानी की अनाज मंडियों के औचक निरीक्षण के बाद की गई। कृषि मंत्री ने सढ़ौरा अनाज मंडी का दौरा करते हुए जब अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जांच की तो वहां पर तैनात मंडी सचिव धर्मेंद्र सिंह और नीलामी रिकॉर्डर बिजेंद्र सिंह ड्यूटी से अनुपस्थित मिले। इसके बाद उन्होंने रायपुर रानी अनाज मंडी का भी निरीक्षण किया। यहां भी मंडी सचिव नवदीप सिंह और नीलामी रिकॉर्डर राजकुमार ड्यूटी से गायब मिले। कृषि मंत्री ने मौके पर ही इन चारों अधिकारियों के निलंबन का आदेश जारी किए।कृषि मंत्री ने बताया कि इन दोनों मंडियों में अधिकारियों की नियमित अनुपस्थिति की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों की पुष्टि के लिए उन्होंने आज औचक

निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री ने रिकॉर्ड रजिस्टर की भी जांच की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में आने वाले किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने उच्च अधिकारियों को भी सख्त हिदायत दी कि सभी कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर निर्धारित समय पर अवश्य मौजूद रहें।

## यमुना के पानी पर नहीं चलेगा केजरीवाल का झूठः श्रुति चौधरी

एजेंसी

**यमुनानगर।** सिंचाई एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें यमुना पर ओछी राजनीति नहीं करनी चाहिए थी। दिल्ली चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि बार-बार जनता से झूठ नहीं चलता। उन्होंने कहा कि हरियाणा में नगर निगम, नगर पालिका चुनाव में भाजपा की बंपर जीत होगी।हरियाणा की सिंचाई एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी यमुनानगर के हथिनी कुंड बैराज पहुंची। उन्होंने यहां सिंचाई विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए केजरीवाल पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को यमुना पर ओछी राजनीति नहीं करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने अपने कार्यकाल में कोई कार्य नहीं किया। मोदी सरकार ने केंद्र की तरफ से 8000 करोड़ रूपये सीवरेज के लिए दिए जिसे नहीं लगाया गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा पूरी तरह साफ

पानी करके भेजता है। वह सिर्फ झूठ बोलते हैं और बार-बार झूठ नहीं चलता। सिंचाई मंत्री ने हरियाणा के नगर निगम एवं नगर पालिकाओं के चुनाव में बीजेपी की जीत का दावा करते हुए कहा कि तीनों स्तरों पर बीजेपी की सरकार होगी। उन्होंने अनिल विज के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है, मुख्यमंत्री सब की सुनते हैं। वह दिन-रात हरियाणा के लिए कार्य करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में हर इलाके में पानी पहुंचाने के लिए विभिन्न प्रोजेक्ट बनाए जा रहे हैं। तालाबों को नहर से जोड़ने के भी प्रोजेक्ट बनाए जा रहे हैं, ताकि भूमिगत जलस्तर ऊंचा उठ सके। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि हथिनीकुंड बैराज हरियाणा की जीवन रेखा है जिसका निर्माण बंसीलाल सरकार ने किया था और उन्हें इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ने का मौका मिला है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह हरियाणा में सिंचाई परियोजनाओं पर तेजी से काम करें और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

## गृहमंत्री अमित शाह से मिले लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी तथा लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की और प्रदेश से संबंधित कई अहम मामलों पर चर्चा की।

इस मुलाकात को लेकर लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से प्रदेश के आधारभूत संरचना के विकास से संबंधित मामलों के अलावा कई अन्य विषयों पर बात की है। उन्होंने हरियाणावासियों के भले के लिए और अधिक काम करने पर बल दिया।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के लोगों के हित के लिए दिन रात कार्य कर रही है। प्रदेश के हर वर्ग और हर क्षेत्र के समान विकास की नीति के तहत पिछले लगभग साढ़े दस वर्षों से काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस वर्ष

लगभग पांच हजार किलोमीटर लंबी सड़कों के सुदृढ़ीकरण की योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश का प्रत्येक जिला नेशनल हाईवे से जुड़ चुका है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रदेश में सड़कों का जाल और मजबूत हो। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता से किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गुणवत्ता से खिलवाड़ करने वाले ठेकेदारों और लापरवाह अधिकारियों से सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग से संबंधित कार्यों के सम्बन्ध में वे स्वयं प्रतिदिन रिपोर्ट लेते हैं और लोगों की समस्या का 24 घंटे के भीतर समाधान किया जाता है।

## डीसी डा. विवेक भारती ने ली अधिकारिता बोर्ड की बैठक

### हर प्रोजेक्ट का लगातार फॉलो अप करें अधिकारी : डा. विवेक भारती

एजेंसी

**नारनौल।** सरकार का लक्ष्य है कि सभी प्रोजेक्ट निर्धारित समय में पूरे हों ताकि आमजन को उसका लाभ मिले। ऐसे में अधिकारी हर प्रोजेक्ट का लगातार फॉलो अप करें ताकि कार्य में देरी न हो। यह निर्देश उपायुक्त डा. विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में अधिकारिता बोर्ड की मासिक बैठक में दिए।

डीसी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का आम जनता तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। उनके पोर्टल पर आने वाले हर आवेदन को निश्चित अवधि में निपटाएं। अगर कोई अधिकारी इस मामले में लेट लतीफ की करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

डीसी ने कहा कि स्वच्छता पर

मुख्यमंत्री का विशेष फोकस है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए नागरिकों की सुविधा के लिए स्वच्छता ऐप बनाया गया है। इस ऐप के माध्यम से आने वाली हर शिकायत को 24 घंटे के अंदर दूर करें। इस ऐप पर सफाई, सीवरेज तथा स्ट्रीट लाइट से संबंधित मामलों की शिकायत फोटो सहित अपलोड होती है। सभी नगर पालिका और नगर परिषद के अधिकारी हर रोज स्वच्छता ऐप का अपना लॉगिन चेक करें। उन्होंने समाधान शिविर, सीएम विंडो तथा सोशल मीडिया ट्रैकर पर आने वाली शिकायतों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी शिकायतकर्ता को मौके पर ही संतुष्ट करने का प्रयास करें। इस मामले में गुणवत्ता पूर्वक एक्शन टेकन रिपोर्ट अपलोड की जाए। उपायुक्त ने संबंधित एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र तथा आंगनबाड़ी केंद्रों का लगातार निरीक्षण करें। जिला में नशा मुक्ति के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के संबंध में उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में हर रोज प्रार्थना के दौरान बच्चों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जाए। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डा आनंद कुमार शर्मा, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, नारनौल के एसडीएम रमित यादव तथा डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

## साइबर सुरक्षा सेमिनार में नवीनतम पीढ़ी को तकनीकी प्रयोग के साथ सावधानीपूर्वक निपटने के उपाय बताये

एजेंसी

**नारनौल।** यदुवंशी शिक्षा निकेतन नारनौल के प्रांगण में साइबर सुरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें नवीनतम तकनीक के साथ साइबर चुनौतियों से निपटने के लिए उपाय बताए गए। जिनमें एटीम लोनिंग, सोशल नेटवर्किंग साइट, स्पैम कॉल तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे मुद्दों के बारे में यदुवंशी स्कूल के सभी बच्चों को अवगत कराया गया। जिसमें रवि एसएचओ महाबीर चौकी इंचार्ज व पुलिस टीम के द्वारा इस सेमिनार में नवीनतम पीढ़ी को तकनीकी प्रयोग के साथ सावधानीपूर्वक साइबर संबंधी अपराध से निपटने के मार्ग बताए गए। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध कई प्रकार होते हैं। जिसमें हैकर्स किस्म के अपराधी पीड़ितों की प्रतिष्ठा विनद्म, व्यवसाय को प्रभावित करने वाले विभिन्न साधनों का प्रयोग करते हैं। समय के साथ साइबर अपराधी साइबर क्राइम करने के तरीके बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपकी सहायता करने के लिए यदि आपको कोई बैंक, बिजली निगम, टेलीफोन एसचेंज, आयकर या किसी भी विभाग का कर्मचारी बताकर आपसे कोई जानकारी मांगता है तो उसे अपनी कोई भी जानकारी ना दें। अगर आपके साथ ऐसी कोई घटना हो जाती है तो आप तुरंत 1930 नंबर पर अपने साथ हुई घटना जानकारी दें सकते हैं।

## समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के साथ करें समाधान : एडीसी

### वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में प्राप्त हुई पांच शिकायतें

एजेंसी

**नूंह।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार तथा उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिला स्तर पर लघु सचिवालय के साथ-साथ उप मंडल स्तर पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन निरंतर रूप से किया जा रहा है।

वीरवार को लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में लगाए गए समाधान शिविर में कुल पांच शिकायतें आई, जिनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

लघु सचिवालय के सभागार में अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने लोगों की शिकायतें सुनी और विभागीय अधिकारियों को निपटान के निर्देश दिए। समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, जमीन की रजिस्ट्री, शहरी निकाय विभाग से एनडीसी लेने, नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड व सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी

आदि शिकायतें आती हैं। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने कहा कि समाधान शिविर हरियाणा सरकार की एक अच्छी पहल है। आमजन को एक ही छत के नीचे सभी विभागों से जुड़े अधिकारी मौजूद रहते हैं, जिससे किसी समस्या का जल्द समाधान होना संभव हो जाता है। आमजन को इन शिविरों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समाधान शिविर में स्वयं उपस्थित रहें और लोगों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनें। शिकायतों का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाए।

## जींद के होटलों में अनैतिक कार्यों पर मंत्री ने पुलिस को लगाई फटकार,कार्रवाई के आदेश

### शिक्षा मंत्री ने जींद में ली जिला शिकायत निवारण कमेटी की बैठकबैठक में आई 21 में से 12 शिकायतों का निपटारा किया

एजेंसी

**जींद।** जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में गुरूवार को शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शिकायतकर्ता के साथ दुर्व्यवहार करने तथा होटल में अनैतिक कार्यों के लिए कार्रवाई न किए जाने पर पटियाला चौक पुलिस चौकी इंचार्ज को निशाने पर लिया। शिक्षा मंत्री ने एसपी राजेश कुमार को चौकी इंचार्ज की फाइल बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि वह इंचार्ज की टर्मिनेशन की सिफारिश करेंगे। जिला परिवेदना समिति की बैठक में मंत्री महिपाल ढांडा के समक्ष 21 शिकायतें रखी गई। इसमें 12 शिकायतों का समाधान हुआ, जबकि नौ को आगामी शिकायत के लिए लंबित रखा गया। बैठक में पशुपालक का लोन अटकाने के मामले में आईडीबीआई बैंक के मैनेजर को खूब खरी खोटी सुनाई और स्पष्टीकरण मांगा। शिक्षा मंत्री ने लेबर विभाग में सबसे ज्यादा शिकायतें आने और विभाग अधिकारियों द्वारा जनता को परेशान करने के मामले में डीसी को जांच के आदेश दिए।

महिपाल ढांडा डीआरडीए हाल में आयोजित बैठक में जनता की सुनवाई कर रहे थे। इस दौरान नरवाना रोड के लोगों ने बताया कि यहां होटल में दिन में भी अनैतिक कार्य होते हैं। शिक्षण संस्थानों के छात्र.छात्राएं यहां आते हैं और अनैतिक काम करते हैं। इससे आसपास कालोनी के लोगों को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। इस होटल को बंद करवाने को लेकर पटियाला चौक पुलिस चौकी से लेकर एसपी तक शिकायत दी लेकिन मामले में लीपापोती की जा रही है। इस पर शिक्षा मंत्री ने जवाब मांगा तो डीएसपी जितेंद्र ने बताया कि यहां कोई ऐसा काम नहीं हो रहा। इस पर महिपाल ढांडा ने कहा कि कालोनी के लोग पानीपत में आकर भी मिल चुके हैं उन्हें वास्तव में काफी परेशानी आ रही है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पटियाला चौक पुलिस चौकी इंचार्ज उनके साथ दुर्व्यवहार करता है और गालियां देता है। इस पर महिपाल ढांडा भड़क गए और एसपी को निर्देश देते हुए कहा कि यह नौकरी के लायक नहीं है, वह इसके टर्मिनेशन की सिफारिश करेंगे। इसकी फाइल तैयार कर एक सप्ताह में उनके पास भेजी जाए। शिक्षा मंत्री ने चौकी इंचार्ज को ये भी कहा कि अगर आपके मकान के सामने ऐसा होटल खुल जाए तो क्या करोगे।

शिक्षा मंत्री एवं जिला परिवेदना समिति के अध्यक्ष महिपाल ढांडा ने राम कॉलोनी निवासी कविता की मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत भैंस लोन की किस्त बैंक द्वारा न देने पर कड़ा संज्ञान लेते हुए बैंक अधिकारी को निर्देश दिए कि बिना कारण किसी भी पात्र व्यक्ति को परेशान ना किया जाए। अंत्योदय योजना के तहत प्रदेश सरकार का उद्देश्य गरीब व्यक्ति को मुख्य धारा में जोडना है ताकि गरीब व्यक्ति अपने व्यवसाय के माध्यम से अपना व अपने परिवार का पालन पोषण बेहतर तरीके से कर सके।

## सोनीपत मेयर चुनाव के लिए निगम आयुक्त रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

**सोनीपत।** सोनीपत मेयर चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवनाने के लिए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने नगर निगम आयुक्त को रिटर्निंग अधिकारी तथा संयुक्त आयुक्त को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त करने के आदेश जारी किए है। मेयर उपचुनाव के लिए नियुक्त रिटर्निंग व सहायक रिटर्निंग अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वे राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई अधिसूचना व समय-समय पर जारी की गई हिदायतों की पालना करते हुए चुनाव को संपन्न करवाना सुनिश्चित करेंगे। खरखौदा नगर पालिका चुनाव के तहत अध्यक्ष पद और वार्ड पार्षदों के नामांकन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने विभिन्न अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के आदेश जारी किए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष पद के नामांकन पत्र प्राप्त करने के लिए एसडीएम खरखौदा डॉ. निर्मल नागर को रिटर्निंग अधिकारी और तहसीलदार मनोज कुमार को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

## भाजपा संगठन में 12 साल से हर दायित्व को जिम्मेदारी से निभाया हैः विजय परमार

**गुरुग्राम।** तीन बार से लगातार सेक्टर-7 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एवं भाजपा युवा नेता विजय परमार ने वार्ड-32 में मौजिज लोगों का आशीर्वाद लेकर डोर-टू-डोर अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि जैसे अब से पहले सबकी सेवा की है, ऐसे ही भविष्य में भी सेवा कार्य करता हूं।

विजय परमार ने कहा कि वे पिछले 12 साल से भाजपा संगठन के अनुशासित सिपाही की तरह से काम कर रहे हैं। हर दायित्व को पूरी जिम्मेदारी से निभाया है। संगठन की ओर से जब भी कोई ड्यूटी, कार्यभार सौंपा गया, उसका निर्वहन ईमानदारी के साथ किया। संगठन के लिए सदस्यता अभियान में बुक में सदस्यों को दर्ज करने से लेकर आज डिजिटल रूप में भी उन्होंने संगठन के लिए नए सदस्य जोड़ने का निष्ठा से किया है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान में वे पूरे गुरुग्राम में पार्षद उम्मीदवारों और पार्षदों में सबसे अग्रणी हैं। सबसे अधिक सदस्य उन्होंने बनाए हैं। सदस्यता की पूरी जानकारी सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचती है। विजय परमार ने कहा कि अपने वार्ड-32 को बेहतर बनाने की सोच के साथ वे काम कर रहे हैं। नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की टिकट मांग रहे हैं। नगर निगम का चुनाव सिर्फ चुनाव ना होकर, अपने वार्ड, अपने शहर के विकास की दशा तय करने का अवसर है। हमें इस अवसर का लाभ लेना है। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बनाकर विकास का रास्ता तैयार गुरुग्राम के मतदाताओं को करना है। मेरा लक्ष्य, जनता के बीच रहकर, जनता के लिए, जनता के हित में काम करने का है। जनता की शक्ति से ही यह सब संभव हो पाता है। गुरुग्राम के विकास को ऊंचाइयों तक पहुंचाना ही हमारा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि चुनावों की घोषणा नहीं हुई थी तब भी वे जनता की सेवा में जुटे हुए थे। अभी भी जुटे हैं और आगे भी जुटे रहेंगे। संगठन के प्रति अपनी निष्ठा जाहिर करते हुए विजय परमार ने कहा कि संगठन से वे पार्षद की टिकट का अनुरोध करते हैं। संगठन उन्हें टिकट देगा तो वे जनता के आशीर्वाद से सफल भी होंगे।

## बजट उपायों से रसायन क्षेत्र का निर्यात 30 अरब डॉलर पार करने की उम्मीद : केमेक्सिल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** प्राथमिक रसायनों, रासायनिक तथा डाई उत्पादों के निर्यात संवर्धन के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रायोजित परिषद केमेक्सिल को विश्वास है कि इस वर्ष बजट में प्रस्तावित अनुकूल उपायों से देश के रसायन क्षेत्र का निर्यात 30 अरब डालर के वार्षिक स्तर को पार कर जाएगा। केमेक्सिल ने कहा कि आवश्यक कच्चे माल पर आयात शुल्क में कटौती और सूक्षम, लघु तथा मझोले क्षेत्र (एमएसएमई) के लिए समर्थन उपायों सहित बजट प्रस्तावों से घरेलू विनिर्माण को बल मिलने वाला है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान, रासायनिक निर्यात 21.20 अरब डॉलर तक पहुँच गया। केमेक्सिल के चेयरमैन अभय उदेशी ने कहा कि वैश्विक स्थिरता रुझानों के साथ संरेखित करने के लिए 'ग्रीन केमिकल्स' और जैव-आधारित विशेष रसायनों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, बजट की पहलों से निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2025-26 का बजट अधिक व्यापार की सुविधा प्रदान करने वाला, विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने वाला और व्यापार में आसानी बढ़ाने वाला है।÷ बजट में फॉस्फोरिक एसिड, बोरिक एसिड और सोर्बिटोल जैसे आवश्यक कच्चे माल पर शुल्क में कटौती का प्रस्ताव किया गया है।

## सेल ने माईजीओवी के साथ मिलकर लॉन्च की राष्ट्रीय कहानी लेखन प्रतियोगिता

**नयी दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात निर्माता कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने माईजीओवी के साथ मिलकर राष्ट्रीय कहानी लेखन प्रतियोगिता, सेल कहानी लेखन प्रतियोगिता - 2025 लांच की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि सेल ने देश भर के महत्वाकांक्षी लेखकों को 'सेलः खुशियों की संस्कृति का निर्माण, जहां हर मुस्कान मायने रखती है' विषय पर अपनी रचनात्मकता को उजागर करने और अनूठी कहानियां साझा करने के लिए आमंत्रित किया है। इस प्रतियोगिता में सभी भारतीय नागरिक भाग ले सकते हैं, जिसमें सेल के मौजूदा और सेवानिवृत्त कार्मिक और उनके परिवार भी शामिल हैं। चाहे कोई अनुभवी लेखक हो या कोई ऐसा व्यक्ति, जिसे कहानी सुनाना और लिखना पसंद है, सेल उन्हें इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस कहानी प्रतियोगिता में हिंदी या अंग्रेजी भाषा में कहानी सबमिट की जा सकती है, जिसकी शब्दसीमा 800 शब्द है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को माईजीओवी की वेबसाइट पर पंजीकरण करना होगा और अपनी कहानियां सबमिट करनी होंगी। कहानी सबमिट करने की अंतिम तिथि 10 मार्च, 2025 है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को केवल पहचान ही नहीं मिलेगी बल्कि उन्हें हिंदी और अंग्रेजी दोनों श्रेणियों में अलग-अलग नकद पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

## जोमैटो का नया नाम 'इटरनल', ब्रांड और ऐप रहेंगे वही

**नयी दिल्ली।** फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो लिमिटेड ने अपना नाम बदलकर 'इटरनल लिमिटेड' करने का फैसला किया है, जिसे कंपनी के बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में कहा, 06 फरवरी, 2025 को पारित संकल्प के तहत यह नाम परिवर्तन किया गया है। हालांकि, यह बदलाव शेयरधारकों, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और अन्य वैधानिक प्राधिकरणों की मंजूरी के अधीन होगा।' जोमैटो के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा कि 'इटरनल' में चार प्रमुख व्यवसाय ज़ोमैटो, ब्लिंकिट, डिस्ट्रिक्ट और हाइपरप्योर शामिल होंगे। उन्होंने 'इटरनल' नाम को शक्तिशाली बताते हुए कहा कि यह केवल एक नाम परिवर्तन नहीं बल्कि एक मिशन स्टेटमेंट है। उन्होंने लिखा, 'इटरनल एक वादा और विरोधाभास दोनों को समेटे हुए है। यह हमारे सफर की निरंतरता का प्रतीक है।' कंपनी ने हालांकि स्पष्ट किया है कि जोमैटो का ब्रांड नाम और ऐप वही रहेगा यानी ग्राहकों को फूड डिलीवरी सेवाओं में किसी प्रकार का बदलाव महसूस नहीं होगा।

## बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया गारंटीड इनकम प्लान - पाएं पहले महीने से ही सुनिश्चित आय का लाभ

**नई दिल्ली।** भारत की एक प्रमुख जीवन बीमा कंपनी, बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने बंधन लाइफ गारंटीड इनकम प्लान लॉन्च किया है, जो अब देशभर में बंधन बैंक की शाखाओं में उपलब्ध है। यह प्लान पॉलिसीधारकों को जीवन बीमा कवर की सुविधा के साथ पहले महीने से ही एक सुनिश्चित आय प्रदान करने की सुविधा देता है - जो उनके शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म दोनों प्रकार के वित्तीय लक्ष्यों के लिए एक आदर्श समाधान है। यह प्लान अनेक भुगतान विकल्प भी देता है - कोई व्यक्ति अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के अनुरूप नियमित आय भुगतान या मच्योरिटी पर एकमुश्त भुगतान का विकल्प चुन सकता है। इसके अलावा, पॉलिसीधारक को चुने गए प्लान विकल्प के आधार पर अपने सभी प्रीमियम वापस पाने का विकल्प भी मिलता है। यह प्लान मौजूदा कानूनों के तहत कर लाभ के योग्य है। बंधन लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, सतीश्वर बी., ने कहा, बंधन लाइफ इंश्योरेंस में, हम अपने ग्राहकों को वित्तीय सुरक्षा और आत्मविश्वास प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे जीवन बीमा के ढरिये अपने सपनों को साकार कर सकें।

# जयंत चौधरी ने ग्रेटर नोएडा में एनएसडीसी इंटरनेशनल अकादमी का उद्घाटन किया

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) अंतरराष्?ट्रीय अकादमी का उद्घाटन किया। यह अकादमी विश्वस्तरीय कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जयंत चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि एनएसडीसी इंटरनेशनल एकेडमी भारतीय युवाओं और वैश्विक रोजगार अवसरों के बीच की खाई को पाटने के लिए बनाई गई एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि

यह जर्मनी, जापान और इज़राइल जैसे देशों की कौशल मांगों के अनुरूप विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करते हुए उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में काम करेगा। इस अवसर पर जयंत चौधरी ने जर्मनी जाने वाले 11 उम्मीदवारों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने एनएसडीसी इंटरनेशनल एकेडमी का दौरा किया, छात्रों से उनकी जीवन यात्रा के बारे में बातचीत की, उन्हें प्रेरणा दी और केंद्र में मौजूद एआई और वीआर सुविधाओं, उन्नत प्रयोगशालाओं का भी अनुभव कराया। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित एनएसडीसी इंटरनेशनल अकादमी विश्व स्तरीय कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक सुविधा मुहैया कराता है। यह अकादमी युवाओं को विदेशी भाषाओं में सशक्त बनाने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय कैरियर के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए है।

## सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सोना 86 हजार के पार पहुंचा

**एजेंसी**

**मुंबई।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के बाद रेपो रेट 6.5 फीसदी से घटकर 6.25 फीसदी हो गया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज इसका ऐलान किया। रेपो रेट में इस कटौती से लोन सस्ता होगा और ईएमआई भी घटेगी।

संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद लिए गए फैसले की जानकारी पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि छह सदस्यीय समिति ने आम सहमति से रेपो रेट को 0.25 फीसदी से घटाकर 6.25 फीसदी करने का निर्णय किया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। जबकि चालू वित्त वर्ष आर्थिक वृद्धि

दर 6.4 फीसदी पर रहने के अनुमान को बरकरार रखा है।संयज मल्होत्रा ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 4.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में इसके 4.8 फीसदी रहने की संभावना है। गौरतलब है कि आरबीआई ने फरवरी 2023 से रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा था।

# ईपीआर को उद्यमिता के विस्तार का अवसर के रूप में अपनाएंः खंडेलवाल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) को सिर्फ एक बाध्यता के रूप में देखने के बजाय एक बड़े अवसर के रूप में अपनाना चाहिए। नई दिल्ली के एक होटल में इंडियन ईपीआर एलायंस की ओर से आयोजित कार्बन मार्केट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई) को संबोधित करते हुए सांसद खंडेलवाल ने जोर दिया कि खुदरा एवं थोक विक्रेता और व्यापारी भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत?वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी विकास के विजन को आगे बढ़ाने के अनुरूप है। प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत %मिशन लाइफ%, स्वच्छ भारत अभियान और 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य जैसी पहलों के माध्यम से स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपशिष्ट (वेस्ट) प्रबंधन, संसाधन दक्षता और जवाबदेही को सुनिश्चित करने में ईपीआर की महत्वपूर्ण भूमिका को भी

रेखांकित किया। भाजपा सांसद खंडेलवाल ने कहा कि अब तक अपशिष्ट प्रबंधन मुख्य रूप से अनौपचारिक कचरा बीनने वालों और छोटे रीसाइक्लर्स पर निर्भर रहा है, लेकिन ईपीआर एक संरचित ढांचा प्रदान करता है जो व्यापारियों, निर्माताओं और नीति-निर्माताओं को आपस में जोड़ता है। उन्होंने प्लास्टिक, पैकेजिंग, ई-वेस्ट और स्क्रैप क्षेत्रों में छोटे व्यापारियों को अधिकृत कलेक्शन पार्टनर बनने का आह्वान किया ताकि वे ईपीआर अनुपालन को अपनाकर अपनी आय को स्थिर कर सकें और व्यापार का विस्तार कर सकें।कैट महामंत्री ने सरकार द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षण और वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से ईपीआर अनुपालन को सरल बनाने के प्रयासों का स्वागत करते हुए कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र आने वाले वर्षों में एक बहु-अरब डॉलर (मल्टी-बिलियन डॉलर) का उद्योग बनने की ओर अग्रसर है, जो छोटे व्यवसायों के लिए व्यापक आर्थिक अवसर खोलेगा। खंडेलवाल ने अपने संबोधन में सरल अनुपालन प्रक्रियाओं और व्यापार, रीसाइक्लिंग उद्योग एवं नीति-निर्माताओं के बीच मजबूत सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने व्यापार जगत से भारत के हरित (ग्रीन) परिवर्तन में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने सीएमएआई द्वारा लॉन्च किए गए इंडिया ईपीआर एलायंस का स्वागत करते हुए इसे देश की अपशिष्ट प्रबंधन यात्रा में एक मील का पत्थर बताया।

# ईपीएफओ ने 2024-25 में 5 करोड़ से अधिक दावों का किया निपटान

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पहली बार 5 करोड़ दावों के निपटान का आंकड़ा पार करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। ईपीएफओ ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 2,05,932.49 करोड़ रुपये की राशि के 5.08 करोड़ से ज्यादा दावों का निपटान किया है, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में निपटाए गए 1,82,838.28 करोड़ रुपये के 4.45 करोड़ दावों से अधिक है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने एक बयान में कहा कि यह उल्लेखनीय उपलब्धि ईपीएफओ के दावा निपटान प्रक्रियाओं को बढ़ाने और सदस्यों के बीच शिकायतों को कम करने के लिए शुरू किए गए परिवर्तनकारी सुधारों की श्रृंखला के कारण संभव हुई है। उन?होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में ऑटो क्लेम सेटलमेंट दोगुना होकर 1.87 करोड़ हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 89.52 लाख ऑटो क्लेम संसाधित किए गए थे। इसी तरह सरलीकृत ट्रांसफर क्लेम आवेदन की शुरुआत के बाद से अब केवल 8 फीसदी ट्रांसफर क्लेम के लिए सदस्य और नियोक्ता सत्यापन की आवश्यकता होती है। श्रम मंत्री

ने कहा कि सरलीकृत प्रक्रिया की शुरुआत के बाद से लगभग 97.18 फीसदी प्रोफ़ाइल में सुधार खुद सदस्यों ने किये हैं, जिससे कार्यालय हस्तक्षेप घटकर केवल 0.4 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने कहा कि नियोक्ता की ओर से अस्वीकृति के मामले घटकर 1.11 फीसदी और क्षेत्रीय कार्यालय से 0.21 फीसदी रह गए हैं, जो सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता और दावा निपटान में प्रक्रियागत बाधाओं में कमी को दर्शाता है। मंडाविया ने सदस्य प्रोफ़ाइल सुधार सुधारों के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि 48 फीसदी दावे नियोक्ता के हस्तक्षेप के बिना सीधे प्रस्तुत किए जाते हैं, जबकि 44 फीसदी स्थानांतरण अनुरोध स्वचालित रूप से उत्पन्न होते हैं। इसी तरह पीएफ ट्रांसफर क्लेम सबमिशन प्रक्रिया में सुधारों ने कार्यप्रवाह को काफी हद तक सुव्यवस्थित कर दिया है।

# लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** ब्याज दरों को लेकर रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी का फैसला आने के पहले घरेलू शेयर बाजार आज संभलकर कारोबार करता रहा। निवेशकों के सतर्क रुख की वजह से बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल, रियल्टी और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, बैंकिंग और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.15 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 425.14 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.05 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,063 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,917 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,018 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,568 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,164 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,404 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 242.08 अंक की तेजी के साथ 78,513.36 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 427.29 अंक की कमजोरी के साथ 77,843.99 अंक के स्तर तक गिर गया।

## स्टेट बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में 84 फीसदी बढ़कर 16,891 करोड़ रुपये

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एसबीआई का मुनाफा 84 फीसदी बढ़कर 16,891 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 9,164 करोड़ रुपये रहा था। स्टेट बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बैंक की कुल आय बढ़कर 1,28,467 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,18,193 करोड़ रुपये थी। तीसरी तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय सालाना आधार पर 1,06,734 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,17,427 करोड़ रुपये हो गई है। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी दिसंबर 2024 के अंत में 2.07 फीसदी पर आ गईं, जो पिछले वित?त वर्ष की समान अवधि के अंत में 2.42 फीसदी थीं। बैंक ने बताया कि इसी तरह शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) भी सालाना आधार पर 0.64 फीसदी से घटकर 0.53 फीसदी रह गईं। इसके साथ ही एसबीआई समूह का एकीकृत शुद्ध लाभ इस अवधि में सालाना आधार पर 11,064 करोड़ रुपये से 70 फीसदी बढ़कर 18,853 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा एकीकृत कुल इनकम तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 1,53,072 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,67,854 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

# भारत-ब्रिटेन ने हरित हाइड्रोजन मानकों को आकार देने के लिए हाथ मिलाया

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने नई दिल्ली में ब्रिटिश समकक्षों के साथ दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की, जिसमें हरित हाइड्रोजन उत्पादन और विनियमन के मानकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया। ग्रीन हाइड्रोजन पर कार्यशाला का उद्देश्य भारत-ब्रिटेन सहयोग को मजबूत करना है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि ब्रिटिश मानक संस्थान (बीएसआई) और यूके के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के साथ साझेदारी में आयोजित यह पहल उभरती हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को संरेखित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्रालय ने कहा कि कार्यशाला के दौरान ब्रिटिश मानक संस्थान में ऊर्जा क्षेत्र प्रमुख एबे डोरियन ने कहा

कि यह एक सतत हाइड्रोजन बाजार के निर्माण में ज्ञान के आदान-प्रदान, मानकीकरण और नवाचार के महत्व का प्रमाण है। उन्होंने कहा, भारत और यूनाइटेड किंगडम की ग्रीन हाइड्रोजन में अग्रणी बनने की साझा महत्वाकांक्षा है, जो नेट जीरो भविष्य के लक्ष्य को समर्थन करता है।खाद्य मंत्रालय ने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत भारतीय मानक ब?यूरो के प्रयासों को भी मजबूत करता है। इसने मानकों में कमियों की पहचान करने, नए क्षेत्रों की खोज करने और विशेषज्ञों से जुड़ने में मदद की। वैश्विक सर्वोत्तम विधियों से प्राप्त अंतर्दृष्टि भारत के प्रमाणन, परीक्षण और मानकीकरण को बढ़ाएगी, जिससे एक सतत और प्रतिस्पर्धी हरित हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था को सहयोग मिलेगा। इस कार्यक्रम में भारत और यूनाइटेड किंगडम के नीति निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और विशिष्ट उद्योगपतियों ने गहन विचार-विमर्श किया।

इसके साथ ही उन्होंने हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए भारत और यूनाइटेड किंगडम के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित किया। इस कार्यशाला का उद्घाटन राजीव शर्मा, उप महानिदेशक (मानकीकरण-ढ्ढ), भारतीय मानक ब्यूरो, लॉरा एलेट, जलवायु और ऊर्जा प्रमुख (ब्रिटिश उच्चायोग) और एबे डोरियन, ऊर्जा क्षेत्र प्रमुख, भारतीय मानक ब्यूरो ने किया।

# दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो का 20–21 फरवरी को यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) राजधानी नई दिल्ली में द्वारका के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में 20-21 फरवरी को दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो (डीआईएलईएक्स) 2025 का आयोजन करने जा रहा है। डीआईएलईएक्स 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों के साथ मिलकर निर्यात और रोजगार को प्रोत्साहन देगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय नेजारी एक बयान में बताया कि यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में होने वाला डीआईएलईएक्स 2025 प्रमुख बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) कार्यक्रम है। इसको निर्माताओं एवं निर्यातकों को अपने नवीनतम संग्रह, नवाचारों और क्षमताओं को अंतरराष्?ट्रीय खरीदारों के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करने के लिए डिजाइन

किया गया है, जो व्यवहार्य सोर्सिंग विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। चमड़ा निर्यात परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जालान ने बताया कि केंद्रीय बजट में की गई घोषणाएं भारत के चर्म और फुटवियर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों के तहत तेजी से वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग हब के रूप में विकसित हो रहा है। सीएलई ने 2030 तक 47 अरब अमेरिकी डॉलर बिजनेस का लक्ष्य तय किया है। इसमें से 13.7 अरब अमेरिकी डॉलर निर्यात क्षेत्र के लिए है।

## वर्ष 2043 तक भारत और दक्षिण एशिया में हवाई जहाजों का बेड़ा होगा चार गुना : बोइंग

**नई दिल्ली ।** वैश्विक एयरोस्पेस दिग्गज बोइंग ने कहा कि भारत और दक्षिण एशिया में आर्थिक विकास और बढ़ती हवाई यातायात मांग की बदौलत वाणिज्यिक हवाई जहाजों का बेड़ा वर्ष 2043 तक चार गुना तक बढ़ जाएगा।

बोइंग के नवीनतम वाणिज्यिक बाजार परिदृश्य (सीएमओ) के अनुसार, इस क्षेत्र में वर्ष 2043 तक हवाई यातायात सालाना सात प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ेगा। इसका मुख्य कारण निरंतर आर्थिक विस्तार, बेहतर कनेक्टिविटी और सरकार की उदारीकरण नीतियां होंगी, जो हवाई यात्रा को बढ़ावा देंगी।

बोइंग के पूर्वानुमान के अनुसार, भारत में घरेलू हवाई यातायात सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ने वाला खंड बना रहेगा। यह विस्तार विशेष रूप से कम लागत वाली एयरलाइनों के विस्तार और नेटवर्क विविधीकरण के कारण होगा, जो नए मार्गों और गंतव्यों को जोड़ने में सहायक होंगे। बोइंग ने भविष्यवाणी की है कि सिंगल-ऑयल ईंधन-कुशल विमान 737 एमएएक्स आने वाले वर्षों में 10 में से नौ नए वाणिज्यिक जेट डिलीवरी के लिए जिम्मेदार होंगे। ये विमान छोटे और मध्यम दूरी के मार्गों के लिए एयरलाइनों को अधिक लचीलापन और लागत-कुशलता प्रदान करेंगे।

# जनवरी में एफआईआई ने बेचे 87 हजार करोड़ के शेयर, फाइनेंशियल सेक्टर में की सबसे अधिक बिकवाली

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** जनवरी का महीना घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों के कारोबार के लिहाज से एक बार फिर दबाव वाला साबित हुआ। इस महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 87,374.66 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। इस कारण स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी घट कर 12 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। जनवरी के महीने की शुरुआत से ही विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाली का दबाव बनाते रहे, लेकिन महीने के दूसरे पखवाड़े में एफआईआई ने बिकवाली और तेज कर दी। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के अनुसार जनवरी में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कुल 2,42,699.59 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की, वहीं 3,30,074.25 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। इसमें एफआईआई ने सबसे अधिक बिकवाली फाइनेंशियल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर सर्विसेज और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में की। इसमें भी सबसे अधिक बिकवाली फाइनेंशियल सेक्टर में की गई। इस सेक्टर में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने जनवरी के दूसरे पखवाड़े के दौरान 12,745 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस पखवाड़े में ही एफआईआई ने आईटी और कंज्यूमर सर्विसेज सेक्टर के शेयरों में 4,544 करोड़ रुपये और 4,840 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की। इसके अलावा इसी अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने ऑटोमोबाइल सेक्टर के 3,899 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की, जबकि कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में विदेशी निवेशकों की बिकवाली 3,077 करोड़ रुपये की रही। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में 2,869 करोड़ रुपये, सर्विस सेगमेंट में 1,334 करोड़ रुपये, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में 1,277 करोड़ रुपये और पावर सेक्टर में 1,083 करोड़ रुपये की बिकवाली की। डिपॉजिट से मिले इन आंकड़ों से साफ है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बड़े सेक्टर्स में अपनी स्टॉक होल्डिंग कम कर दी।

हालांकि, जनवरी के दूसरे पखवाड़े में विदेशी निवेशकों ने कुछ सेगमेंट्स में खरीदारी पर भी जोर दिया। इस दौरान एफआईआई ने टेलीकॉम सेक्टर में 643 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। इसी तरह टेक्सटाइल सेक्टर में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 397 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। डायवर्सिफाइड स्टॉक्स में एफआईआई ने 287 करोड़ रुपये की खरीदारी दर्ज की। जनवरी के महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों की गई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घट कर 16.08 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो जून 2012 के बाद अभी तक का सबसे निचला स्तर है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों के पास मौजूद एसेट्स अंडर कस्टडी (एयूसी) घट कर 67.76 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गई, जो पिछले 8 महीने का सबसे निचला स्तर है। पिछले 4 महीने के अवधि में एफआईआई-एयूसी में 10.20 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की स्टॉक मार्केट में हिस्सेदारी बढ़कर 10.28 प्रतिशत हो गई है, जो इससे पहले दिसंबर के महीने में 9.93 प्रतिशत के स्तर पर थी। आंकड़ों से साफ है कि घरेलू शेयर बाजार से लगातार पैसा निकालने के बावजूद डीआईआई ने खरीदारी करके बाजार को क्रैश होने से बचाने की कोशिश करने के साथ स्टॉक मार्केट में अपनी पकड़ भी मजबूत की है।

# दूधी की सब्जी खाकर हो गए हैं बोर! ट्राई करें रामदेव बाबा की ये स्पेशल रेसेपीज, मिलेंगे खूब फायदे

**योग गुरु बाबा रामदेव अक्सर दूधी खाने के फायदे गिनाते नजर आ जाते हैं. लेकिन लौकी की सब्जी खाकर कई लोग बोर हो जाते हैं. ऐसे में आप इस सब्जी की ये अनोखी रेसेपीज ट्राई कर सकते हैं.**

बचपन में अगर आप किसी से भी पूछें तो, एक सब्जी ऐसी जरूर होती है जो बच्चों को पसंद नहीं आती और इसका नाम है लौकी (Bottle Gourd). हालांकि बड़े होने पर आपको समझ आता है कि ये एक बहुत ही पौष्टिक और फायदेमंद सब्जी है, जो शरीर को कई सारे हेल्थ बेनफिटि देती है. लौकी को देश के कई इलाकों में दूधी भी कहा जाता है. गर्मियों में इस सब्जी को खूब खाया जाता है क्योंकि लौकी में पानी बहुत ज्यादा होता है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है. योग गुरु बाबा रामदेव अक्सर आपको लौकी खाने के फायदे गनिाते नजर आ जाते हैं. लेकिन अक्सर लौकी की सब्जी खाकर लोग बोर हो जाते हैं. ऐसे में रामदेव बाबा ऐसी कई रेसपीिज बताते हैं ताकि इस सब्जी को आप अपना नियमित आहार बना सकें.

शरीर के लिए कतिनी फायदेमंद हैं लौकी

लौकी या दूधी के नाम से प्रसद्धि इस सब्जी में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करती है. इस सब्जी के सेवन से कब्ज और गैस जैसी समस्याओं से राहत मलिती है और पेट साफ रहता है. अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तब भी ये सब्जी आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होती है. लौकी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है, जिससे यह वजन कम करने के लिए एक बेहतरीन आहार बन जाती है. लौकी में पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर जैसे तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में मदद करते हैं. इस सब्जी को खाने से ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल करने में मदद मलिती है. लौकी में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा को निखारते हैं और उसे मुलायम और स्वस्थ बनाए रखते हैं. यह मुंहासे, त्वचा के दाग-धब्बों को भी कम करने में मदद करती है. लौकी का जूस किडनी और लीवर के लिए भी फायदेमंद होता है. यह शरीर में जमा टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है और किडनी की सेहत को बेहतर बनाता है.

चलिए आपने इस सब्जी के कई फायदे तो जान लिए. अब अगर आप सिर्फ लौकी की सब्जी खाने से बोर हो गए हैं तो बाबा रामदेव ने कई ऐसी रेसपीिज बताई हैं, जनिके जरिए आप इस सब्जी का सेवन कर सकते हैं.

1. लौकी की खीर

लौकी का सबसे आसान और स्वादिष्ट उपयोग इसे कद्दूकस कर और घी में पकाकर किया जा सकता है. यह एक ऊर्जा से भरपूर और पौष्टिक व्यंजन बन जाता है. इसे दूध में उबालकर खीर बनाई जा सकती है. यह खीर शक्कर के बिना बनाई जाती है, इसके लिए गुड़ पाउडर, मुनक्का (सूखे अंगूर), या अंजीर का उपयोग करके इसे मीठा किया जा सकता है. यह खीर कोलेस्ट्रॉल और त्वचा की समस्याओं के लिए भी फायदेमंद है.

2. लौकी की बर्फी

जो लोग मीठा खाना पसंद करते हैं, उनके लिए लौकी से बर्फी बनाई जा सकती है. मिश्रण को ठंडा होने दें और फिर आप एक स्वादिष्ट और सेहतमंद मिठाई का आनंद ले सकते हैं.

3. लौकी का जूस

यह लौकी को अपने आहार में शामिल करने का एक और बेहतरीन तरीका है. ताजे धनिए के साथ इसका जूस शरीर के मोटापे को कम करने में मदद करता है और यह पैंक्रियास और किडनी के लिए भी फायदेमंद है. नियमित रूप से इसका सेवन शरीर को डिटॉक्स करने और समग्र सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है.

4. लौकी का सूप

सर्दियों में एक गर्म सूप के रूप में लौकी का सेवन भी किया जा सकता है. लौकी को क्रश कर उबालकर एक सेहतमंद सूप तैयार किया जा सकता है, जो दिल के लिए फायदेमंद होता है. हालांकि, दिल की ब्लॉकेज को रोकने में मदद करता है, इसे हफ्ते में एक बार खाना ही बेहतर है, न कि रोज.

# लोकतंत्र को निगलता पूंजीवाद

ट्रंप को सत्ता संभाले अभी महीना भर भी नहीं हुआ और उनके फैसले जाहिर कर रहे हैं कि अमेरिका में पूंजीवाद और अमेरिका का पूंजीवाद पूरी तरह बेनकाब होकर दुनिया के सामने आ गए हैं। दुनिया में लोकतंत्र की रक्षा और बहाली के नाम पर अपनी सरकारें बनवाने वाला अमेरिकी पूंजीवाद अब कौन से कहर ढाएगा, यह सोचकर ही डर लगता है। क्योंकि इस खेल का प्रतिरोध भी होगा और उससे नए संघर्षों का जन्म होगा। भारत इन बदले हालात में किस तरह अपनी मजबूती दिखाएगा, इसमें भी संशय है।भापने दूसरे कार्यकाल में कुछ और ज्यादा दबंग होकर शासन करने की मंशा पाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब बेहद खतरनाक खेल खेलने पर उतारू हो गए हैं। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के पहले विदेशी मेहमान बने। इस बात से ही जाहिर हो जाता है कि अमेरिका और इजरायल के बीच किस किस्म की घनिष्ठता है। नेतन्याहू से मुलाकात के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग़ज़ा पर अमेरिका के नियंत्रण से जुड़ा चौंकाने वाला प्रस्ताव पेश किया। ट्रंप का मानना है कि ग़ज़ा एक ऐसी जगह है जहां सब कुछ ध्वस्त हो चुका है। अब अमेरिका ग़ज़ा पट्टी को नियंत्रण में लेकर यहां से ज़िंदा बमों को हटाकर, पुनर्निमाण करके अर्थव्यवस्था को गति देने का काम कर सकता है। बकौल ट्रंप फ़िलीस्तीन के लोग केवल इसलिए ग़ज़ा वापस जाना चाहते हैं क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं है। इसलिए ट्रंप ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गज़ा के 18 लाख लोगों को दूसरे अरब देशों में भेज देना चाहिए, ताकि अमेरिका ग़ज़ा पर नियंत्रण करे और इस बर्बाद हो चुके फ़िलीस्तीनी क्षेत्र को फिर से बनाए। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या उनके इस ताज़ा रुख़ के मायने ये हैं कि वो इज़रायल और फ़िलीस्तीन के विवाद को सुलझाने के लिए दो राष्ट्र सिद्धांत के ख़िलाफ़ हैं। तो ट्रंप ने जवाब दिया, इसका दो राष्ट्र या एक राष्ट्र या किसी भी राष्ट्र से कोई मतलब नहीं है।गनीमत है कि जवाब देने में ट्रंप ने ईमानदारी दिखाई कि इसका किसी भी राष्ट्र से कोई मतलब नहीं है। वैसे भी ट्रंप इस समय जो कर रहे हैं, वही अमेरिका की मंशा हमेशा से रही है। फर्क यही है कि अब तक के राष्ट्रपतियों ने खुलकर गज़ा पर अधिकार जमाने की बात नहीं की थी, ट्रंप विकास, रोजगार और पुनर्निर्माण जैसे शब्दों की जुगाली करते हुए इस बात को बेझिझक कह रहे हैं। ट्रंप ने ग़ज़ा पट्टी की तुलना नरक से करते हुए कहा, %यहां लोगों को कभी जीने का मौका नहीं मिला।% हालांकि उनसे पूछा जाना चाहिए कि गज़ा को नरक बनाने में अमेरिका की भूमिका के बारे में वे क्या कहेंगे। यहूदियों को बसाने के लिए इजरायल नाम के नए देश का निर्माण आखिर किस की पहल पर हुआ। ट्रंप अब भी गज़ा के लोगों को दूसरे अरब देशों में भेजने की बात कर रहे हैं, अगर उन्हें भलाई करने का इतना ही शौक है तो क्यों नहीं अमेरिका में उन्हें बसने बुला लेते। अभी तो वे अमेरिका से उन लोगों को भी खदेड़ रहे हैं, जिनके पास अमेरिकी कानून के तहत पूरे कागज़ात नहीं हैं। ऐसे प्रवासी अवैध कहे जा सकते हैं, लेकिन ट्रंप तो इन्हें अपराधियों की तरह हथकड़ी लगाकर वापस भेज रहे हैं। भारत में भी बुधवार को ऐसे प्रवासी भारतीयों की पहली खेप आई है। वैश्विक स्तर पर यह देश का बड़ा अपमान है। अफसोस की बात यह है कि इतनी बड़ी शर्मिंदगी का अहसास प्रधानमंत्री को नहीं है, वे गंगाजी में डुबकी लगाने का आनंद ले रहे हैं।बहरहाल, गज़ा पर ट्रंप की योजना पर उनसे पूछा गया कि क्या भविष्य में ग़ज़ा पर अमेरिका का स्वामित्व होगा, क्या आप किसी संप्रभु क्षेत्र पर कब्ज़ा करने की बात कर रहे हैं? तो ट्रंप ने कहा, हां. वह अमेरिका की अगुवाई में लंबे समय तक ऐसा नियंत्रण करने की कल्पना कर रहे हैं। उस ज़मीन के टुकड़े पर अधिकार पाना, उसका विकास करना, हज़ारों नौकरियां पैदा करना। ये वाकई शानदार होगा। हर कोई इस विचार को पसंद करता है। इस हर कोई में कौन-कौन शामिल है, इसका खुलासा तो अभी नहीं हुआ है, लेकिन मिस्र, जॉर्डन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, क़तर, फ़िलीस्तीनी प्राधिकरण और अरब लीग ने एक साझा बयान जारी करते हुए ट्रंप की इस योजना को ख़ारिज और चेतावनी दी है कि इस तरह की योजना क्षेत्रीय स्थिरता के लिए ख़तरा पैदा करेंगी और संघर्ष तेज़ होने का जोख़िम भी बढ़ाएगी। हमास भी स्वाभाविक तौर पर इस योजना से नाराज़ है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत किसी जगह की आबादी को जबरन कहीं और भेजना प्रतिबंधित है। लेकिन ट्रंप खुलेआम इस कानून की धज्जियां उड़ाने की योजना बता रहे हैं। अरब देश इसकी मुखालफत भले ही कर लें, लेकिन क्या ट्रंप को इस योजना पर अमल करने से रोका जा सकेगा, यह बड़ा सवाल है। क्योंकि ट्रंप के इर्द-गिर्द इस समय जो लोग खड़े हैं, उनके लिए मुनाफा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसमें इंसानियत जैसे शब्दों की कोई जगह नहीं है।गज़ा को स्वर्ग बनाने के पीछे किस तरह भू राजनैतिक स्थितियों से छेड़छाड़ होगी, इजरायल और अमेरिका की खुफिया एजेंसियां, सेनाएं और तकनीकी ताकतें किस तरह के दुष्चक्र रचेंगी, इनका अंदाजा भी फिलहाल नहीं लगाया जा सकता। हालांकि ट्रंप के एक और फैसले से इस खेल की चालाकी समझी जा सकती है। टेस्ला कंपनी के मालिक, दुनिया के सर्वाधिक अमीर कारोबारियों में से एक और इस समय ट्रंप के सबसे करीबी माने जाने वाले एलन मस्क की पहुंच अब अमेरिकी सरकार की भुगतान प्रणाली तक हो गई है। मस्क द्वारा संचालित डीओजीई यानी सरकारी दक्षता विभाग को सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर ग्राहक भुगतान प्रणालियों सहित संवेदनशील वित्तीय डेटा तक पहुंच मिल गई है। डीओजीआई को लेकर पहले ही अमेरिका में संदेह व्यक्त किया जा रहा है। ट्रम्प प्रशासन ने इस टास्क फोर्स का गठन ही इसलिए किया है ताकि संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालने, कार्यक्रमों में कटौती करने और संघीय नियमों को कम करने के तरीके खोजे जा सकें। आसान शब्दों में कहें तो सरकार अपनी जिम्मेदारी इस टास्क फोर्स के जरिए कम करना चाहती है।इसकी कमान एलन मस्क के हाथों में है, जो विशुद्ध कारोबारी हैं और जिन्हें सरकार के संचालन में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी जनता ने निर्वाचित नहीं किया। अमेरिकी जनता ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुना है। लेकिन ट्रंप बेहतर प्रशासन के नाम पर कारोबारियों को बढ़ावा दे रहे हैं। अमेरिकी ट्रेजरी तक मस्क की पहुंच इसका बड़ा प्रमाण है। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सांसद इस बात से काफी परेशान हैं कि मस्क के पास अमेरिकी सरकार में बहुत अधिक शक्ति है, उन्हें डर है कि मस्क के लोग अपने राजनीतिक एजेंडे के अनुरूप भुगतान को अवैध रूप से रोक सकते हैं। मस्क सोशल मीडिया पर भी इस बात को कह चुके हैं कि वे चैरिटी यानी कल्याणकारी कार्यों के लिए दिए जाने वाले भुगतान को बंद कर देंगे। ध्यान रहे कि ट्रेजरी के भुगतानों का प्रबंधन राजकोषीय सेवा द्वारा किया जाता है, जो सालाना 1.2 बिलियन डॉलर से अधिक लेनदेन करती है। अब इस लेनदेन तक मस्क की पहुंच हो चुकी है, जिसकी आलोचना अमेरिका में मीडिया और विपक्ष दोनों कर रहे हैं।

ट्रंप को सत्ता संभाले अभी महीना भर भी नहीं हुआ और उनके फैसले जाहिर कर रहे हैं कि अमेरिका में पूंजीवाद और अमेरिका का पूंजीवाद पूरी तरह बेनकाब होकर दुनिया के सामने आ गए हैं। दुनिया में लोकतंत्र की रक्षा और बहाली के नाम पर अपनी पिट्ठू सरकारें बनवाने वाला अमेरिकी पूंजीवाद अब कौन से कहर ढाएगा, यह सोचकर ही डर लगता है। क्योंकि इस खेल का प्रतिरोध भी होगा और उससे नए संघर्षों का जन्म होगा। भारत इन बदले हालात में किस तरह अपनी मजबूती दिखाएगा, इसमें भी संशय है। ट्रंप के शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री मोदी को निमंत्रण नहीं था, लेकिन मुकेश अंबानी वहां सपत्नीक मौजूद थे। अमेरिका में पहले विदेशी मेहमान इजरायली प्रधानमंत्री बने और उस समय अमेरिका से अवैध प्रवासियों को भारत भेजने की तैयारी हो रही थी। नरेन्द्र मोदी के अपने दोस्त ट्रंप से फोन पर की गई बातचीत से भी कोई खास उम्मीद नहीं बंधी।

जिस तरह नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में कुछ खास उद्योगपतियों को बढ़ावा मिला, उसी तरह मस्क अमेरिकी सरकार पर हावी दिख रहे हैं। एक उद्योगपति के सरकार पर नियंत्रण बढ़ने के नतीजे अमेरिका में सामने आने लगे हैं, भारत के नागरिकों को भी अपने देश में ऐसे ही हालात बनने का डर लगना चाहिए। राहुल गांधी ने संसद में इस बात को समझाने की कोशिश की थी, लेकिन उनके एआई के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने डबल एआई वाला बयान देकर बता दिया कि अमेरिका का जो अभी हाल है, जल्द ही भारत में भी पूंजीवाद लोकतंत्र को ऐसे ही निगलेगा।

संपादकीय

## निर्वासन: काम न आई ट्रम्प-मोदी मित्रता

जिस डोनाल्ड ट्रम्प को उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने %माई फ्रेंड% कहकर अपनी बधाइयां दी थीं, उन्हीं ट्रम्प ने मोदी को %रिटर्न गिफ्ट% के रूप में 104 भारतीयों को अवैध प्रवासी कहकर एक सैन्य जहाज में भरकर लौटा दिया है- वह भी अपराधियों की तरह हाथ-पांवों में हथकड़ी-बेड़ियां डालकर तथा उनकी कमर को जंजीरों से जकड़ कर। सी-17 ग्लोबमास्टर नामक सेना का जो हवाई जहाज बुधवार को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा, उसमें से उतरने वालों के मन में गहन अपमान का दर्द तो साफ दिख रहा था, पूरा देश इसे लेकर अभूतपूर्व बेइज़्ज़ती महसूस कर रहा है जो स्वतंत्र भारत के इतिहास में उसकी कभी भी नहीं हुई थी। एक ओर तो अपने आप को विश्व गुरु होने का दावा करने वाले मोदी की यह बड़ी कूटनीतिक हार है, तो वहीं दूसरी ओर इस घटना ने यह भी साफ कर दिया है कि भारतीयों का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिनमें न राष्ट्रीय गौरव बचा है और न ही मानवाधिकार की चेतना। यह वह वर्ग है जो भारतीय जनता पार्टी का समर्थक तथा हमेशा की तरह मोदी व सरकार के साथ खड़ा है। जो भी हो, भारत सरकार अपने नागरिकों के साथ उनके जीवन की सबसे दुखद व शर्मसार करने वाली घड़ी में साथ खड़े होने में नाकाम रही है।यह पहली खेप है। अमेरिका ने लगभग 18 हजार अवैध प्रवासियों की शिनाख्त कर ली है। भारत सरकार की सहमति से उन्हें भेजा गया है, जो और भी शर्मनाक है। यानी अभी इसी तरीके से और भी कई जहाज देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर उतरेंगे। इस जहाज को अमृतसर इस कारण से उतारा गया था क्योंकि इस खेप में ज्यादातर वे लोग हैं जो पंजाब और गुजरात से हैं। हालांकि जिन ऐसे अवैध प्रवासियों को निकाला जाना है उनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि के ज्यादा बताये जाते हैं। ट्रेवल एजेंटों को भारी-भरकम राशि देकर बगैर वैध दस्तावेजों के ये लोग अमेरिका में रह रहे थे। कई लोग कनाडा होकर अमेरिकी सीमा को पार करते हुए बेहतर जीवन-यापन की तलाश में उस विकसित देश में पहुंचे थे। ऐसा नहीं कि केवल भारत के ही लोग इस पद्धति से वहां पहुंचे हैं, जिसे %डंकी% तरीका कहा जाता है। अनेक लातिन अमेरिकी, अफ्रीकी तथा एशियाई मुल्कों के लोग अमेरिका जाते हैं। चूंकि इन देशों में आजीविका के पर्याप्त अवसर नहीं हैं तथा समानता और रोजगार के लिहाज से अमेरिका दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करता है, वहां एक बड़ी आबादी ऐसे लोगों की है जो इसी तरह से वहां पहुंची हुई है। अवसर मिलने पर वे अपने कागज़ात को ठीक कराते हैं और विभिन्न उपायों से वहां स्थायी व कानूनी रूप से रहने की मंजूरी पा लेते हैं। 2022 में प्रसिद्ध सिने निर्देशक राजकुमार हिरानी ने अवैध आव्रजन के कथानक पर आधारित इसी नाम से एक फिल्म बनाई थी- डंकी। हालांकि उसमें गैरकानूनी तरीके से लंदन जाने की कहानी है पर इस तरीके को पूरे पश्चिम जगत में अपमानजनक व उपहासात्मक तरीके से डंकी कहा जाता है।2024 में जब अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव हुआ था तो ट्रम्प ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। उनकी अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत ट्रम्प ने ऐलान किया था कि वे अगर जीते तो सभी अवैध प्रवासी खदेड़ दिये जायेंगे। उन्होंने इसके लिये अपने देश को यह कहकर तैयार किया कि अवैध प्रवासियों के कारण अमेरिकियों के लिये अवसर और संसाधन पूरे नहीं पड़ते हैं। इस मुद्दे पर उन्हें समर्थन भी मिला था। इसके तहत उन्होंने अपना वादा पूरा किया। भारत के अलावा ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू तथा इक्वाडोर के प्रवासियों को अमेरिका डिपोर्ट कर चुका है। ये बहुत छोटे देश हैं लेकिन कोलंबिया और मैक्सिको ने न सिर्फ रीढ़ की हड्डी दिखलाई बल्कि अपने नागरिकों के सम्मान की रक्षा भी की। उन्होंने अमेरिकी सैन्य विमानों को अपने हवाई अड्डों पर उतरने की अनुमति नहीं दी। बाद में मैक्सिको ने अमेरिका की सीमा से अपने नागरिकों को वापस लिया तथा कोलंबिया ने अपने जहाज भेजकर उनकी सम्मानजनक स्वदेश वापसी कराई।भारत के लिये यह पूरा वाकया इसलिये दुखद है क्योंकि सरकार ने अमेरिकी प्रशासन के साथ मिलकर ऐसा कोई उपाय ढूंढने की कोशिश ही नहीं की कि अवैध प्रवासी ही सही, लेकिन उनकी सम्मानजनक वापसी हो। भारत सरकार के पास पर्याप्त समय था। भारत ने इसके पहले युद्ध या अन्य परिस्थितियों में अलग-अलग देशों में फंसे भारतीयों को निकाला है। यह माना जा सकता है कि यह विशिष्ट स्थिति है,

# राहुल गांधी की देश-विरोधी बचकानी राजनीति

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नीचा दिखाने के इरादे से ऐसा बयान दिया है जो भारत की साख को आघात लगाने वाला है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करने वाला है। राहुल गांधी किस तरह गैर जिम्मेदाराना बयान देने में माहिर हो गए हैं, यह इस कथन से फिर सिद्ध हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसलिए बार-बार अमेरिका जा रहे थे, ताकि भारतीय प्रधानमंत्री को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जाए। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते देश-विरोध में जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता एवं बचकानेपन को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान प्रतिपक्ष के नेता बनेंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनीति से हटकर भी गहरे व्यक्तिगत आत्मीय मित्रवत संबंध है, इसलिये उनका शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने पर किसी तरह का संदेह नहीं हो सकता। लेकिन इस बात को लेकर राहुल के बयान पर हैरानी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी की इस विचित्र बात पर आपत्ति जताई, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि वह ऐसी बात कहकर भारत की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के झूठ का उद्देश्य राजनीतिक हो सकता है, लेकिन ऐसे झूठे, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान से भारत की छवि को गहरा नुकसान हुआ है। यह तय है कि विदेशी मंत्री के प्रतिवाद का राहुल गांधी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ऐसी मिथ्या बातें करके वे प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई अवसर नहीं चुकते। वह प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को कोई महत्व नहीं देते। आखिर यह किसी से छिपा नहीं कि वह उनके खिलाफ तू-तड़ाक वाली अशालीन एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे हैं। विडंबना यह है कि इस आदत का परित्याग वह नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के बाद भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं कि वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा की परवाह नहीं करते। समस्या यह भी है कि वह प्रायः ऐसी बचकानी बातें कर जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल होती हैं या दूसरे देशों से संबंधों पर बुरा असर डालती हैं।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र

विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। इस तरह राहुल गांधी द्वारा देश में विभाजन के बीज बोने के प्रयास निंदनीय ही नहीं, घोर चिन्तनीय है। सत्ता के लालच में कांग्रेस एवं उनके नेता देश की अखंडता के साथ समझौता और आम आदमी के भरोसे को तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। राहुल के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत से है। राहुल गांधी अक्सर भारत राष्ट्र अर्थात भारत के संविधान यानी आंबेडकर के संविधान के खिलाफ विषवमन करते दिखाई देते हैं। गांधी परिवार की 'मुंह में राम और बगल में छुरी' वाली कहावत जनता के सामने बार-बार आती रही है। आंबेडकर के अस्तित्व को नकार कर भारत के संविधान को बदलने के बाद गांधी परिवार देश का विभाजन, दुश्मन देश के नेताओं एवं शक्तियों के सपनों का टुकड़ों वाला भारत चाहता है। आखिर राहुल गांधी और कांग्रेसी किस बात के लिए संविधान की प्रति लेकर चलते हैं? इस तरह एक गैर जिम्मेदार और बचकाने नेता का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होना क्या देश का दुर्भाग्य नहीं है? राहुल गांधी को गंभीर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? इतना ही नहीं, जब राहुल गांधी राफेल विमान सौदे में कथित दलाली खोज लाए थे, तो यहां तक कह गए थे कि खुद फ्रांस के राष्ट्रपति ने उन्हें बताया था कि दोनों देशों में ऐसा कोई समझौता नहीं, जो राफेल विमान की कीमत बताने से रोकता हो। उनके इस झूठ का खंडन फ्रांस की सरकार को करना पड़ा था। डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है?

राहुल गांधी के गैरजिम्मेदाराना बयानों से यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बतूके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं प्रतिपक्ष के नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने के मोदी सरकार के फैसले की राहुल गांधी की अनावश्यक आलोचना को पाकिस्तान ने अपने पक्ष में भुनाने का काम किया था। अब भी वह सीमा विवाद पर चीन की बातों को अहमियत देते हैं और भारत सरकार की जानकारी पर यकीन नहीं करते। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे है। यह समझ आता है कि वह घरेलू मुद्दों पर सरकार को घेरें और उसकी आलोचना करें, लेकिन कम से कम ऐसी निराधार और मनगढ़ंत बातें तो न करें, जिससे प्रधानमंत्री पद का उपहास उड़े, देश हित आहत हो।

उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हो, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हो, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, कितनी ही देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन राहुल एवं कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके हैं?

## हंसगुल्ले

मरीज ने एक डॉक्टर से पूछा : आपने दो-दो थर्मामीटर क्यो रखे हैं?
डॉक्टर ने जवाब दिया : एक मुंह में लगाने के लिए और दूसरा जेब में।
मरीज : मैं आपका मतलब नही समझा?
डॉक्टर : मतलब यह कि एक थर्मामीटर मुंह में लगाने से पता चलता है कि आपका शरीर कितना गर्म हैं दूसरा जेब में लगाने से पता चलेगा कि आपकी जेब कितनी गर्म है।

• • •

अध्यापिका छात्र से : मोटर साइकिल के कितने टायर होते हैं?
छात्र : 6 टायर।
अध्यापिका : कैसे?
छात्र : 4 मोटर के 2 साइकिल के!

• • •

अध्यापिका छात्र से : ऐसा कौन सा जानवर है जो सबसे ज्यादा अंडे देता है?
छात्र : मैडम, हमारे गणित वाले सर। मेरी कॉपी में उन्होंने शुरु से अंत तक अंडे ही अंडे दिए हैं।

• • •

अध्यापक छात्र से : तुम्हारे घर की चाय बहुत अच्छी थी।
छात्र : सर अगर बिल्ली ने दूध झूठा नहीं किया होता तो और अच्छी होती।
एक ट्रेन बहुत देर बाद चली।

• • •

मुस्लिम बोला- या अली बला टाली।
हिंदू बोला-जय बजरंग बली।
फनी सरदार बोला-रे अली और बली, ट्रेन अपनी नहीं, साथ वाली चली।

• • •

तीन चींटी रास्ते में बैठकर बातें कर रही थीं कि अचानक उस रास्ते से हाथी गुजरता है।
वहां बैठी एक चींटी हाथी से बोली- हाथी मुझसे कुश्ती लड़ोगे।
बाकी चींटियां- अरे रहने दो यार बेचारा अकेला है।

• • •

टीचर: क्या तुम्हारे पापा ने होमवर्क करने में तुम्हारी मदद की है ?
बच्चा-जी नहीं, उन्होंने बिना किसी मदद के होमवर्क किया है।

• • •

परीक्षा हॉल में शिक्षक -क्यों सौरभ प्रश्न मुश्किल लग रहा है?
सौरभ- प्रश्न तो ठीक है सर, मुश्किल केवल उसका उत्तर लग रहा है।

• • •

डॉक्टर (रोगी से): तुम इस दुनिया में बस केवल दो-चार घंटे के मेहमान हो। क्या तुम मरने से पहले किसी को देखना चाहते हो?
रोगी: जी हां।
डॉक्टर : किससे?
रोगी: अच्छे डॉक्टर से मिलना चाहता हूं।

# उल्लुओं की भाषा

अकबर को देखते ही बीरबल ताड़ गया कि वे क्या सोच रहे हैं। घुड़सवारी के लिए आवश्यक पोशाक उन्होंने पहन रखी थी और कालीन पर फैलाये गये तलवारों व भालों को ध्यान मग्न होकर देख रहे थे। बीरबल ने झुककर सलाम किया। चूँकि अकबर की दृष्टि हथियारों पर केंद्रित थी, इसलिए थोड़ी देर बाद उन्होंने मन ही मन गुनगुनाते हुए कहा, वाह, कितने उम्दे हथियार हैं! अकबर को शिकार करना बेहद पसंद था। हिरनों के सिरों से पूरे भवन को सजाना उन्हें कितना ही अच्छा लगता था। किन्तु बीरबल को जंगल में आजादी के साथ विचरते हुए वन्य मृगों का शिकार करना बिल्कुल ही पसंद नहीं था। वे स्वयं शिकार करने की क्रिया में भाग नहीं लेते थे। वे इसी बात को लेकर सोचा करते थे कि बादशाह की शिकार करने की आसक्ति को कैसे कम करूँ। इसके लिए वे कोई मार्ग ढूँढ़ने में लगे हुए थे।

बीरबल, जानते हो, मैं क्या करने जा रहा हूँ? अकबर ने पूछा। दूसरों के मन को पढ़ने की विद्या से मैं अनभिज्ञ हूँ महाराज, बीरबल ने मुस्कुराते हुए कहा। मैं जानता हूँ तुम यह विद्या बखूबी जानते हो। देखो, कड़ी धूप है, ठंडी हवा चल रही है। शिकार करने के लिए आज का दिन बहुत ही अनुकूल है। कहो, तुम्हारा क्या अभिप्राय है? अकबर ने पूछा।

हाँ, प्रभु, बीरबल ने कहा। इसका यह मतलब हुआ कि तुम भी हमारे साथ आ रहे हो। अकबर ने कहा। प्रभु की खुशी ही हमारी खुशी है, बीरबल ने विनयपूर्वक कहा। मुझे मालूम है कि तुम्हें शिकार से चिढ़ है, बिल्कुल पसंद नहीं करते। तुम बहुत ही होशियार हो। सही मौक़े पर चमत्कार भरी बातें करने में तुम माहिर हो। किन्तु मैं यह नहीं जानता कि तुम शारीरिक रूप से बलवान हो या नहीं। तुम हमारे साथ शिकार करने आ जाओगे तो यह भी मालूम हो जायेगा। अकबर ने मुस्कुराते हुए कहा। झुककर सलाम करते हुए बीरबल ने कहा, जैसा आपका हुक्म बादशाह।

बीरबल के साथ अकबर परिवार व सेना सहित शिकार करने घोड़े पर सवार होकर निकल पड़ा । नगर पार करने के एक घंटे के बाद वे जंगल में पहुँचे। जंगल में उनके सैनिकों ने तरह-तरह की आवाज़ों से जंगल को प्रतिध्वनित किया और डफले बजाये, जिससे वन्य मृग भय के बारे अपनी जगह से भागें। पूरा जंगल गूँज उठा। पक्षी उड़े, झाड़ियों में छिपे खरगोश, हिरण जैसे साधु प्राणी भय के मारे जंगल की ओर भागने लगे। राज परिवार उनका पीछा करने लगा। ऊँचे पेड़ों से भरे समतल भूमि पर बादशाह पहुँचे। देखा गया कि एक बाघ उनकी ओर बढ़ता हुआ आ रहा है। उसकी आँखें एकदम लाल हैं। डफलियों की ध्वनियों ने उसे नाराज़ कर दिया था। हथियारों से लोगों ने जब उसे अचानक घेर लिया तब क्षण भर के लिए वह रुक गया। पीछे मुड़कर जाने का मार्ग भी नहीं था। दिशाओं को प्रतिध्वनित करते हुए उसने गर्जना की। पंजा फैलाते हुए, पैने दांतों से भरे मुँह खोले वह अकबर पर टूट पड़नेवाला ही था। अकबर ने भाले को ऊपर उठाया और उसके मुँह को निशाना बनाकर उसे ज़ोर से फेंका। बस, बाघ के मुँह के अंदर भाले के घुस जाने से बाघ ज़मीन पर गिर पड़ा। उसके मुँह से खून लगातार बहने लगा। बादशाह घोड़े पर से उतरे और म्यान से तलवार निकालकर बाघ की ओर गये। पर तलवार चलाने की कोई जरूरत नहीं पड़ी, वह बाघ छटपटाता हुआ वहीं मर गया। राजा ने विजय के उत्साह से पूरित होकर अपना हाथ उठाया। पूरा परिवार आनंद विभोर होकर चिल्लाया, अल्लाहो अकबर। शाम तक बादशाह ने एक और बाघ को मार डाला। सब लोग आराम करने एक सरोवर के पास गये। खाना खा चुकने के बाद अकबर ने कहा, यहाँ की प्रकृति का सौंदर्य मुझे बहुत अच्छा लगा। यहीं थोड़ी और देर तक ठहरूँगा। फिर उन्होंने परिवार को वहाँ से जाने का हुक्म दिया। उन्होंने बीरबल से पूछा, क्या तुम मेरे साथ यहीं रह सकते हो? बीरबल ने झुककर सलाम करते हुए कहा, हाँ, अवश्य रहूँगा।

दोनों एक पेड़ के नीचे बैठ गये। सूर्यास्त होने जा रहा था और अंधेरा भी धीरे-धीरे फैल रहा था। बीच-बीच में पक्षियों का कलरव भी सुनायी दे रहा था। अब वहाँ का वातावरण प्रशांत और गंभीर था। थोड़ी देर और बाद उल्लू एक के बाद एक चिल्लाने लगे। अकबर ने इस पर ग़ौर किया और कहा, हमें उल्लुओं की जबान नहीं मालूम है। हम नहीं जानते कि वे आपस में क्या बातें कर रहे हैं। कहीं हमारी हँसी तो उड़ा नहीं रहे हैं। मैं उनकी भाषा जानता हूँ प्रभु। क्या मैं बताऊँ कि वे आपस में क्या बातें कर रहे हैं? बीरबल ने पूछा। तो फिर देरी क्यों? उनकी भाषा जानते हो तो बताओ न। अकबर ने कहा। प्रभु, वे आपस में दहेज के बारे में चर्चा कर रहे हैं। वर का बाप ऐसे चालीस जंगलों की माँग कर रहा है, जहाँ जंतु ही न हों। वधू का बाप उल्लू बता रहा है कि मैं बीस जंगलों को ही दे पाऊँगा, बीरबल ने कहा। तब एक उल्लू चिल्ला पड़ा। तब वधू के पिता ने कहा कि वर का परिवार छह और महीनों तक प्रतीक्षा कर सके तो और बीस जंगलों को दे पाऊँगा, जहाँ जंतु ही न हों । बीरबल ने पुन: कहा। यह कैसे मुमकिन है? बीस जंगलों से एक उल्लू मात्र जंतुओं को कैसे भगा दे सकता है? अकबर ने पूछा। इस आशा को लेकर वह वचन दे पा रहा है कि आप उसकी सहायता करेंगे, बीरबल ने कहा। तुम क्या कह रहे हो? गरजते हुए कहा अकबर ने। प्रभु, जब आप एक बार शिकार करने जंगल आते हैं, तब दो-तीन जंगल खाली हो जाते हैं। यह उनका कहना है। अगले छे महीनों में आप कम से कम बीस बार शिकार करने यहाँ पधारेंगे। इसी आशा को लेकर बधू का बाप वचन दे रहा है, बीरबल ने कहा।

इस बात पर अकबर थोड़ी देर तक मौन रह गया और फिर कहा, तुमने बहुत ही खूब बताया बीरबल। तुमने मेरी आँखें खोल दीं। जंतु, पेड़-पौधे न हों तो जंगल ही नहीं रहेंगे। वन्य मृगों का शिकार करके मैं कितनी बड़ी गलती कर रहा हूँ। समझ गया। तुम्हें वचन देता हूँ कि आगे से शिकार करने जंगल नहीं आऊँगा। अकबर ने सोचते हुए कहा। बीरबल को विश्वास ही नहीं हुआ। उसने सोचा तक नहीं था कि इतनी जल्दी अकबर बादशाह में इतना बड़ा परिवर्तन आयेगा। परंतु वह कुछ कहे बिना चुप रहा। उल्लू अब क्या बता रहा है? अकबर ने हँसते हुए पूछा। वधू का बाप कह रहा है, चूँकि बादशाह आगे से शिकार नहीं करेंगे, इसलिए तुम जो जंगल माँग रहे हो, वह नहीं दे सकता, बीरबल ने कहा। बहुत खूब! कहते हुए बादशाह जोर से हँस पड़े।

## पहेलियाँ

वह पंखों के बगैर उड़ता है,
मगर हवाई जहाज नहीं है,
वह इस तरह से सैर करता,
क्या है भला नाम बताओ।

• • • • • •

दूध की कटोरी में काला पत्थर,
जल्दी से तुम बताओ सोच कर।

• • • • • •

पाँच अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा सीधा एक समान।

• • • • • •

चाची के दो कान,
चाचा के नहीं कान,
चाची अति सुजान,
चाचा को कुछ ना ज्ञान।

• • • • • •

तीन अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा सीधा एक समान,
मैं हूं एक जाति का नाम।

• • • • • •

उत्तर : 1. बादल, 2. आंख, मलयालम, तवा और कढ़ाई, ईसाई

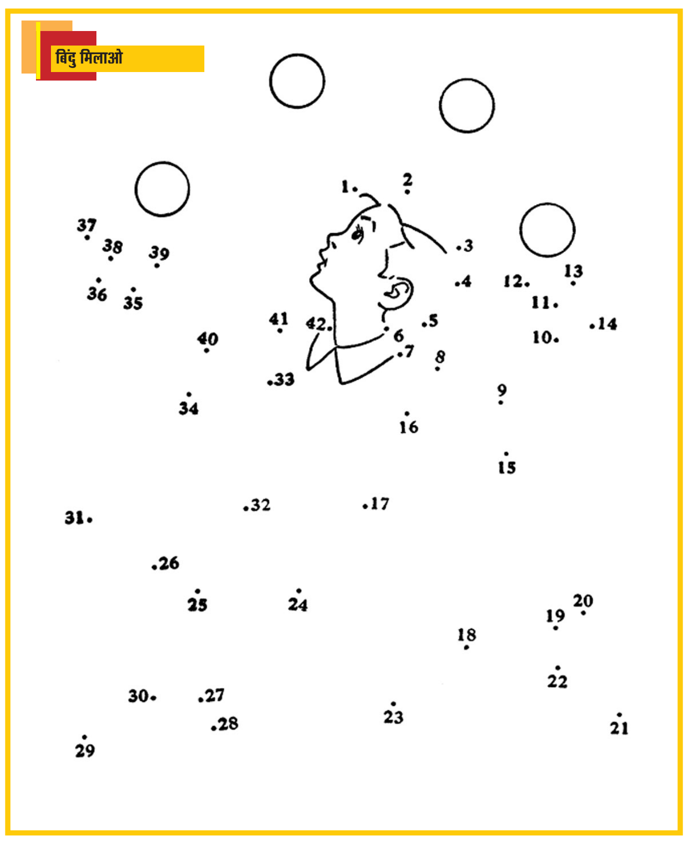


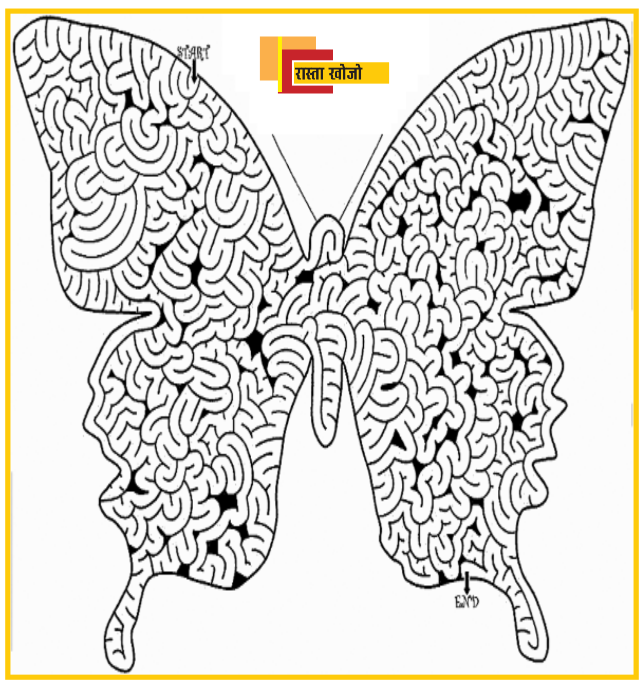


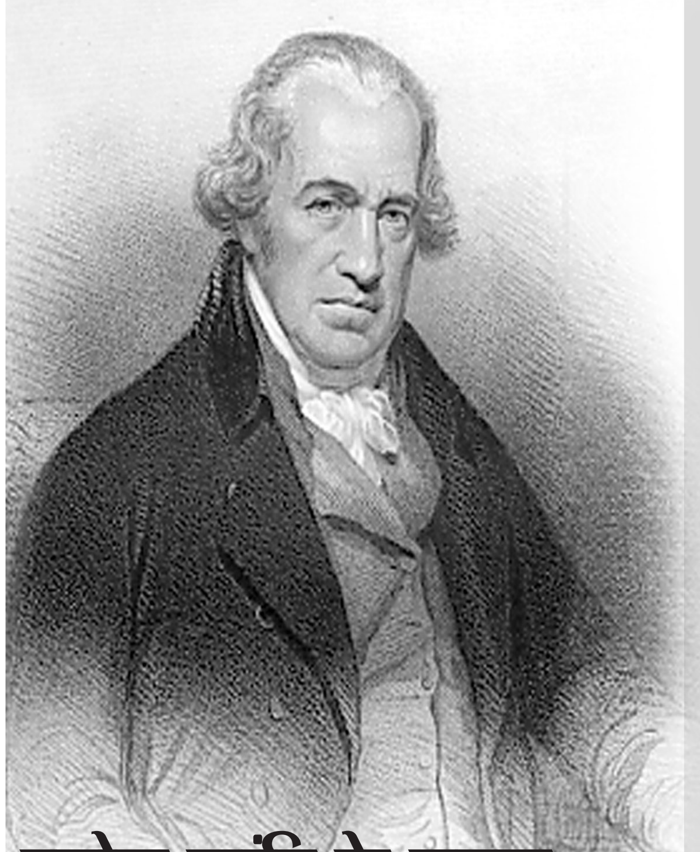

# उद्योग क्रांति के जनक कैसे बने जेम्स वाट

**दुनिया में औद्योगिक क्रांति लाने वाले जेम्स वाट ने बचपन में ही भाप की शक्ति को भांप लिया था और अपनी इसी विश्लेषण शक्ति के बल पर वह आगे चलकर भाप का इंजन बनाने में सफल हुए। उन्नीस जनवरी 1736 को स्कॉटलैंड के ग्रीनॉक रेनफ्रेशाइर में जन्मे जेम्स वाट के अविष्कार से जहां रेल इंजन बनाने में सफलता मिली वहीं इससे पूरी दुनिया में औद्योगिक क्रांति आ गई। विश्व ने उनके अविष्कार को विभिन्न रूपों में इस्तेमाल कर औद्योगीकरण की राह पकड़ ली, जिसके चलते मनुष्य आज धरती से बाहर निकलकर चांद सितारों की दुनिया में भी सेंध लगा चुका है।**

आज जब भी इंजन शब्द की बात आती है तो सबसे पहले जेम्स वाट का ही नाम याद आता है। उन्होंने कहा कि कोई भी औद्योगिक क्षेत्र हो वहां किसी न किसी तरह का इंजन काम कर रहा होता है। औद्योगिक योगदान के क्षेत्र में जेम्स वाट का नाम सर्वोच्च श्रेणी के वैज्ञानिकों में लिया जा सकता है। जेम्स वाट मैकेनिकल इंजीनियर थे। भाप के इंजन पर उनसे पहले भी कई वैज्ञानिक काम कर चुके थे, लेकिन आखिर में सबसे अच्छा इंजन विकसित करने का श्रेय जेम्स के खाते में ही गया। उनके बारे में कहा जाता है कि एक बार उन्होंने आग के ऊपर रखे बर्तन के ढक्कन को बार-बार ऊपर नीचे होते देखा। जेम्स वाट ने इससे अंदाज लगाया कि भाप में शक्ति होती है जिसके चलते बर्तन का ढक्कन ऊपर नीचे हो रहा है। बचपन में उनका यह विश्लेषण उनके बड़े होने पर भाप इंजन के अविष्कार का कारण बना और जेम्स वाट का नाम विज्ञान के इतिहास में अमिट हो गया।

भाप का इंजन न सिर्फ रेल इंजन के अविष्कार का कारण बना बल्कि इससे कृषि जगत से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक में क्रांति आ गई। स्कॉटलैंड की राष्ट्रीयता वाले ब्रिटिश नागरिक जेम्स वाट ने अनुसंधान कार्य के लिए ग्लासगो यूनिवर्सिटी को अपने संस्थान के रूप में चुना। 25 अगस्त 1819 को 83 साल की उम्र में दुनिया को महान खोज देने वाले इस अविष्कारक का निधन हो गया।

## पत्थर काटकर बना लिया घर

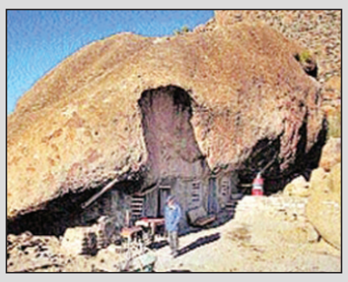

घरों में पत्थरों का इस्तेमाल तो लोग खूब करते हैं, पर मेक्सिको में एक सज्जन ने पत्थर को काटकर घर बना लिया। हालांकि इन सज्जन ने शौकिया तौर पर नहीं, बल्कि मजबूरी में घर बनाया है। सैन जो लास पियार्डस के पास एक परिवार 30 सालों से एक पत्थर के नीचे घर बनाकर रह रहा है। इस पत्थर का व्यास 131 फुट है। यह इलाका कोहुइला रेगिस्तान में है। परिवार के मुखिया के अनुसार, किसी छोटी सी बात पर उसके परिवार को सैन जो के लोगों ने इलाके से बाहर निकाल दिया था। इसके बाद व्यक्ति ने मजबूरी में कुछ ही दूरी पर एक पत्थर को काटना शुरू किया और उसी पत्थर के नीचे पूरा घर बना लिया है। इस घर को बनाने में उसे कई वर्ष का समय लग गया था।

# केसर मलाई पेड़ा

**सामग्री :** 4 कप स्किम्ड मिल्क, केसर के कुछ धागे, एक चुटकी सिट्रिक एसिड, 2 टी स्पून कॉर्नफ्लोर (2 टेबल स्पून दूध में घुला हुआ), 1/4 टी स्पून हरी इलायची पाउडर, 8 कटे हुए बादाम, 10 चम्मच या स्वादानुसार शुगर फ्री नैचुरा।

**विधि :** एक गहरे पैन में दूध डालकर एक उबाल दें। फिर आंच धीमी करके आधा होने तक पकाएं। केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। दो टी स्पून पानी में सिट्रिक एसिड मिलाएं और गाढे किए हुए दूध में मिलाएं। घुला हुआ कॉर्नफ्लोर मिलाएं और एकदम गाढा होने तक लगातार चलाएं। इलायची पाउडर और शुगर फ्री नैचुरा डालकर मिलाएं। फिर आंच से उतारकर ठंडा होने के लिए अलग रखें। मिश्रण को बराबर-बराबर आठ भागों में बांटकर गोल-गोल पेडे बनाएं। ऊपर से बादाम बुरक कर सर्व करें।

# पौधों से सजाएं घर आंगन

**इनडोर** प्लांट्स घर को चार चांद लगा देते हैं। लेकिन, इनका चयन सही होना चाहिए। तभी इंटीरियर आकर्षक लगेगा।

**पौधों का चुनाव**

- जो भी पौधा आप खरीदें, यह जरूर देखें कि उसकी पत्तियों में छेद तो नहीं है या वे मुरझाई हुई तो नहीं हैं।
- फूलों वाले पौधे खरीदते समय ऐस पौधों का चुनाव करें, जिन पर फूलों के साथ-साथ कलियां भी लगी हों।
- गमले के अनुपात में लगभग मध्यम ऊंचाई तक विकसित स्वस्थ पौधा चुनें। लटकने वाले पौधे गमले के चारों ओर समान रूप से लटकें, तो सुंदर लगेंगे।
- कमरे में पौधों को रखने से पहले उनकी सड़ी-गली और पीली पत्तियों को अवश्य काट लें।
- पौधे तैयार करने के लिए अच्छी क्वालिटी के बीजों का चुनाव करें।

**गमले का चुनाव**

- आजकल बाजार में तरह-तरह के गमले मिलते हैं, लेकिन केवल मिट्टी के गमले ही पौधों के लिए उपयुक्त रहते हैं, क्योंकि ये गमले न तो बहुत भारी होते हैं और न ही बहुत हल्के। अन्य गमलों के मुकाबले में इनके दाम भी कम होते हैं। इन गमलों में लगे पौधों की जड़ों को हवा मिलने से उनका विकास अच्छा होता है।
- गमले का चुनाव पौधे के अनुसार ही करना चाहिए, जैसे पांच-दस इंच के पौधे के लिए छह इंच का गमला लेना उचित रहेगा।
- गमला खरीदने से पहले यह जरूर देख लें कि उसमें छेद हो। छेद इतना बड़ा होना चाहिए कि छोटी उंगली आसानी से आर-पार हो जाए। वैसे सजावटी पौधों के लिए आप महंगे गमलों का भी चुनाव कर सकते हैं।

**स्थान का चयन**

- कमरे के खाली कोनों में अधिक या थोड़ी ऊंचाई के पौधों से सजावट करें। एक से अधिक पौधे लगाने पर

ध्यान रखें कि सभी पौधों की ऊंचाई अलग-अलग हो।
- कोने मे लटकते लैंप के नीचे बैठने की व्यवस्था नहीं की जा सकती, इसलिए इस स्थान को खूबसूरत पौधों से जीवंत बनाएं। लंबे लैम्प के आगे मध्यम ऊंचाई के पौधे स्टूल पर रखें। लैम्प के पास कम ऊंचाई के पौधों से भी सजावट की जा सकती है।
- दो सोफों के मध्य भी पौधा रख सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे बैठकर बात करने वालों को अड़चन न आए।
- टेलीफोन की रैक के नीचे या बगल में भी पौधा रखा जा सकता है। ध्यान रखें कि बगल में रखा पौधा टेलीफोन तक पहुंचने में रूकावट न बने।
- सजावटी पौधे टीवी के पास या शयन कक्ष के उपेक्षित कोनों में भी रखे जा सकते हैं। भोजन या कक्ष या स्नानघर में लगे वॉशबेसिन के निकट पौधा रखने से वहां की सुंदरता बढ़ जाती है।
- छोटे गमलों में लगाए गए पौधे रसोइघर की खिड़की या स्लैब पर भी सजाए जा सकते हैं।
- कमरे के आकार को ध्यान में रखकर ही पौधों की संख्या निश्चित करें। कांटेदार पौधों को बच्चों व पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें। विशेष अवसरों पर गमले के चारों ओर सीपी और शंखों को छितराकर उन्हें अधिक आकर्षक बनाएं।
- घर के अंदर रखे जाने वाले पौधों में पानी कम दें, क्योंकि अधिक पानी देने से कमरे में नमी बढ़ेगी, जिससे स्वस्थ पर बुरा असर पड़ सकता है।
- पौधों को गोबर की खाद देने से पहले खाद के ढेलों को तोड़कर या बारीक करके डालें। संभव हो सके, तो गमलों में खाद छानकर ही डालें।

# घरेलू फेस पैक बढ़ाए सौंदर्य

- एक बड़े चम्मच भर दूध में पिसी हल्दी मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और चेहरे पर लगाएं। यह लेप चेहरे का रंग साफ करता है और त्वचा को कांतिपूर्ण रखता है।
- जायफल को दूध में घिसकर चेहरे पर लगाने से कील-मुंहासे और झाईयां दूर होकर चेहरा साफ हो जाता है।
- चावल का आटा दूध में घोलकर चेहरे पर गाढ़ा लेप करें।
- चेहरे पर दो चम्मच बेसन, एक चम्मच दही व चुटकी भर हल्दी का लेप करें।
- गाय के दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें।
- मसूर की दाल दो चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।
- आक के पत्तों को पीसकर दूध और पिसी हल्दी मिलाकर इस लेप को चेहरे के काले दाग-धब्बों, झाईयों, कील-मुंहासों पर लगाएं।
- संतरे के सूखे छिलकों का चूर्ण, थोड़ा सा दही, चुटकी भर हल्दी, नींबू के रस की 5-6 बूंदें मिलाकर लेप करें।
- गुलाब के फूल की पंखुड़ियां दूध के साथ पीसकर लेप करें।
- ये सभी गुणकारी उपाय त्वचा को स्वस्थ, निरोगी, उज्ज्वल और चमकीला बनाते हैं व त्वचा को साफ रंग प्रदान करने वाले हैं।

# अच्छे सौंदर्य की मालकिन बनें

- चेहरे की रंगत निखारने के लिए और बालों को छुपाने के लिए 15 दिन के अंतराल पर ब्लीचिंग करवाएं। ब्लीच कराने से बालों का रंग त्वचा के रंग के अनुरूप हो जाएगा।
- अपने हाथों पर सुबह और रात के समय हैंड बाडी लोशन लगाएं। घरेलू कार्य करने के बाद हाथों पर क्रीम अवश्य लगाएं। सप्ताह में एक बार मेनीक्योर कराएं या घर पर स्वयं भी कर सकती हैं।
- चमकदार और मुलायम केशों के लिए केशों को धोने से पूर्व कुनकुने तेल से मालिश जरूर करें। केशों को सौम्य शैम्पू से ही साफ करें। शैंपू के पश्चात् कंडीशनिंग भी अवश्य करें। कंडीशनर के रूप में आप नींबू का रस, चाय की पत्ती, अंडे, हिना का प्रयोग कर सकती हैं।
- ब्लैक हैड्स से सुरक्षा पाने के लिए त्वचा को अच्छी तरह साफ करें ताकि रोमकूपों में जमी गंदगी समाप्त हो जाए।
- ब्लैकहैड्स को साफ करने के लिए सप्ताह में एक बार 5 मिनट तक भाप लें। इससे रोमकूपों में जमे ब्लैकहैड्स बाहर आ जाएंगे और आप ब्लैकहैड्स रिमूवर से इन्हे साफ कर लें।
- त्वचा को मुलाम बनाए रखने के लिए सप्ताह में एक बार स्नान से पहले संपूर्ण शरीर पर बाडी आयल या लोशन से त्वचा की मसाज करें। इससे त्वचा की सौम्यता व प्राकृतिक नमी बनी रहेगी।
- चेहरे पर कोई भी उबटन, क्रीम या मेकअप लगाएं तो उसे गर्दन पर भी जरूर लगाएं अन्यथा चेहरे और गर्दन के रंग में फर्क नजर आएगा।
- नहाते समय लंबे हैंडल वाले ब्रश या तौलिए से पीठ को रगड़ें। इससे पीठ की मृत त्वचा साफ होगी और त्वचा के रोमछिद्र खुलेंगे।

# बच्चों के कमरे का ऐसे रखें ध्यान

**प्राचीन** भारतीय संस्कुति एवं परंपरा में रोजमर्रा के जीवन की दैनिक, व्यावहारिक एवं अलिखित आचार संहिता के एक भाग को 'विचार' कहा गया है। कहा जाता है कि हर छोटी-बड़ी क्रिया का संबंध हमारी सुख-समृद्धि, शांति, विकास, स्वास्थ्य एवं सामाजिक मर्यादाओं से होता हैं। यहां हम उन विचारों के कुछ प्रमुख बिंदु प्रस्तुत करने जा रहे हैं, जिनको आज विश्व की ज्यादातर संस्कृतियों ने वास्तु, फेंगशुई, शमन-कल्चर, जियोमेंसी या ऐसे ही अन्य नाम से अपने जीवन में काफी महत्व दिया हैं। हालांकि ये सभी विचार आदि काल से ही मानव सभ्यता का अंग रहे हैं, लेकिन कालांतर में जीवन की गति, व्यस्तता, आधुनिकता आदि के कोहरे में धुंधला गए थे, लेकिन आज जब हम अपने जीवन के सभी सुखों के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने लगे हैं, तो इसकी जरूरत और ज्यादा हो गई है।

**विचारों की इस श्रृंखला में सबसे पहले बच्चों का कमरा :-**

- बच्चों के कमरे में रोजना की जरूरत की कुछ ऐसी चीजें जैसे-कम्प्यूटर, किताबें, स्कूल बैग, पढ़ने की कुर्सी, मेज, अल्मारी आदि होती हैं, जिनके रख-रखाव पर पूरा ध्यान देना चाहिए।
- बच्चे के टेबल पर या ड्रावर में पुराने टूटे-फूटे पेन, खिलौने, दर्पण, कटे-फटे कागज या बेकार सामान, कूड़ा-कबाड़ आदि एकत्र न करे।
- स्कूल बैग व किताबों को थोड़ी ऊंचाई पर इस तरह से रखें कि चलते-फिरते, पढ़ते या उठते-बैठते समय वे पांवों से न टकराएं। इससे विद्या की देवी 'सरस्वती' का अपमान होता है और उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- बच्चे अपने अध्ययन या कोर्स के अंतर्गत यदि कम्प्यूटर का प्रयोग करते है, तो इसे सदैव पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके प्रयोग करना चाहिए।
- यदि बच्चों का पलंग या बिस्तर भी इसी कमरे में हो, तो कम्प्यूटर की स्क्रीन को सोने से पूर्व एक कवर या कपड़े से ढंक देना चाहिए।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

## काकुरो पहेली - 1981

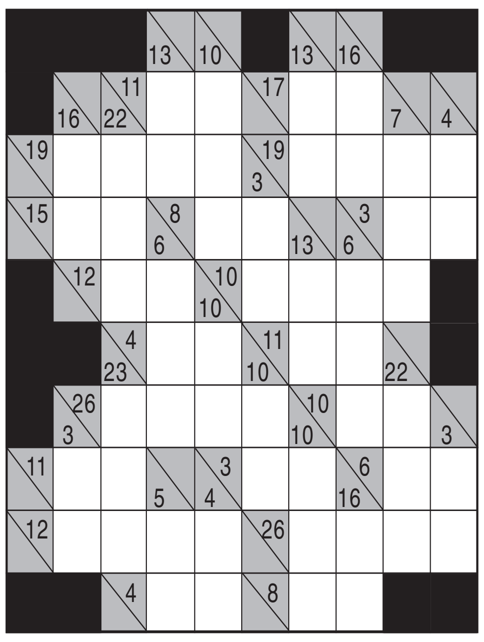

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

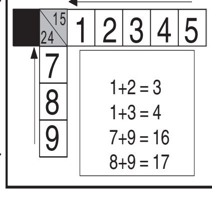

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

### काकुरो - 1980 का हल

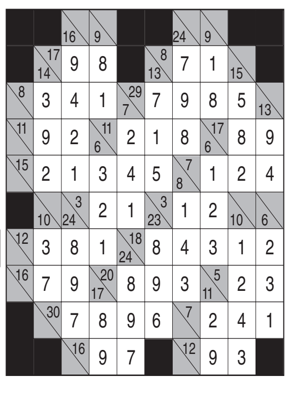

## हंसी के फूव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था. अचानक उसे कांटा चुभ गया. वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि 'जनाब ये आपका मकान कैसा है ? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा- 'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं ?'

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते. छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी. एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दीं, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा-जरा इसे भी साफ कर दो.

जज जेबकतरे से-अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया ?

जेबकतरे ने जवाब दिया-सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को राजी-रोटी का सहारा मिला है.

## फिल्म वर्ग पहेली- 1981

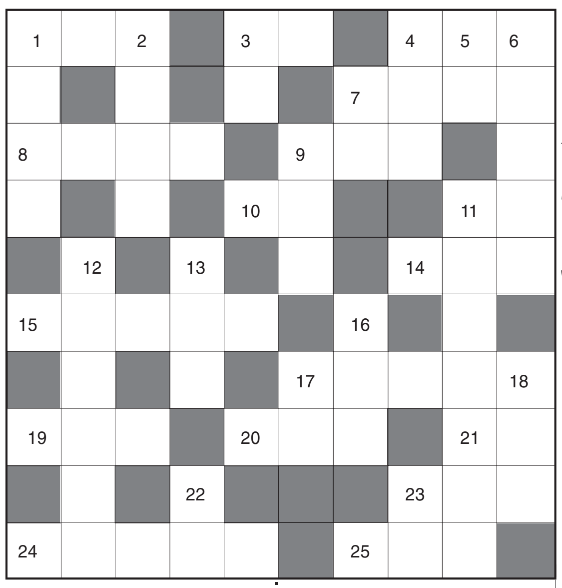

**बायें से दायें:-**

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 1980

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वि | वा | ह | | इ | श्क | वि | श्क | | टा |
| द्या | | मे | | श्क | | धा | | फ | र्ज |
| बा | द | शा | ह | | शै | ता | न | | न |
| ल | | | सी | मा | | | का | ल | |
| न | ज | रा | ना | | श | बा | ब | | सं |
| | मी | ना | | ना | रा | ज | | दा | ता |
| आ | न | | का | | बी | | ना | दा | न |
| शि | | जो | शी | ले | | फि | जा | | |
| क | शि | श | | कि | ला | | य | हू | दी |
| | वा | | डॉ | न | | आ | ज | | पा |

## सूडोकु -1981

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | | 4 | 3 | 9 | 7 | 5 | | 6 |
| 3 | | | | | 2 | | | |
| | | 7 | 6 | 5 | | | | 4 |
| 9 | 6 | | 5 | | | 1 | | 7 |
| 5 | | 1 | 4 | | 9 | 8 | | 2 |
| 4 | | 8 | | | | | 5 | 3 |
| 2 | | | | 6 | 1 | 4 | | |
| | | | 7 | | | | | 8 |
| 7 | | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -1980 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 4 | 9 | 5 | 2 | 6 | 1 | 3 |
| 9 | 6 | 2 | 4 | 3 | 1 | 8 | 5 | 7 |
| 1 | 3 | 5 | 7 | 8 | 6 | 2 | 4 | 9 |
| 4 | 2 | 3 | 6 | 1 | 5 | 9 | 7 | 8 |
| 8 | 5 | 9 | 2 | 4 | 7 | 1 | 3 | 6 |
| 6 | 7 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 3 | 1 | 7 | 8 | 6 | 4 | 5 | 9 | 2 |
| 5 | 9 | 6 | 1 | 2 | 3 | 7 | 8 | 4 |
| 2 | 4 | 8 | 5 | 7 | 9 | 3 | 6 | 1 |

## शब्द पहेली - 1981

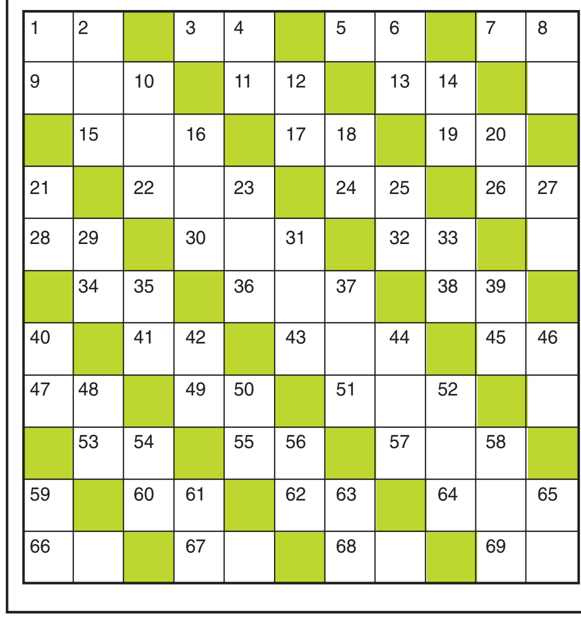

**बाएँ से दाएँ**

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी -2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

**ऊपर से नीचे**

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

### शब्द पहेली - 1980 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | य | ती | म | खा | ना | | म | हा | वी | र |
| क | क्ष | | हा | | ना | ह | क | | र | म |
| हा | | ना | न | सें | स | | र | मा | | जा |
| नी | र | व | ता | | सु | र | | न | म | न |
| का | | खे | | अ | र | क्त | | | सी | |
| र | वा | ना | हो | ना | | पा | ल | न | हा | र |
| | ह | | | चा | ह | त | | का | | च |
| का | न | न | | र | म | | ब | र | सा | ना |
| म | | र | ज | | स | का | र | ना | | का |
| धा | र | | खि | ला | फ | | स | | भो | र |
| म | स | ख | रा | | र | म | ता | जो | गी | |

## भाजपा विधायक ने शाह को लिखा पत्र, त्रिपक्षीय बैठक बुलाने की मांग

एजेंसी

**कोलकाता।** उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग से भाजपा विधायक नीरज तमांग ज़िम्बा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर त्रिपक्षीय बैठक बुलाने की मांग की है, ताकि पहाड़ी क्षेत्र की समस्याओं का स्थायी राजनीतिक समाधान खोजा जा सके। नीरज तमांग ज़िम्बा ने देर शाम लिखे पत्र में इस बात पर चिंता जताई कि दार्जिलिंग लोकसभा सीट से भाजपा सांसद राजू बिष्ट ने जनवरी 2025 में त्रिपक्षीय बैठक बुलाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई संकेत नहीं मिला है।ज़िम्बा ने पत्र में लिखा, जनवरी बीत चुका है और फरवरी शुरू हो गया है, लेकिन इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गृह मंत्रालय की चुप्पी लोगों के बीच असहजता और बेचैनी पैदा कर रही है। वे न्याय, समाधान और निष्कर्ष की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक संवाद लोकतंत्र की सबसे पवित्र प्रक्रिया है, और इसी उम्मीद से गोरखा समुदाय के लोगों को आशा जगी थी। उन्होंने लिखा है, इस वादे में देरी और इसे निभाने में हो रही अनिच्छा न केवल भारतीय गोरखाओं के लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करती है, बल्कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की इस मुद्दे को संवैधानिक दायरे में हल करने की ईमानदारी पर भी सवाल खड़ा करती है।

## जिलाधिकारी और अपर पुलिस कमिश्नर ने गिरजाघर और गोदौलिया चौराहे का किया निरीक्षण

**वाराणसी।** महाकुंभ गंगा स्नान कर बाबा काशी विश्वनाथ धाम मंदिर में दर्शन करने पहुँचे और दर्शन कर लौटे श्रद्धालुओं/दर्शनार्थियों के सुगम दर्शन,सुचारू आवागमन व भीड़ नियंत्रण को लेकर जिलाधिकारी एस. राजलिंगम और अपर पुलिस कमिश्नर डॉ एस चिनप्पा ने गिरजाघर और गोदौलिया चौराहे का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। भीड़ नियंत्रण व सुचारू आवागमन के मद्देनजर जिलाधिकारी और अपर पुलिस कमिश्नर ने गिरजाघर और गोदौलिया चौराहे का किया निरीक्षणभीड़ नियंत्रण व सुचारू आवागमन के मद्देनजर जिलाधिकारी और अपर पुलिस कमिश्नर ने गिरजाघर और गोदौलिया चौराहे का किया निरीक्षण जिलाधिकारी और अपर पुलिस कमिश्नर गिरजाघर गोदौलिया चौराहे से पैदल चलते हुए ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को निर्देश देते रहे और लोगों से भी आवश्यक सहयोग करने व कतारबद्ध होकर चलने की अपील करते रहे। मौके पर पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## काशी में फिर उमड़ी आस्था की भीड़, गंगा आरती देखने पहुंचे लाखों श्रद्धालु

**वाराणसी।** महाकुंभ के पलट प्रवाह के बीच शहर में अचानक से बढ़ गई। बसंत पंचमी के स्नान के बाद यह पहला मौका है, जब इतनी भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े हैं। इसी बीच गंगा आरती में भी एक साथ लाखों की भीड़ पहुंची। काशी में फिर उमड़ी आस्था की भीड़, गंगा आरती देखने पहुंचे लाखों श्रद्धालु, घाटों पर पांव रखने की जगह नहीं इससे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि ने श्रद्धालुओं से भीड़ के मद्देनजर गंगा आरती में न आने की अपील की थी।

लेकिन इतनी भीड़ नजर आई कि संभालना मुश्किल हो गया था। घाटों पर पांव रखने की जगह नहीं बची। काशी में फिर उमड़ी आस्था की भीड़, गंगा आरती देखने पहुंचे लाखों श्रद्धालु, घाटों पर पांव रखने की जगह नहीं काशी में एक सप्ताह से कंट्रोल की गई भीड़ अचानक से बढ़ने लगी। लगभग 25 लाख श्रद्धालु गंगा स्नान और बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे थे। अब शुक्रवार से काशी में नागा साधुओं की भीड़ उमड़ने वाली है, जो प्रयागराज में स्नान करके काशी में आस्था की डुबकी लगाने आएंगे।

## इनामी नक्सली दंपति ने किया मोहला-मानपुर में किया आत्मसमर्पण

**रायपुर।** नक्सली संगठन में प्रेस कमांडर की भूमिका निभाने वाले माओवादी नक्सली दंपत्ति पवन तुलावी और उसकी पत्नि वायके ओयाम ने आज आईटीबीपी और मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी की पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पित दोनों नक्सलियों पर पांच-पांच लाख रुपयों का इनाम घोषित था। मोहला-मानपुर के पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह ने आज पत्रकारों को उक्त जानकारी दी। यशपाल सिंह ने बताया कि पवन तुलावी माड एरिया के प्रेस टीम का कमांडर था। पवन तुलावी मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी के मदनवाड़ा थाना इलाके के दोरदे गांव का रहने वाला है। जबकि तुलावी की पत्नी बीजापुर के भैरमगढ़ की रहने वाली है। फोर्स के बढ़ते दबाव के चलते दोनों ने आत्मसमर्पण किया है। दोनों नक्सली पिछले 15-16 सालों से नक्सली संगठन में सक्रिय थे। 37 वर्षीय मलिंग वामपंथी उग्रवाद समूह के प्रेस इकाई का काम देखता है। पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी कि तुलावी ऊर्फ मलिंग साल 2008 से माओवादी संगठन से जुड़ा रहा है। नक्सली कमांडर तुलावी साल 2013 से लेकर 2019 के बीच में माड़ डिवीजन यानि अबूझमाड़ में शिक्षक के रुप में कार्य किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक तुलावी को 2016 में माओवादियों के क्षेत्र समिति सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया।

# मध्य प्रदेश को जल्द मिलेगा एक नया टाइगर रिजर्व : मोहन यादव

एजेंसी

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश को जल्द ही एक नया टाइगर रिजर्व मिलने वाला है। माधव टाइगर अभ्यारण्य जल्द ही राज्य का नौवां टाइगर रिजर्व बनेगा। इसके लिए केंद्र सरकार की स्वीकृति मिल गई है। नए टाइगर रिजर्व की अधिसूचना कभी भी जारी हो सकती है। इसके लिए औपचारिकताएं पूरी करने की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। माधव टाइगर अभ्यारण्य के टाइगर रिजर्व बनने से चंबल अंचल में वन्य जीवों की संख्या बड़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि मध्य प्रदेश वन्य जीवन संरक्षण में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कूनो में वीरा के दो नए शावकों को मिलाकर कुल 26 चीते हो गये हैं। इन चीतों की मॉनिटरिंग के लिये दो दल गठित किए गए हैं। कूनो क्षेत्र में पांच चीते छोड़े गए, इनमें से

तीन का जन्म तो प्रदेश में ही हुआ है। इस प्रकार अब सात चीते स्वयं को मध्य प्रदेश की आबोहवा में ढाल रहे हैं। पहले छो? गए चीते न केवल शिकार कर रहे हैं, अपितु कुशलता से जंगल में विचरण कर रहे हैं। प्रकृति, जीव जगत और मानव जीवन के संतुलन की यह अनमोल झलक राज्य में दिखाई दे रही है। सभी लोग इस आनंद और रोमांच का अनुभव कर रहे हैं। यह वन्य जीवों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह इस बात का प्रमाण है कि मध्य प्रदेश में वन्यजीवों के लिए सबसे अनुकूल वातावरण है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में फिलहाल आठ टाइगर रिजर्व हैं। इनमें संजय दुबरी टाइगर रिजर्व, नौरादेही टाइगर रिजर्व, पन्ना टाइगर रिजर्व, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पेंच टाइगर रिजर्व, कान्हा टाइगर रिजर्व और रातापानी टाइगर रिजर्व शामिल हैं। इनमें रातापानी को हाल ही में आठवां टाइगर रिजर्व घोषित किया है। अब माधव नेशनल पार्क के टाइगर रिजर्व बनने से यह संख्या बढ़कर नौ हो जाएगी, जो प्रदेश में बाघों की बढ़ती संख्या और संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मध्य प्रदेश में 2022 की बाघों की जनगणना के अनुसार 785 बाघ हैं। साल 2018 में यह संख्या 526 थी, जो 2022 में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 785 हो गई थी। इसी के साथ मध्य प्रदेश ने टाइगर स्टेट का तमगा भी पुनः हासिल कर लिया था।

## तिब्बत की प्रकृति, संस्कृति व स्वभाव को नष्ट कर रहा चीनः आलोक कुमार

एजेंसी

**महाकुंभ नगर।** प्रयागराज की धरती संगम क्षेत्र में आयोजित बौद्ध महाकुंभ यात्रा में आए सभी बौद्ध भिक्षुओं का स्वागत करते हुएविश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि तिब्बत भारत का शीश है।

चीन तिब्बत की प्रकृति, संस्कृति व स्वभाव को नष्ट कर रहा है। तिब्बत की स्वायत्तता को बनाए रखने के लिए विश्व के जनमत को काम करना होगा। उन्होंने कहा कि तत्कालीन भारत सरकार ने यदि चीन का विरोध किया होता तो आज तिब्बत चीन के कब्जे में नहीं होता। आलोक कुमार ने कहा कि हमारी परंपरा में समानता के बिंदु हैं। तथागत बुद्ध ने जात-पात व छोटे-बड़े की धारणा को तोड़ा। भारत को समरसता प्राप्त करनी है, सबमें ईश्वरत्व का दर्शन करना है तो हमें बुद्ध के जीवन का अनुकरण करना होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने बौद्ध महाकुंभ यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि तिब्बत स्वतंत्र होगा तो कैलाश मानसरोवर अपने आप मुक्त होगा। भारत की सुरक्षा की गारंटी होगी। उन्होंने कहा कि भारत में जन्में धर्म और पंथ में जो शांति व तेज है वह विश्व में कहीं नहीं है। प्रत्येक कुंभ में हम मिलेंगे तो मानवता को संदेश देने में सुविधा होगी। इंद्रेश कुमार ने कहा कि बौद्ध सनातन एकता में किसी प्रकार का शक नहीं होना चाहिए। हम अपने यश के लिए काम करेंगे। छुआछूत का दंश अब भी जिंदा है, मन-बुद्धि-कर्म और आचरण से इसे निकालना है।

## मप्र के शिवपुरी में वायुसेना का फाइटर प्लेन क्रैश, दोनों पायलट सुरक्षित, वायुसेना ने दिए जांच के आदेश

एजेंसी

**शिवपुरी।** मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में भारतीय वायुसेना का एक फाइटर प्लेन मिराज-2000 क्रैश हो गया है। आसमान में उड़ते हुए फाइटर प्लेन अचानक खेत में गिरा और उसमें आग लग गई। प्लेन में दो पायलट थे। हादसे से पहले दोनों पायलटों ने खुद को इजेक्ट कर लिया था। दोनों ही सुरक्षित हैं। यह ट्विन सीटर मिराज-2000 था। घटना की जानकारी मिलते ही वायुसेना की टीम हेलिकॉप्टर से मौके पर पहुंची और दोनों पायलटों को ग्वालियर लेकर रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि तीन फाइटर प्लेन ने ग्वालियर से नियमित प्रशिक्षण उड़ान भरी थी। इनमें से दो प्लेन सुरक्षित लौट गए, जबकि एक क्रैश हो गया। वायुसेना ने हादसे की शुरुआती वजह सिस्टम में खराबी बताते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

शिवपुरी जिले के नरवर तहसील अंतर्गत ग्राम बहरेटा सानी में आज दोपहर बाद 2.40 बजे वायुसेना का एक फाइटर प्लेन मिराज-2000 क्रैश होकर किसानों के खेत में जा गिरा और उसमें आग लग गई, जिससे प्लेन जलकर खाक हो गया है। धुआं दिखते ही गांव के लोग मौके की तरफ भागने लगे। देखते ही देखते पायलटों ने खुद को इजेक्ट कर लिया था। दोनों ही सुरक्षित हैं। घटना की जानकारी पर एयरफोर्स की टीम हेलिकॉप्टर से मौके पर पहुंची और दोनों पायलटों को ग्वालियर लेकर

घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हालांकि, प्लेन में सवार दोनों पायलट पूरी तरह से सुरक्षित हैं। घटना के बाद घायल पायलट की तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें वह मोबाइल पर किसी से बात करते दिख रहे हैं।करैरा थाना प्रभारी विनोद छावई ने बताया कि फाइटर प्लेन में दो पायलट थे। हादसे से पहले दोनों रवाना हो गई। एडिशनल एसपी संजीव मुले ने बताया कि करीब ढाई बजे ग्रामीणों ने प्लेन क्रैश की सूचना दी। ग्वालियर एयरफोर्स का प्लेन है, जिसमें दो पायलट हैं, दोनों को मामूली चोटें हैं। हादसे में किसी ग्रामीण को चोट नहीं पहुंची है। घायल पायलटों को हेलिकॉप्टर से ग्वालियर ले जाया गया है।

## विश्व पुस्तक मेले में साहित्य अकादमी की दो पुस्तकों का लोकार्पण

एजेंसी

**नई दिल्ली।** विश्व पुस्तक मेले में साहित्य अकादमी के मंच पर दो पुस्तकों का लोकार्पण प्रख्यात अंग्रेजी लेखक अनीस उर रहमान ने किया। पहली पुस्तक 'रॉबर्ट बर्न्सः 20 कालजयी कविताएं' का अनुवाद अंजु रंजन ने किया है। दूसरी पुस्तक सुषम बेदी की कहानियों का अनुवाद 'ए प्लेस कॉल्ड होम' का संपादन रेखा सेठी और हिना नंद्राजोग ने किया है। दिल्ली के भारत मंडपम में 01 फरवरी से शुरू हुआ विश्व पुस्तक मेला 09 फरवरी तक चलेगा।

कार्यक्रम के आरंभ में सभी का स्वागत साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने अंगवस्त्रम प्रदान करके किया। इस अवसर पर रॉबर्ट बर्न्स की कविताओं की अनुवादिका अंजु रंजन ने कहा कि रॉबर्ट बर्न्स स्कॉटलैंड के राष्ट्रीय कवि थे और उनकी कविताएं हिंदी में पहली बार अनूदित होकर सामने आई हैं। वहां के प्रवास के दौरान मुझे उन्हें बेहतर तरीके से जानने और समझने का अवसर मिला। मैंने कवि के जन्मस्थल के साथ ही उनकी स्मृति में बने संग्रहालय का भी दौरा किया। इस संग्रह में उनकी 20 कालजयी कविताएं शामिल हैं। इन कविताओं के सहारे 17वीं शताब्दी के

स्कॉटलैंड के समाज को अच्छी तरह से समझा जा सकता है। दूसरी पुस्तक 'ए प्लेस कॉल्ड होम' की संपादक रेखा सेठी ने कहा कि अनुवाद एक सामूहिक कार्य होता है जिसे हमने बखूबी इस पुस्तक के अनुवाद के लिए हुई कार्यशाला में महसूस किया। हम सभी इस प्रक्रिया में हुए अनुभवों से काफी समृद्ध हुए। सहयोगी संपादक हिना नंद्राजोग ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर सुषम बेदी के पति राहुल बेदी भी उपस्थित थे।अंत में अनीस उर रहमान ने साहित्य अकादमी को इन दो रचनाकारों के अनुवाद उपलब्ध कराने के लिए बधाई देते हुए कहा कि इसके सहारे हम दो देशों की संस्कृति को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे और नए समाज तक पहुंच बना सकेंगे। उन्होंने अनुवाद को सामूहिक प्रक्रिया मानते हुए कहा कि इससे सभी भाषाएं और उनकी संस्कृति समृद्ध होती हैं।

## उत्तराखंड को नशामुक्त बनाने और इसे देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में कार्य करें : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

**देहरादून।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पैतृक गांव पंचुर के भ्रमण के दौरान सिद्धपीठ महादेव मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, विथ्याणी में 'गौरक्ष पत्रिका'का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरित किए और गोविंद बल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर के स्टॉलों का अवलोकन भी किया। यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनके गुरु महंत अवैद्यनाथ और पूजनीय पिताजी ने इस महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय विथ्याणी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने भारत में खाद्यान्न संकट की स्थिति का

उल्लेख करते हुए कहा कि पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय ने हरित क्रांति की शुरुआत कर देश को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने में अहम योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत की जनसंख्या लगभग 140 करोड़ है, जिसमें 80 करोड़ लोगों को सरकार पिछले पांच वर्षों से मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तराखंड में डेयरी और पशुपालन की अपार संभावनाओं पर जोर देते हुए कहा कि बकरी का दूध अत्यधिक गुणकारी होता है और कई रोगों के उपचार में सहायक है।उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और कृषि व पशुपालन को ब?ावा देकर आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सकती है, जिससे पलायन को रोका जा सकेगा। उन्होंने बताया कि मेले के माध्यम से स्थानीय लोगों को बकरी व कुक्कुट वितरण किया जा रहा है। उन्होंने उत्तराखंड को भारत का मुकुट मणि बताते हुए कहा कि यह राज्य राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रदेश को नशामुक्त बनाने और इसे देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में कार्य करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात भी की। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, डॉ. धन सिंह रावत, स्थानीय विधायक रेनू बिष्ट, कुलपति गोविंद बल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय पतनगर मनमोहन सिंह चौहान, निदेशक राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान केंद्र करनाल धीर सिंह, संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा एके उनियाल, सचिव बिपिन रावत वार मेमोरियल संस्था मनजीत नेगी, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, विथ्याणी महाविद्यालय प्राचार्य योगेश कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

## सीमाओं के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उड़ान भरेंगे नागरिक उड्डयन के हेलीकॉप्टर

एजेंसी

देहरादून। सूर्या कमान ने हिमाचल, गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्रों की दूर-दराज की अग्रिम चौकियों के हवाई रखरखाव के लिए नागरिक उड्डयन हेलीकॉप्टरों को एकीकृत कर एक नया मील का पत्थर हासिल किया है। थंबी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ विमानन अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद गुरुवार से हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू हो गई हैं।

लेफ्टिनेंट कर्नल (जनसंपर्क अधिकारी, रक्षा) मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि भारतीय सेना सीमाओं पर सतत निगरानी बनाए रखने के लिए अत्यधिक खराब मौसम में भी दुर्गम इलाकों में कार्य कर रही है। कई अग्रिम चौकियों को अब भी सड़क मार्ग से जोड़े जाने का कार्य प्रगति पर है। ऐसे क्षेत्रों में सेना और वायुसेना के वायु संसाधनों के माध्यम से रसद पहुंचाई जाती है। विमानन प्रयासों के विस्तार से लॉजिस्टिक्स स्टॉक के समय पर निर्माण के साथ-साथ दूर-दराज के स्थानों में निर्माण सामग्री की डिलीवरी की सुविधा मिलेगी, जिससे लॉजिस्टिक्स दक्षता और महत्वपूर्ण

बुनियादी ढांचे के शीघ्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। यह पहल अभिन्न संसाधनों के अनुकूलन में भी काफी मदद करेगी जिससे बेहतर मिशन और परिचालन तत्परता हासिल की जा सकेगी।

# महाकुम्भ की भव्यता देख योगी के कायल हुए गोवा के सीएम, विशेष ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

**पणजी/महाकुम्भनगर।** तीर्थराज प्रयागराज में महाकुम्भ-2025 का आयोजन हर दिन के साथ दिव्यता व भव्यता के नए सोपानों की ओर अग्रसर है। इस दिव्यता और भव्यता का साक्षी बनने पूरी दुनिया से लोग आ रहे हैं। इसी क्रम में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने राज्य सरकार की 'मुख्यमंत्री देव दर्शन यात्रा योजना' के तहत पहली तीर्थयात्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रयागराज के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने महाकुम्भ में हुई व्यवस्थाओं को लेकर जमकर सराहा। उन्होंने कहा

कि महाकुम्भ 2025 विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित आध्यात्मिक आयोजन है। 40 करोड़ से अधिक लोग इसमें भाग ले रहे हैं, और इतने बड़े आयोजन की व्यवस्थाएं करना निश्चित रूप से एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। योगी आदित्यनाथ जी ने इसे सफल बनाने के लिए शानदार व्यवस्थाएं की हैं। हम गोवा के तीर्थयात्रियों को इस पवित्र आयोजन में शामिल होने का अवसर प्रदान कर गर्व महसूस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विरासत भी, विकास भी' विजन की सराहना करते हुए कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए देश के विकास के लिए भी कार्य करना है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। हमें आने वाली पीढ़ियों को हमारी विरासत से परिचित कराते हुए विकसित भारतञ्च2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा। उल्लेखनीय है कि कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से संचालित यह विशेष ट्रेन महाकुम्भ 2025 के लिए तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए निर्धारित तीन ट्रेनों में से पहली है। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के साथ समाज कल्याण मंत्री सुभाष फलदेसाई, गोवा भाजपा अध्यक्ष दामू नाइक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

महाकुम्भ 2025 के लिए तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए दो अतिरिक्त विशेष ट्रेनें 13 फरवरी और 21 फरवरी 2025 को मडगांव रेलवे स्टेशन से सुबह 8 बजे रवाना होंगी।

## जनजाति समाज से समरस हुए बिना महाकुंभ पूरा नहीं होगाः स्वामी अवधेशानन्द गिरि

एजेंसी

**महाकुम्भनगर।** जैसे आप सभी जनजाति बंधु अपनी रूढी, परंपरा, संस्कृति लेकर सहजभाव से महाकुंभ में आए हैं वैसी ही निर्मलता और सादगीपूर्ण वन जीवन का अनुभव करने हेतु सभी संतों को बार-बार वनांचल में जाना होगा, क्योंकि जनजाति समाज से समरसता के बिना सनातन संस्कृति का यह महाकुंभ पूरा नहीं होगा। यह विचार जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने वनवासी युवा कुंभ को संबोधित करते हुए कही। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में आयोजित युवा कुंभ में स्वामी जी ने आगे कहा कि हम सभी संत और जो आरण्यक संस्कृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं उन्होंने बार-बार वनांचल में जाकर आपके साथ घुल

मिलकर, संवाद से साथ साथ भोजन करना होगा क्योंकि हम एक ही सनातन परंपरा के अभिन्न घटक है। इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय के राज्यमंत्री दुर्गादास ऊईके ने कहा कि पर्दे के पीछे से कार्यरत असामाजिक शक्तियां जनजाति समाज को बहला फुसलाकर सभी मायने में बदलने का प्रयास विमर्श और सोशल मीडिया इस वर्तमान हत्यारों से कर रही हैं। इसके खिलाफ आप जैसे युवाओं ने पहल करनी चाहिए। उनके शस्त्र से उनका मुकाबला करना चाहिए क्योंकि इतिहास गवाह है जब-जब युवाओं ने संघर्ष की बागडोर संभाली है तब तब परिवर्तन हुआ है। इसलिए परिवर्तनशील युवा वनांचल में भी परिवर्तन करेगा यह संदेश यहां से आप लेकर जाएं।

## दुनिया की आधी से अधिक यात्रा पूरी करने पर नौसेना प्रमुख ने तारिणी टीम से की वर्चुअल वार्ता

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आईएनएसवी तारिणी से दुनिया की परिक्रमा करने निकलीं नौसेना की दो महिला अधिकारियों ने अब आधी से अधिक यात्रा पूरी कर ली है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने टीम तारिणी से वर्चुअली बातचीत करके अब तक की उनकी प्रगति पर संतोष जताया। टीम तारिणी ने 50 डिग्री दक्षिणी अक्षांश को पार कर लिया है और अब आगे की यात्रा के लिए नौकायन कर रही है। नौकायन पोत तारिणी से नौसेना की दो साहसी महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए पिछले साल 02 अक्टूबर को इस चुनौतीपूर्ण अभियान पर गोवा से रवाना हुई थीं। आठ महीने की अवधि में दोनों महिलाएं बिना किसी बाहरी सहायता के केवल पवन ऊर्जा पर निर्भर करते हुए 21,600 समुद्री मील की यात्रा करने निकली हैं। गोवा से रवाना होने के बाद से 12 हजार से अधिक समुद्री मील की यात्रा करके परिक्रमा अभियान का आधा से अधिक हिस्सा पूरा कर लिया है।

टीम तारिणी ने 04 जनवरी को न्यूजीलैंड के लिटलटन से प्रस्थान किया और इस तीसरे चरण में उन्होंने बहुत अधिक कठिन समुद्रों और दो तूफानों को पार किया है। टीम ने पृथ्वी ग्रह पर सबसे दूरस्थ स्थान प्वाइंट निमो को भी पार किया है। सीएनएस ने दोनों महिला नौसेना अधिकारियों से वार्ता के दौरान कहा कि आपके मुस्कुराते चेहरे आपकी दृढ़ता, दृढ़ संकल्प और कभी हार न मानने की भावना को दर्शाते हैं, जो आपको देखने वाले सभी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। भारतीय नौसेना और राष्ट्र को आप पर गर्व है।

## जैन मुनियों ने पूरे देश को एक करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया :गृह मंत्री

एजेंसी

**राजनांदगांव /रायपुर।** केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसग के राजनांदगांव में आचार्य विद्यासागर महाराज के प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित किया और श्री 1008 सिद्धचक्र विधान विश्व शांति महायज्ञ में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने आचार्य विद्यासागर की स्मृति में 100 रुपये का स्मारक सिक्का, डाक विभाग का 5 रुपये का विशेष लिफाफा, 108 चरण चिन्हों व चित्र का लोकार्पण और प्रस्तावित समाधि स्मारक 'विद्यायतन' का शिलान्यास किया। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि जैन मुनियों ने पूरे देश को एक करने में अपना

महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के हस्तिनापुर से लेकर कर्नाटक के श्रवणबेलगोला तक, बिहार के राजगीर से लेकर गुजरात के गिरनार तक हर जगह पैदल घूम कर अपने कर्मों से अपने त्याग का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आचार्य जी ने हमें सिखाया कि हमारी पहचान हमारी संस्कृति में निहित है। आचार्य विद्यासागर महाराज एक युग पुरुष थे, जिन्होंने एक नए विचार और नए युग का प्रवर्तन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आचार्य जी ने जीवन के अंतिम क्षण तक तपस्या का मार्ग नहीं छोड़ा। शाह ने कहा कि आचार्य जी ने न केवल जैन धर्म के अनुयायियों को बल्कि जैनेत्तर अनुयायियों को भी अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा से मोक्ष का मार्ग बताने का काम किया। अमित शाह ने कहा कि जी-20 सम्मेलन के निमंत्रण पत्र पर 'प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत' लिख कर, मोदी जी ने विद्यासागर जी के विचारों को जमीन पर उतारने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आचार्य जी के विचार को जरा भी राजनीति किए बगैर जमीन पर उतारा और उनके संदेश का अनुकरण करने का काम किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत की संत परंपरा बहुत समृद्ध है। उन्होंने कहा कि देश को जब जिस भूमिका की रूरत पड़ी, संत परंपरा ने उस भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि संतों ने ज्ञान का सृजन किया, देश को एकता के सूत्र में बाँधा और जब गुलामी का कालखंड था।

# प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग

# ऊटी

यदि आपको प्राकृतिक स्थानों की सैर करने में आनंद आता है तो ऊटी से अच्छी जगह आपके लिए कोई और नहीं। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको बांधकर रख लेती हैं।

## पहाड़ों की रानी ऊटी

नीलगिरी जिले की राजधानी है, इसे उद्गमंडल के नाम से भी जाना जाता है। नीलगिरी का अर्थ है- नीला पहाड़, शायद हरे-भरे पहाड़ों के कारण इसे यह नाम दिया गया है। यह समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर है।

जब आप कल्लार से कुनूर जाते हैं तो आपको रास्ते में पेड़-पौधों में तथा मौसम में आश्चर्यजनक बदलाव देखने को मिलता है। आपको कल्लार में गरम मौसम मिलेगा तो उससे आगे गरमी हल्की होती चली जाती है। कुनूर के पास चीड़, नीली गोंद, साइप्रस (सुरू) वृक्षों के कारण जलवायु में नमी महसूस होती है।

जैसे ही ऊटी से गुडलूर की तरफ बढ़ते हैं तो वनस्पतियों को देखकर आपके मन में हर्ष की हिलोरें उठने लगती हैं। यही है प्रकृति के सान्निध्य का आनंद! जलवायु और वनस्पति मिलकर एक खूबसूरत मंजर पेश करते हैं। यहां के चाय बागानों ने बहुत ख्याति पाई है। यहां हर वर्ष चाय और पर्यटन उत्सव में भारी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

## दोदाबेट्टा पीक

यह 2623 मीटर की ऊंचाई पर है। यह जिले का सबसे ऊंचा स्थान है, यहां से आप ऊटी के आसपास के क्षेत्र का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं। यह ऊटी से केवल 10 किलोमीटर दूर है।

## लैम्ब्स रॉक

यह कुनूर से केवल 9 किलोमीटर दूर है। यहां से आप कोयंबटूर के नजारों और आसपास के इलाकों के चाय बगानों के सुरम्य दृश्य देख सकते हैं। यहां का हर दृश्य फोटो खींचने लायक है तो यहां अपने भीतर छिपे फोटोग्राफर को बाहर निकालिए और जमकर फोटोग्राफी कीजिए।

## कोडानाडू व्यू पाइंट

यह नीलगिरी पर्वत श्रृंखला के पूर्वी छोर पर कोटागिरी से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। यहां से आप मोयार नदी और चाय के बागानों का मोहक दृश्य देख सकते हैं। यहां एक प्रेक्षण मीनार भी हैं, जहां से आप रंगास्वामी शिखर का नजारा देख सकते हैं।

## बोटनिकल गार्डन्स

जो लोग प्रकृति प्रेमी है, हरियाली देखने, घूमने-फिरने के शौकीन हैं और दुर्लभ फर्न और अन्य पौधे देखना पसंद करते हैं, उनके लिए इस उद्यान से बढ़ कर दूसरी कोई बेहतर जगह नहीं। लगभग 22 हेक्टेयर इलाके में फैले हुए शासकीय वनस्पति उद्यान 1847 में बनाए गए थे। इनमें पौधों और वृक्षों की सैकड़ों-हजारों प्रजातियां हैं। इनमें एक ऐसे वृक्ष का भी जीवाश्म है, जिसके बारे में विश्वास किया जाता है कि वह 2 करोड़ वर्षों से भी अधिक पुराना है। इन खूबसूरत उद्यानों का रखरखाव राज्य के बागवानी विभाग के हाथ में है।

## ऊटी झील

यहां नौका विहार कीजिए या मछली पकड़ने का शौक भी पूरा कर सकते हैं।

## मुदुमलाई वन्य प्राणी विहार

यह ऊटी से 67 किलोमीटर दूर है। अगर आप 1-2 दिन रुकते हैं, तो वन्य प्राणी विहार को देखना आपके लिए बहुत अच्छा अनुभव होगा। यहां बहुत से पेड़-पौधे और जीव-जंतु हैं। यहां इनकी दुर्लभ प्रजातियां हैं।

यहां हाथी, बड़ी गिलहरियां, सांभर, चीतल, भौंकनेवाले हिरण और उड़नेवाली गिलहरियां तो यूं ही देखने को मिल जाती हैं। इस अभयारण्य में किस्म-किस्म के पक्षियों को भी देखा जा सकता है। इनमें रंगबिरंगे तोते, काले कठफोड़वे, गरुड़ आदि शामिल हैं।

## कोटागिरी

यह ऊटी के पूर्व में 28 किलोमीटर दूर पर छोटा-सा गांव है, यह नीलगिरी के 3 हिल स्टेशन में से सबसे पुराना है। यहां का मौसम अन्य पर्वत स्थलों से कहीं अधिक खुशनुमा रहता है। यहां हैरत में डालनेवाले कई चाय बागान हैं। इसलिए ऊटी जाएं तो कोटागिरी की सैर के लिए जाना न भूलें।

## कालहट्टी वॉटरफॉल्स

कालहट्टी की ढलानों पर खूबसूरत रमणीक कालहट्टी जलप्रताप लगभग 100 फुट ऊंचा है। जो शहर से लगभग 13 किलोमीटर दूर है। इसलिए ऊटी जा रहे हैं तो इन प्रपातों को और आसपास के सुरम्य स्थलों को देखना भी न भूलें।

जलप्रपातों को देखते हुए आपको कालहट्टी-मसीनागुडी ढलानों पर वन्य प्राणियों की प्रजातियां भी देखने को मिल जाएंगी जिनमें पैंथर, सांभर और जंगली भैसें शामिल हैं।

## मुकरूथी

यह ऊटी से लगभग 36 किलोमीटर दूर हैं और यहां से आप रमणीक मुकरूथी शिखर को देख सकते हैं।

## सिम्स पार्क

यह पार्क ऊपरी कुनूर में 12 हेक्टेयर से अधिक इलाके में फैला हुआ है और माना जाता है कि इस पार्क में 1 हजार से अधिक पौधों की प्रजातियां हैं, जिनमें अनेक चीड़, फर्न और झाड़ियां शामिल हैं।

## डॉल्फिंस नोज

यहां आप अपना समय मौजमस्ती में बिता सकते हैं। खेलों में हिस्सा ले सकते हैं और सैरसपाटा कर सकते हैं। यहां आने का एक फायदा यह है कि वहां से आसपास के इलाकों का समग्र दृश्य देख सकते हैं। अगर दिन साफ हो, तो वहां से कैथरीन जलप्रपातों को भी देख सकते हैं।

### कब जाएं

अप्रैल से जून और सितंबर से नवंबर तक।

### मौसम

गर्मियों में अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस। सर्दियों में अधिकतम 21 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस।

## कैसे जाएं

### रेल मार्ग से

मेत्तूपलयम बड़ी लाइन का रेलवे स्टेशन है। बड़ी लाइन का प्रमुख रेल जंक्शन कोयंबटूर है, जो कि सभी बड़े नगरों से मिला हुआ है।

### हवाई मार्ग से

यहां से सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोयंबटूर है, जो कि 100 किलोमीटर दूर है। आप चेन्नई, कोजीकोडे, बंगलोर और मुंबई से कोयंबटूर के लिए सीधी उड़ान भर सकते हैं।

### स्थानीय वाहन

बसें, टैक्सी आदि उपलब्ध हैं।

### कहां ठहरें

डेक्कन पार्क रिजॉर्ट, होटल वेलबैक रेजीडेंसी, होटल लेक व्यू, होटल ऊटी आदि।

## एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के शानदार रंगारंग प्रस्तुति के साथ आगाज हुआ लीजेंड 90 क्रिकेट लीग

**एजेंसी**

**रायपुर ।** छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर के परसदा स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में देर रात को लेजेंड 90 क्रिकेट लीग का आगाज हो चुका है। मैच से पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने डांस व म्यूजिकल ग्रुप के साथ शानदार रंगारंग प्रस्तुति दी। स्टेडियम को दूधिया रोशनी से जगमगाते देख दर्शक काफी उत्साहित दिखे। उद्घाटन मैच में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स टीम ने दिल्ली रॉयल्स टीम को 5 विकेट से हराया।उद्घाटन मैच में सिने तारिका उर्वशी रौतेला शामिल हुई और शानदार परफॉर्मेंस दी जिसे देख दर्शक काफी उत्साहित दिखे । स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने अभिनेत्री के जलवा देखकर खुशी और आनंद से भरपूर दिखाई पड़े। वहीं स्टेडियम में सुरक्षा के काफी उम्दा इंतजाम किए गए थे। टूर्नामेंट की शुरुआत में उद्घाटन मैच दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के बीच खेला गया, 15 ओवर के मैच में छत्तीसगढ़ ने 5 विकेट से जीत हासिल की। इस मैच में पवन नेगी और गुरुकिरत सिंग मान ने अर्द्धशतकीय पारी खेली। शिखर धवन की कप्तानी में दिल्ली रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 7 विकेट पर 172 रन बनाए। इसमें दनिस्का गुणाथिलिका ने 33 गेंद में सर्वाधिक 73 रन और रोस टेलर ने नाबाद 39 रनों की पारी खेली।

## संयुक्त सचिव के चुनाव के लिए बीसीसीआई ने 1 मार्च को बुलाई विशेष आम बैठक

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नए संयुक्त सचिव के चुनाव के लिए एक विशेष आम बैठक (एसजीएम) बुलाई है। एसजीएम एक मार्च को मुंबई में होगी। पिछले महीने जय शाह की जगह देवजीत सैकिया के बीसीसीआई सचिव चुने जाने के बाद से संयुक्त सचिव का पद खाली है। बीसीसीआई संविधान के अनुसार, पद को 45 दिनों के भीतर भरना होगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, सचिव सैकिया की ओर से, बीसीसीआई स्टाफ सदस्य ने गुरुवार (6 फरवरी) शाम को एकल-आइटम एजेंडे के साथ राज्य संघों को एसजीएम नोटिस भेजा। नोटिस में कहा गया है कि चुनाव दोपहर 12 बजे मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में होगा। आम तौर पर एसजीएम बुलाने के लिए 21 दिन के नोटिस की आवश्यकता होती है और बीसीसीआई ने वैधानिक आवश्यकता का पालन किया है। दो महीने से भी कम समय में यह दूसरी एसजीएम है। पिछला चुनाव 12 जनवरी को हुआ था जब आम सभा ने नए सचिव (सैकिया) और नए कोषाध्यक्ष (प्रभातेज सिंह भाटिया) को चुना था। दोनों को निर्विरोध चुना गया। संयुक्त सचिव पद के लिए भी मुकाबला होने की संभावना नहीं है। नामांकन दाखिल करने से पहले आम सहमति बनाई जाएगी। पश्चिम क्षेत्र से एक उम्मीदवार को यह पद मिलने की संभावना है।

## उत्तराखंड ने 38वें राष्ट्रीय खेल के पहले दिन ताइक्कांडो में जीते पांच पदक

**देहरादून।** 38वें राष्ट्रीय खेल के ताइक्कांडो मुकाबलों का आगाज मिलम हॉल, मानसखंड खेल परिसर, हल्द्वानी में हुआ, जहां देशभर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। पहले दिन के रोमांचक क्योरगी मुकाबलों में एथलीटों ने अपनी फुर्ती, ताकत और तकनीक का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पदकों के लिए कड़ा संघर्ष किया। महिला क्योरगी स्पर्धाओं में गुजरात की तविशा ककड़िया ने अंडर-46 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि उत्तराखंड की विशाखा साह ने रजत पदक हासिल किया। अंडर-57 किग्रा वर्ग में उत्तराखंड की पूजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, वहीं महाराष्ट्र की शिवानी लाला भिलारे ने रजत पदक जीता। अंडर-73 किग्रा वर्ग में चंडीगढ़ की इतिशा दास ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि तेलंगाना की पयम हर्षप्रधा ने रजत पदक प्राप्त किया।

## कर्नाटक की बादशाहत बरकरार, 56 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार

**देहरादून।** 38वें राष्ट्रीय खेलों में कर्नाटक की बादशाहत कायम है। राज्य ने कई स्पर्धाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 30 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य सहित कुल 56 पदक हासिल किए हैं और पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। इसके बाद सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड 28 स्वर्ण, 12 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 52 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। विभिन्न खेल श्रेणियों में उनके प्रभुत्व ने उन्हें शीर्ष स्थान के लिए करीबी मुकाबले में बनाए रखा है।

महाराष्ट्र वर्तमान में 19 स्वर्ण, 36 रजत और 33 कांस्य सहित 88 पदकों की प्रभावशाली कुल संख्या के साथ तीसरे स्थान पर है, जो उन्हें अपने लगातार प्रदर्शन से एक मजबूत दावेदार बनाता है। मध्य प्रदेश ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 18 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य के साथ कुल 36 पदक हासिल किए हैं। इस बीच, हरियाणा ने 13 स्वर्ण, 20 रजत और 22 कांस्य सहित 55 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर रहते हुए एक मजबूत चुनौती पेश की है, जिससे कई खेल विषयों में एक पावरहाउस के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले अन्य राज्यों में तमिलनाडु (47 पदक), मणिपुर और दिल्ली (प्रत्येक में 29 पदक), और केरल (24 पदक) शामिल हैं। मेजबान उत्तराखंड 8 स्वर्ण के साथ 39 पदक हासिल करने में सफल रही है। हालाँकि, प्रतिस्पर्धा कड़ी बनी हुई है, एथलीट अपनी स्पर्धाओं में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए मानवीय सहनशक्ति की सीमाओं को पार कर रहे हैं।

# हॉकी : झारखंड की महिला टीम ने मणिपुर को 7-0 से रौंदा

**एजेंसी**

**देहरादून।** 38वें राष्ट्रीय खेल के हॉकी इवेंट के तीसरे दिन हरिद्वार में आयोजित कुल छह मुकाबले हुए। जिसमें महिला वर्ग में मध्य प्रदेश ने ओडिशा को 3-2 से हराया। मध्य प्रदेश के लिए रितिका सिंह (49', 55') और कप्तान करिश्मा यादव (50') ने गोल किए, जबकि ओडिशा की ओर से पूजा साहू (39') और दीपी मोनिका टोप्पो (45') ने गोल दागे।

अगले मुकाबले में, पश्चिम बंगाल ने हरियाणा को 2-0 से मात दी। इस मैच में सुष्मिता पन्ना (37') और कप्तान अंजना डुंगडुंग (43') ने गोल किए, दोनों गोल तीसरे क्वार्टर में किए गए। आज दिन के सबसे एकतरफा मुकाबले में झारखंड ने मणिपुर को 7-0 से रौंदते हुए महिला पूल बी की अंक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा।

झारखंड की ओर से कप्तान अलबेला रानी टोप्पो ने 5वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद, दीप्ति टोप्पो (14'), होरो संजना (23'),

रोशनी ऐंद (22', 45') और प्रमोदिनी लकड़ा (28', 35') ने गोल कर टीम को शानदार जीत दिलाई। पुरुष वर्ग में, मणिपुर को पंजाब के खिलाफ 0-2 की हार झेलनी पड़ी, जिससे वह पूल ए की अंक तालिका में सबसे नीचे पहुंच गया। पंजाब की ओर से रवनीत सिंह (19') और प्रदीप सिंह (36') ने गोल किए, जिससे पंजाब दूसरे स्थान पर पहुंच गया। पूल ए के दूसरे मुकाबले में कर्नाटक ने ओडिशा को 2-1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कर्नाटक के कप्तान वितलाचार्य सुनील सौमरपीत ने 31वें मिनट में पहला गोल किया, जिसे ओडिशा के नितिन मुकेश तिग्गा ने 45वें मिनट में बराबर कर दिया। हालांकि, 55वें मिनट में चेतन मल्लप्पा करिसिरी के गोल से कर्नाटक ने जीत दर्ज की।

वंदना कटारिया हॉकी स्टेडियम में पुरुष पूल बी के मुकाबले में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच मैच बिना गोल के ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

**मैच परिणामः**

**महिला वर्गः**

मध्य प्रदेश 3-2 ओडिशा

पश्चिम बंगाल 2-0 हरियाणा

झारखंड 7-0 मणिपुर

**पुरुष वर्गः**

मणिपुर 0-2 पंजाब

कर्नाटक 2-1 ओडिशा

उत्तर प्रदेश 0-0 महाराष्ट्र

## उत्तर प्रदेश की पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम ने जीता रजत पदक

**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तर प्रदेश की पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम ने रजत पदक पर कब्जा जमाया। देहरादून में आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता के पुरुष रिकर्व टीम इवेंट के फाइनल में उत्तर प्रदेश के रोहित, नीरज चौहान, अमन सिंह यादव और मृणाल चौहान ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन 4(27) के स्कोर के साथ उन्हें दूसरा स्थान हासिल हुआ।

इस स्पर्धा में झारखंड के गोल्डी मिश्रा, श्रेय भारद्वाज, विष्णु चौधरी और गुरुचरण बेसरा ने 4(29) के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि सर्विसेज टीम के बोम्मदेवरा धीरज, राहुल, इंद्र चंद्र इंद्र और सुखचैन सिंह को 4(28) - 4(27) के स्कोर के साथ कांस्य पदक मिला। उत्तर प्रदेश अब तक राष्ट्रीय खेलों में 6 स्वर्ण, 7 रजत और 6 कांस्य सहित कुल 19 पदक जीतकर पदक तालिका में 13वें स्थान पर पहुंच गया है।

# चोटिल कमिंस और हेजलवुड चैंपियंस ट्रॉफी से हुये बाहर

**एजेंसी**

**सिडनी।** ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने यह जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया को इसके अलावा मिचेल मार्श और मार्कस स्टॉयनिस की भी टीम से बाहर हो गये।

मार्श पीठ की चोट से जूझ रहे हैं, वहीं स्टॉयनिस ने अचानक से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया को 12 फरवरी तक इन सभी खिलाड़ियों की जगह नये खिड़ियों की घोषणा करनी है। बेली ने कहा, इन खिलाड़ियों का बाहर होना निराशाजनक है, लेकिन अन्य खिलाड़ियों के लिए ऑस्ट्रेलिया को एक विश्व स्तरीय टूर्नामेंट में प्रतिनिधित्व करने का अवसर होगा। ऐसा माना जा रहा है कि कमिंस की गैरमौजूदगी में

स्टीव स्मिथ या ट्रैविस हेड को टीम का कप्तान बनाया जा सकता हैं। इनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पास शॉन ऐबट और स्पेंसर जॉनसन, लेग स्पिनर तनवीर सांघा, स्पिन ऑलराउंडरर कूपर कॉनली, बल्लेबाज जेक फ्रेंजर मक्गर्क और तेज गेंदबाज ऑलराउंडर बो वेबस्टर भी विकल्प साबित हो सकता हैं।

## जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को 260 रन पर समेटा

**एजेंसी**

**बुलावायो।** ब्लेसिंग मुजारबानी (सात विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने एकमात्र टेस्ट मुकाबले के पहले दिन आयरलैंड को 260 रन पर समेटने के बाद एक विकेट पर 72 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली हैं। आज यहां क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गवां दिये। इसके बाद लोर्कान टकर और एंडी मैक्ब्राइन ने पारी को संभालने का प्रयास किया। ट्रेवर ग्वांडू ने लोर्कान टकर (33) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्क ऐडेर ने एंडी मैक्ब्राइन के साथ पारी को संभाला और 127 रनों की साझेदारी की। मुजारबानी ने मार्क ऐडेर (78) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद एकबार फिर आयरलैंड के विकेट लगातार गिरते चले गये और पूरी टीम 56.4 ओवर में 260 के स्कोर

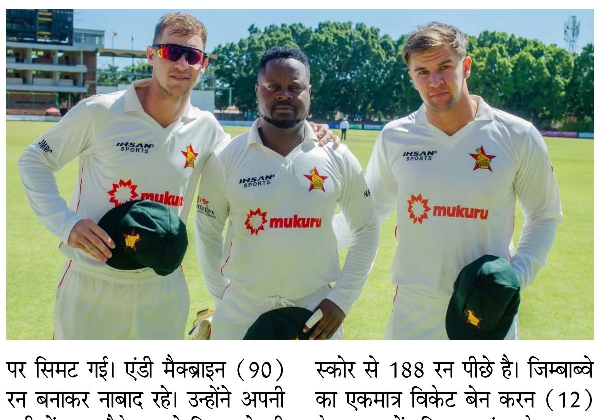

पर सिमट गई। एंडी मैक्ब्राइन (90) रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके लगाये।जिम्बाब्वे की ओर ब्लेसिंग मुजारबानी ने 58 रन देकर सात विकेट लिये। रिचर्ड एन्गरावा को दो विकेट मिले। ट्रेवर ग्वांडू ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने दिन का खेल समाप्त होने के समय एक विकेट पर 72 रन बना लिये है और वह अभी आयरलैंड के स्कोर से 188 रन पीछे है। जिम्बाब्वे का एकमात्र विकेट बेन करन (12) के रूप में गिरा। स्टंप के समय ताकुडवनाशे काइटानो (नाबाद 26) और निक वेल्च (नाबाद 33) क्रीज पर मौजूद थे।

आयरलैंड की ओर से बैरी मक्कार्थी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

# पंजाब एफसी ने ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप नेशनल फाइनल में जगह पक्की की

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के दिल्ली रीजनल राउंड में फारवर्ड विशाल यादव की शानदार हैट्रिक की बदौलत पंजाब एफसी इस अंडर-17 फुटबॉल टूर्नामेंट के नेशनल फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। नेशनल फाइनल अप्रैल में गोवा में होगा।

यहां फ्रंटियर फुटबॉल क्लब में आयोजित इस मैच में 2024 में ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के पहले संस्करण को जीतने वाली टीम ने एक बार फिर खेल शुरू होने के चार मिनट बाद ही शानदार गोल करके अपना दबदबा दिखाया। 90 मिनट्स एफसी के खिलाफ रीजनल राउंड के पहले मैच में हैट्रिक बना चुके विशाल ने शुरुआती गोल किया। इसके बाद पंजाब एफसी ने अपनी लय खो दी और अपने विरोधियों को वापसी

करने का मौका दिया। हालांकि, फिनिशिंग में कमी की वजह से गढ़वाल हीरोज को नुकसान उठाना पड़ा, जो कभी-कभार मौके मिलने के बावजूद गोल नहीं कर पाए। 1-0 की बढ़त के साथ हाफटाइम ब्रेक में जाने के बाद, पंजाब एफसी ने जीत को पक्का करने के लिए दूसरे हाफ में अपनी रणनीति में बदलाव किया। इस प्रयास से 52वें मिनट में विशाल के दूसरे गोल से उसे अपनी बढ़त को मज़बूत करने का मौक़ा मिला। विशाल ने यह गोल के बॉटम कॉर्नर में एक बेहतरीन शॉट के ज़रिये किया।इसने बाद 68वें मिनट में बॉक्स के किनारे से विशाल द्वारा किया गया ट्रेडमार्क लॉब पंजाब एफसी की जीत पक्की करते में सफल रहा। सेंटर-बैक विशाल ने एक अविश्वसनीय गोललाइन डिफेंसिव हेडर के साथ मिलकर पंजाब एफसी की जीत पक्की की। पंजाब एफसी ने कुल 17 गोल किए और एक भी गोल खाए बिना रीजनल राउंड का समापन किया।

मैच के बाद पंजाब एफसी के कोच रमेश बिस्टा ने कहा, 'हमारे विरोधियों ने आज कड़ी टक्कर दी, लेकिन हमारे पास शुरू से ही एक स्पष्ट रणनीति थी। जल्दी गोल करने के बाद, हमने उन्हें थका देने के लिए खेल की गति को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित किया। यह दृष्टिकोण सफल रहा क्योंकि हम दूसरे हाफ में दो और गोल करने में सफल रहे।'

## मेघालय के विकास और एमपी की करिश्मा ने कैनो एक्सट्रीम स्लैलम में बाज़ी मारी

**एजेंसी**

**देहरादून।** 38वें राष्ट्रीय खेल के अंतर्गत, उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के फूलचट्टी में गंगा नदी में आयोजित कैनो एक्सट्रीम स्लैलम प्रतियोगिता में मेघालय के विकास राणा और मध्य प्रदेश की करिश्मा दीवान ने शानदार प्रदर्शन कर विजेता का ताज अपने नाम किया।प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में मेघालय के विकास राणा ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। उत्तराखंड के अमित थापा को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ, जबकि सर्विसेज के नवीन कुमार तीसरे स्थान पर रहे। जबकि महिला वर्ग में मध्य प्रदेश की करिश्मा दीवान ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। मेघालय की एलिजाबेथ विनसेंट दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि अरुणाचल प्रदेश की देवी ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों

को मेजबान राज्य की खेल मंत्री रेखा आर्या और वन मंत्री सुबोध उनियाल ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को उनकी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। राष्ट्रीय खेल के इस रोमांचक आयोजन में देशभर से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और जल क्रीड़ा के इस रोमांचक मुकाबले को दर्शकों ने खूब सराहा।

# गुजरात जायंट्स ने डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए जर्सी का किया अनावरण

**एजेंसी**

**अहमदाबाद।** गुजरात जायंट्स ने डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए गुरूवार को जर्सी का अनावरण किया। मुख्य कोच माइकल क्लिंगर, खिलाड़ी हरलीन देयोल, शबनम शकील और अदानी स्पोर्ट्सलाइन के सीबीओ संजय अडेसरा की मौजूदगी में जर्सी का अनावरण हुआ। 14 फरवरी से शुरू होने वाले डब्ल्यूपीएल 2025 की शुरुआत होगी और इस टूर्नामेंट के सभी मुकाबले वडोदरा, बेंगलुरु, लखनऊ और मुंबई सहित विभिन्न स्थानों पर खेले जायेंगे। कोच माइकल क्लिंगर ने आज कार्यक्रम में कहा कि हमारी टीम का लक्ष्य इस सत्र में खिताब जीतने का है। टीम की तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा, ÷सभी खिलाड़ी वास्तव में उत्साहित हैं। अगले एक-दो दिन में विदेशी खिलाड़ी आना शुरू हो जाएंगे और फिर हम सब मिलकर काम करना शुरू कर सकते

हैं। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से यहां कड़ी प्रतिस्पर्धा करने के लिए आए हैं। हम शानदार क्रिकेट खेलने के लिए उत्सुक हैं और फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है। हम उससे दूर नहीं जा रहे हैं, इस सीजन में यही हमारा लक्ष्य होगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि, कुछ अतिरिक्त लोगों के मामले में, हमारी टीम में ऐसा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।

उन्होंने कहा, एक बात जिस पर मुझे गर्व है, वह यह है कि पिछले डब्ल्यूपीएल सीज़न के बाद से, हमारे छह खिलाड़ी ए टीम में खेल रहे हैं और उनमें से कुछ पहली बार सीनियर टीम में खेल रहे हैं। इसलिए, शीर्ष स्तर के क्रिकेट और अन्य फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव हमें अच्छी स्थिति में रहने के लिए आवश्यक समर्थन देगा।

इसके अलावा भारत की ऑलराउंडर खिलाड़ी हरलीन देओल, जो चोट के कारण पिछले सीजन में नहीं खेल पाई थीं। वह टीम के साथ वापस आकर उत्साहित थी। खासकर वडोदरा में, जहां उनकी कुछ मीठी यादें हैं, उन्हें वहां अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मुझे वडोदरा में अपना पहला शतक बनाने की सुखद यादें हैं, लेकिन क्रिकेट में आपको हर दिन शून्य से शुरुआत करनी होती है।

## हरियाणा ने महिला फुटबॉल में जीता स्वर्ण

**एजेंसी**

**देहरादून।** उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल में महिला फुटबॉल के फाइनल और कांस्य पदक के मुकाबले खेले गए। रोमांचक फाइनल में हरियाणा ने ओडिशा को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं, कांस्य पदक के मुकाबले में पश्चिम बंगाल ने दिल्ली को 3-1 से मात दी। फाइनल मैच में ओडिशा और हरियाणा की टीमें निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं कर सकीं, जिससे मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया। यहां हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की। हरियाणा की ओर से पूनम शर्मा, पूजा, ममता और संतोष ने सटीक पेनल्टी किक लगाकर टीम को जीत दिलाई।

## धामी ने साइकिलिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पदक देकर किया सम्मानित

**एजेंसी**

**नैनीताल।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में चल रहे राष्ट्रीय खेलों के बीच रुद्रपुर में साइकिलिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पदक वितरित किए।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने शिवालिक वेलोड्रम में चल रहे ट्रेक साइकिलिंग का आनंद लिया। उन्होंने वेलोड्रोम ट्रैक पर साइकिलिंग का आनंद भी लिया। श्री धामी ने 4000 मीटर के स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को पदक के साथ ही पहाड़ी टोपी पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के साथ भोजन भी किया। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन पर खुशी जताई और कहा कि इसमें 20 हजार लोगों द्वारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारे पूरे प्रदेश के लिए अत्यन्त गौरव का क्षण है। श्री धामी ने कहा कि रुद्रपुर में तैयार वेलोड्रम अद्भुत है। खिलाड़ियों ने भी इसका भरपूर आनंद लिया और सराहना की गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अनेक स्थानों पर बहुउद्देशीय हॉल का भी निर्माण किया गया है, खटीमा के चकरपुर में भी मलखम्भ, टनकपुर में राफ्टिंग की प्रतियोगिता आयोजित होनी है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में 11 विभिन्न स्थानों पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं, जो अपने आप में शानदार है। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय

खेल निश्चित रूप से हमारे प्रदेश के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक होंगे। इसके उपरान्त मुख्यमंत्री ने 46वीं वाहिनी पीएसी में पहुंचकर शॉटगन और स्कीट प्रतियोगिता का विधिवत् फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने शूटिंग में हाथ भी आजमाया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री अपने गृहनगर खटीमा में जनता से मिले एवं उनकी समस्याएं सुनीं।

# भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

**एजेंसी**

नागपुर। रवींद्र जडेजा और हर्षित राणा (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद शुभमन गिल (87), अक्षर पटेल (52) और श्रेयस अय्यर (59) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 68 गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। इंग्लैंड के 248 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और उसने मात्र 19 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान रोहित शर्मा (दो) और यशस्वी जायसवाल (15) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 94 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में जेकब बेथेल ने पगबाधा आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर ने 36 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के लगाते हुए (59) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अक्षर पटेल ने गिल का भरपूर साथ निभाया। दोनों के बीच चौथे विकेट लिये 108 रनों की मजबूत साझेदारी हुई। जीत की ओर बढ़ रही भारतीय टीम को 34वें ओवर में आदिल रशीद ने अक्षर पटेल को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अक्षर पटेल ने 47 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए (52) रन बनाये। के एल राहुल (दो) को आदिल रशीद ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट भारत को पांचवां झटका दिया। इसके बाद साकिब महमूद ने शतक की ओर बढ़ रहे शुभमन गिल को बटलर के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ा झटका दिया। गिल ने 96 गेंदों में 14 चौके लगाते हुए (87) रनों महत्वपूर्ण की पारी खेली। भारत ने 38.4 ओवर में छह विकेट पर 251 रन बनाकर चार विकेट से मुकाबला जीत लिया। रवींद्र जडेजा (12) और हार्दिक पंड्या (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे। जडेजा ने साकिब महमूद की गेंद पर विजयी चौका लगाया। इंग्लैंड की ओर से साकिब महमूद और आदिल रशीद को दो-दो विकेट मिले। जोफ्रा आर्चर और जेबेक बेथल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की फिल सॉल्ट और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में विकेटकीपर केएल राहुल ने फिल सॉल्ट को रनआउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। फिल सॉल्ट ने 26 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (43) रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में हर्षित राणा ने बेन डकेट (32) को आउट कर इंग्लैंड को दूसरा झटका दिया। इसी ओवर में हर्षित ने हैरी ब्रूक (शून्य) को आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। 19वें ओवर में रविंद्र जडेजा ने जो रूट (19) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। 36वें ओवर में हर्षित राणा ने लियम लिविंगस्टन (पांच) को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई। 40वें ओवर में मोहम्मद शमी ने ब्राइडन कार्स (पांच) को आउट किया। 43ओवर में रविंद्र जडेजा ने जेकब बेथेल (51) को आउट कर इंग्लैंड की बड़ा स्कोर बनाने की उम्मीदों को झटका दिया। जडेजा ने आदिल रशीद (आठ) को बोल्ड कर इंग्लैंड को नौवां झटका दिया। 48वें ओवर की चौथी गेंद पर कुलदीप यादव ने साकिब महमूद (दो) को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर इंग्लैंड की पारी को समेट दिया।

# क्या नोरा फतेही

## की हुई बंजी जंपिंग हादसे में मौत? ये है वायरल वीडियो का सच

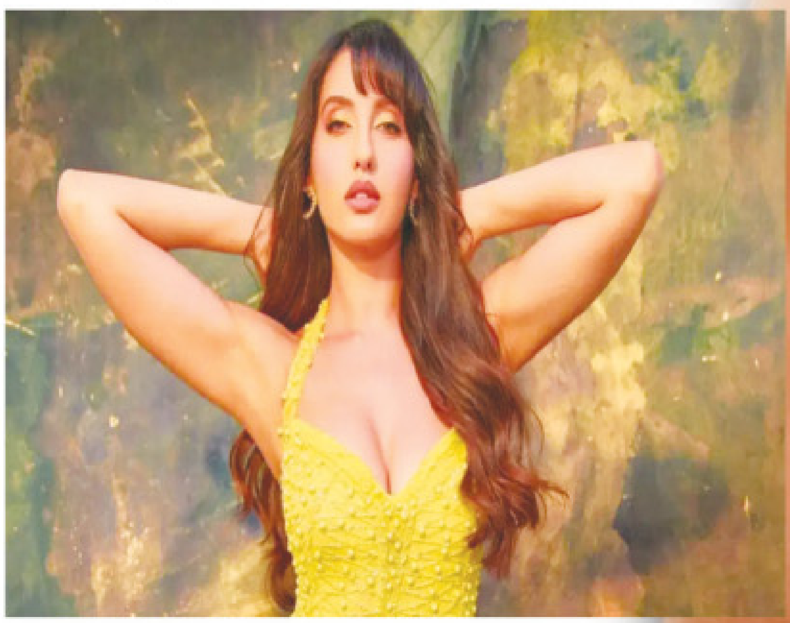

सोशल मीडिया के दौर में लोगों को कई सारी जानकारी घर बैठे-बैठे ही मिल जाती है. लेकिन इस दौर में ही लोगों को कई गलत जानकारियां भी मिल रही हैं. हाल ही में एक वीडियो सामने आया जो बॉलीवुड के फैंस के लिए चौंकाने वाला था. वीडियो में एक लड़की बंजी जंपिंग करती नजर आ रही हैं जो घने जंगलों में कहीं गिर जाती है. या यूं कहें कि दिखना बंद हो जाती है. इस वीडियो पर दावा किया गया कि जिस महिला के साथ हादसा हुआ है वो नोरा फतेही हैं. इसके बाद से ही नोरा फतेही के निधन की खबरों ने तूल पकड़ लिया. अब इस वीडियो की और नोरा फतेही के निधन की फेक न्यूज का खुलासा हो गया है.

एक्ट्रेस नोरा फतेही 6 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाती हैं. दावा किया गया है कि इस जन्मदिन उन्होंने एडवेंचर करने की ठानी और फिर ये हादसा हुआ. वीडियो में बंजी जंपिंक के दौरान एक महिला जंगल में गिरती है. उसके चिल्लाने की आवाज आती है और जंगलों में उसके गिरने की गूंज सुनी जा सकती है. वीडियो सामने आने के बाद तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. लेकिन अब इस वीडियो पर नया खुलासा भी हो गया है. तारा रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है कि वायरल हो रहा वीडियो पुराना है और जो महिला इसमें नजर आ रही है वो नोरा फतेही भी नहीं है. वहीं एक दिन पहले ही नोरा फतेही ने इंस्टा पर अपना एक वीडियो शेयर किया था. इस वीडियो में एक्ट्रेस अपने नए गाने स्नेक को मिल रहे प्यार पर रिएक्ट करती नजर आ रही हैं.

**लोग कर रहे रिएक्ट**

फैंस भी नोरा फतेही के इस वीडियो पर रिएक्ट कर रहे हैं और फैंस का भी ऐसा मानना है कि ये वीडियो नोरा फतेही का नहीं है. एक शख्स ने वीडियो पर चुटकी लेते हुए लिखा- क्या नोरा को पता है कि वे मर गई हैं. एक दूसरे शख्स ने लिखा- आप लोग फेक न्यूज क्यों फैला रहे हैं. एक अन्य शख्स ने लिखा- ये बात तो नोरा को भी नहीं पता है कि वे मर गई हैं. एक्ट्रेस की बात करें तो नोरा फतेही 6 फरवरी 2025 को अपना 33वां जन्मदिन मनाएंगी. उनका जन्म कनाडा में हुआ था मगर उनके पूर्वज मोरक्को में रहते थे.

# प्रियंका चोपड़ा

## की हरकत ने जीता फैन्स का दिल, सासू मां की साड़ी ठीक करती दिखीं देसी गर्ल

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा हमेशा सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं. प्रियंका चोपड़ा इस वक्त इंडिया में मौजूद हैं और फिलहाल वो अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा की शादी की रस्मों में शामिल हो रही हैं. प्रियंका की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं. पीसी अपने कल्चर से काफी जुड़ी हुई हैं. भाई सिद्धार्थ चोपड़ा के प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में प्रियंका चोपड़ा एक शानदार स्ट्रैपलेस गाउन में पहुंचीं. इस दौरान देसी गर्ल के साथ उनके सास-ससुर भी नजर आए. वहीं एक्ट्रेस की एक हरकत ने सभी का दिल जीत लिया. दरअसल प्रियंका चोपड़ा का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है. प्रियंका जब इवेंट पर पहुंची तो उन्होंने पैपराजी को जमकर पोज दिए. इस दौरान उनके साथ निक जोनस के माता-पिता भी मौजूद थे. इस शादी में शामिल होने के लिए निक जोनस तो नहीं पहुंचे. लेकिन प्रियंका के सास-ससुर इस शादी में शामिल होने के लिए पहुंच चुके हैं. प्रियंका की सासू मां डेनिस जोनस को पिंक कलर की साड़ी में देखा गया. वहीं केविन जोनस सीनियर को भी इंडियन अटायर में देखा गया.

**सासू मां की साड़ी ठीक करती दिखीं प्रियंका**

पैपराजी को पोज देते हुए प्रियंका अपनी सासू मां की साड़ी भी ठीक करती हुई नजर आई. एक्ट्रेस का ये अंदाज फैन्स को काफी पसंद आया. सभी का कहना है कि वो अपने सास-ससुर के साथ कितने अच्छे से पेश आती हैं. वहीं प्रियंका के आउटफिट की बात करें तो उन्होंने व्हाइट कलर का स्ट्रैपलेस गाउन कैरी किया था. उनके गाउन पर कलरफुल फूल और पत्तियों के डिजाइन बने हुए नजर आ रहे थे. इसके अलावा उन्होंने गले में खूबसूरत नेकपीस भी पहना हुआ था.

खुले बाल, हाथ में एक ब्रेसलेट और दो रिंग के साथ पीसी ने अपना लुक पूरा किया था. प्रियंका का ये लुक उनके भाई के संगीत के लिए था. एक्ट्रेस अपने भाई के प्री-वेडिंग फंक्शन को जमकर इंजॉय कर रही हैं. साथ ही एक्ट्रेस लगातार अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फंक्शन की तस्वीरें और वीडियो भी शेयर कर रही हैं. प्रियंका अपने हर लुक से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचती हुई नजर आ रही हैं.

## हिमेश रेशमिया की Badass Ravi Kumar या जुनैद-खुशी की लवयापा, एडवांस बुकिंग में किसने मारी बाजी?

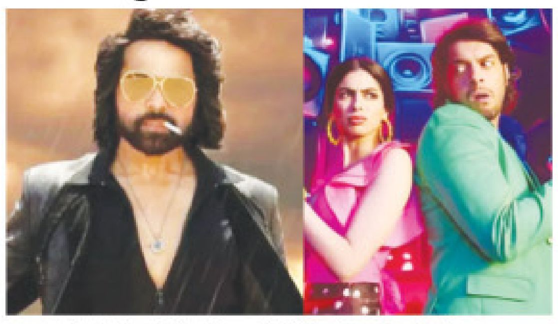

इस हफ्ते दो फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही हैं. एक तरफ बॉलीवुड की मल्टीटैलेंटेड पर्सनालिटी हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार रिलीज हो रही है. इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त बज़ बना हुआ है. इस एक्शन-ड्रामा फिल्म का निर्देशन भी हिमेश रेशमिया कर रही हैं. इस फिल्म का सामना आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म लवयापा से हो रहा है. इस फिल्म में उनके अपोजिट खुशी कपूर नजर आएंगी. इसका मतलब की 2 दिन बाद ही बॉक्स ऑफिस पर एक्सपीरियंस और फ्रेश टैलेंट के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा. माहौल बनना शुरू हो गया है. दोनों ही फिल्मों की एडवांस बुकिंग चल रही है. आइये जानते हैं कि दोनों में से कौन सी फिल्म एडवांस बुकिंग में आगे निकलती नजर आ रही है.

**बैडएस रवि कुमार की कैसी हैं ?**

फिल्मों में गाना गाने और म्यूजिक डायरेक्ट करने वाले हिमेश रेशमिया अभिनय में भी हाथ आजमाते रहते हैं. अब उनकी फिल्म बैडएस रवि कुमार सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है. फिल्म टीजर रिलीज के बाद से ही चर्चा बंटोर रही है. अब जब इस फिल्म की रिलीज को 2 दिन बचे हैं तो इसकी एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है. रिपोर्ट्स की मानें तो एडवांस बुकिंग के मामले में इस फिल्म को काफी फायदा मिल रहा है. ओपनिंग डे पर फिल्म के करीब 5000 टिकट्स बिक गए हैं. ये एक हेल्थी आंकड़े हैं जो फिल्म को लेकर सामने आए हैं. अभी फिल्म की रिलीज को 1 दिन बचा है. मतलब कि फिल्म अभी एडवांस बुकिंग में और भी कमाई कर सकती है. इसी के साथ अनुमान तो ऐसे भी लगाए जा रहे हैं कि ये फिल्म पहले ओपनिंग डे पर भी अच्छी-खासी कमाई करने में सफल रहेगी.

**जुनैद-खुशी की लवयापा पर अपडेट**

वहीं बैडएस रवि कुमार की तुलना में लवयापा फिल्म को ज्यादा तवज्जो नहीं मिल रही है. फिल्म को ओपनिंग डे पर इसका नुकसान भुगतना पड़ सकता है. ओटीटी पर तो जुनैद खान ने कमाल कर दिया था लेकिन अब ये देखने वाली बात होगी कि क्या वे थिएटर्स में भी वैसा ही कमाल दिखा पाएंगे. फिल्म को लेकर जो एडवांस बुकिंग की डिटेल्स आ रही हैं उसके मुताबिक इस फिल्म को एडवांस बुकिंग में बहुत ही स्लो स्टार्ट मिली है. मतलब कि इस फिल्म को हिट होने के लिए अब बेटर वर्ड ऑफ माउथ का ही सहारा है.

## 'दीदी तेरा देवर दीवाना' गाने में सलमान खान ने किसके कहने पर पहनी थी नाइटी? सूरज बड़जात्या ने किया खुलासा

बड़े पर्दे पर सलमान खान और माधुरी दीक्षित की जोड़ी को बहुत पसंद किया गया है. दोनों ने साथ में 'हम आपके हैं कौन', 'साजन', 'हम तुम्हारे हैं सनम', 'दिल तेरा आशिक' जैसी फिल्मों में साथ में काम किया है. इन मूवीज ने सलमान के चॉकलेटी बॉय वाले रोल को प्यार मिला है. आज हम सलमान खान की इन्हीं फिल्मों में से एक 'हम आपके हैं कौन' का वो किस्सा बता रहे हैं, जिसका जिक्र खुद हाल ही में सूरज बड़जात्या ने किया है. इस फिल्म के एक गाने में सलमान नाइटी पहने हुए नजर आ रहे हैं. अब डायरेक्टर ने बताया कि आखिर किसके कहने पर उन्होंने ऐसा किया था.'हम आपके हैं कौन' के गाने 'दीदी तेरा देवर दीवाना' में आखिरी में सलमान खान व्हाइट कलर की नाइटी में कॉमिक रोल में नजर आते हैं. सूरज बड़जात्या ने बताया कि इसमें नाइटी पहनने के लिए उनको माधुरी दीक्षित ने कहा था. माधुरी की जिद थी कि गाने में सलमान ऐसा करें और तो और एक्ट्रेस ने खुद उनका मेकअप भी किया था.

**सबको पसंद आया नाइटी वाला आइडिया**

सूरज बड़जात्या ने बताया कि इस गाने की शूटिंग 16 दिनों में पूरी हुई थी, क्योंकि ये गाना काफी लंबा है. तो शूटिंग 16 दिनों में हुई और फिल्मिंग 9 दिनों में पूरी हो पाई थी. हम इसे एक हाई नोट पर खत्म करना चाहते थे, और लास्ट में थोड़ा फन देना चाह रहे थे. तब मैंने अपने पिता को बताया कि मैं इस फिल्म के एक सीन में सलमान खान को नाइटी पहनाना चाहता हूं. ये बात सुनकर सलमान खान तो राजी हो गए थे, लेकिन पिता ने तुरंत इस आइडिया के लिए मना कर दिया. तब हताश होकर मैं अपना आइडिया लेकर फिल्म के कास्ट और क्रू के पास गया. मैंने सबके साथ इसे शेयर किया तो सभी को ये बड़ा मजेदार लगा और पसंद भी आया.

**माधुरी के कहने पर सलमान ने पहनी नाइटी**

सूरज बड़जात्या ने आगे कहा, माधुरी को ये आइडिया बड़ा पसंद आया और उन्होंने इसको सपोर्ट किया. इसके बाद मैंने सेट पर मौजूद सभी फीमेल डांसर्स और महिलाओं का वोट लिया. सभी डांसर्स और माधुरी इस मजेदार आइडिया के लिए सहमत हो गईं और बाद में माधुरी ने खुद सलमान से नाइटी पहनने की जिद की. यहां तक कि उस ड्रेसअप के बाद माधुरी ने खुद सलमान खान का मेकअप भी किया था. हां पर ये एक लंबा गाना था तो इसकी शूटिंग में वक्त लगा था.